ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुडा मामला : देसाई पैनल ने सिद्धारमैया के परिवार को दी क्लीन चिट @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 06 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-246

कांग्रेस के बीड़ी-बिहार वाले ट्वीट पर भूचाल

अपमान का हिसाब चुनाव में चुकाएंगे : भाजपा

पटना, 05 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों पर एक सोशल मीडिया पोस्ट ने न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे देश की राजनीति को गर्मा दिया है। केरल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल से किया गया एक विवादास्पद पोस्ट - बी से बीड़ी और बी से बिहार - अब राजनीतिक तूफान का केंद्र बन गया है। भाजपा और एनडीए के घटक दलों ने इसे बिहार के लोगों का सीधा अपमान बताते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

केरल कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया गया था कि बी से बीड़ी और बी से बिहार - जीएसटी में छूट बीड़ी को, बिहार को नहीं। इस पोस्ट के बाद भाजपा और जदयू समेत एनडीए के सभी घटक दलों ने कांग्रेस पर हमला बोल दिया। भाजपा ने इसे घटिया राजनीति और बिहारियों के प्रति अपमानजनक दृष्टिकोण करार दिया।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस पोस्ट को शर्मनाक बताया और कहा कि केरल कांग्रेस ने बिहार के लोगों की तुलना बीड़ी से कर उनका अपमान किया है। यह सिर्फ एक ट्वीट नहीं, बल्कि बिहार के स्वाभिमान पर प्रहार है।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी से सवाल किया कि क्या आप बिहार की तुलना बीड़ी से कर सकते हैं? क्या आपको बिहार के इतिहास, संस्कृति और योगदान की कोई परवाह नहीं? आप चंद वोटों के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं।

प्रसाद ने चेतावनी दी कि हम इस अपमान का मुंहतोड़ जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में देंगे। यह बिहार के लोगों के खिलाफ अपमान है, और वे इसका हिसाब चुनाव में लेंगे।

जदयू ने इस मामले में राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी निशाने पर लिया। पार्टी ने पूछा कि जब कांग्रेस ने बिहार का अपमान किया, तो उनकी प्रतिक्रिया कहां थी?

तेजस्वी यादव ने बाद में कहा कि मैं इस पोस्ट के बारे में अनभिज्ञ था, लेकिन स्पष्ट कर दूं - बिहार के स्वाभिमान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। इस बयान को कांग्रेस के प्रति अप्रत्यक्ष चेतावनी माना जा रहा है।

विवाद बढ़ते देख केरल कांग्रेस ने पोस्ट हटा दिया और एक नया ट्वीट किया कि हम देख रहे हैं कि हमारे जीएसटी सुधार पर किए गए कटाक्ष को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। अगर किसी को ठेस पहुंची हो, तो हम क्षमा चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पोस्ट सरकार के जीएसटी फैसले के खिलाफ था, जिसमें बीड़ी पर टैक्स 28% से घटाकर 18% किया गया। सिगरेट और सिगार पर टैक्स 18% से बढ़ाकर 40% कर दिया गया। केरल कांग्रेस का तर्क था कि सरकार ने गरीबों के लिए सस्ती बीड़ी को छूट दी, लेकिन महंगे धूम्रपान उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर मध्यम वर्ग को निशाना बनाया। लेकिन बी से बिहार के तंत्र को लोगों ने अपमानजनक माना। ▶10पर

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी का आह्वान

सरकारी स्कूलों के टीचर छात्रों के साथ खाएं दोपहर का भोजन

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आज एक महत्वपूर्ण आह्वान किया। उन्होंने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से अपील की कि वे दोपहर का भोजन छात्रों के साथ सामूहिक रूप से करें, ताकि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को लगातार सुनिश्चित किया जा सके। यह बात उन्होंने हैदराबाद में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। रेवंत रेड्डी जो शिक्षा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे हैं, ने कहा कि मुझे गहरा दुख होता है जब सरकारी स्कूलों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं होती हैं। जबकि सरकार ने मिड-डे मील योजना के लिए बजट बढ़ाया है और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि शिक्षक छात्रों के साथ भोजन करेंगे, तो इससे न केवल भोजन की गुणवत्ता की निगरानी होगी, बल्कि यह छात्रों के साथ शिक्षकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होगा।

अगर शिक्षक खुद वही भोजन खाएंगे जो छात्र खाते हैं, तो कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकेगी। यह एक जवाबदेही की संस्कृति बनाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह खुद नियमित रूप से सरकारी स्कूलों का दौरा करेंगे और छात्रों के साथ भोजन करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योजना ठीक तरीके से लागू हो रही है।

रेड्डी ने शिक्षकों से अपील की कि वे स्कूलों में भोजन, पीने के पानी, स्वच्छता, बच्चों की पढ़ाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता होने पर सरकार को सीधे सूचित करें। आप सिर्फ पढ़ाने तक सीमित न रहें। आप स्कूल के समग्र विकास के लिए भी जिम्मेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार प्रतिवर्ष लगभग 200 शिक्षकों को सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों में भेजेगी, जहां उन्हें वहां की गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण ही सिंगापुर और जापान जैसे देश विकास के शिखर पर पहुंचे हैं। हमें भी उनके अनुभवों से सीखना होगा।

रेड्डी ने राज्य की शिक्षा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में 27,000 सरकारी स्कूलों में लगभग 24 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। वहीं, 11,000 निजी स्कूलों में 34 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। ▶10पर

रेवंत रेड्डी के खिलाफ तेलंगाना भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

हैदराबाद/नई दिल्ली 05 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना भाजपा ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान दिए गए एक विवादास्पद भाषण को लेकर दायर मानहानि के मामले को बहाल करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी का कहना है कि रेड्डी के बयानों ने भाजपा की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया और चुनावी माहौल को भड़काया। 01 अगस्त, 2024 को तेलंगाना हाई कोर्ट ने मानहानि का मामला खत्म कर दिया था, जिसे अब भाजपा बहाल कराने की मांग कर रही है। इसके पीछे सीएम रेड्डी का तर्क था कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का आधार नहीं बनाया जा सकता, और यह कार्यवाही राजनीतिक ▶10पर

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप

मुंबई 05 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति, बिजनेसमैन राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। यह कदम 60.48 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में उठाया गया है, जिसमें बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने शिल्पा और राज को बिजनेस के लिए दी गई रकम को निजी खर्च में लगा दिया।दोनों नियमित रूप से विदेश यात्रा करते हैं। जांच में बाधा न आए, इसलिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

दीपक कोठारी, एक बिजनेसमैन, ने 14 अगस्त 2024 को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के संचालित बिजनेस में कुल 60.48 करोड़ रुपए निवेश किए। यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गई, बजाय बिजनेस विस्तार के लिए इस्तेमाल किए जाने के। उन्हें कोई रिटर्न या वापसी नहीं मिली।

2015 में, दीपक कोठारी की मुलाकात एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और राज कुंद्रा से हुई। दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे, जिसमें शिल्पा के पास 87% से अधिक शेयर थे।

अवकाश सूचना

गणेश विसर्जन के अवसर पर शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को शुभ लाभ कार्यालय में **अवकाश** रहेगा। अतः अगला अंक सोमवार, 08 सितंबर, 2025 को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

श्रीनगर के हजरतबल दरगाह में अशोक चिन्ह तोड़े जाने पर विवाद

श्रीनगर 05 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर स्थित प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह में आधारशिला पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक (अशोक चिन्ह) को तोड़ दिए जाने की घटना ने राज्य में राजनीतिक और धार्मिक तूफान खड़ा कर दिया है। यह घटना दरगाह के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास कार्यक्रम के दौरान हुई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करना सिर्फ एक तोड़फोड़ नहीं, बल्कि एक आतंकवादी हमला है। यह भीड़ एक राजनीतिक दल के गुंडों की थी, जो पहले भी कश्मीर को बर्बाद कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस भीड़ ने दरगाह के प्रशासकों पर भी हमला किया और उनकी जान बाल-बाल बची। इन लोगों ने

यह आतंकवादी हमला : वक्फ बोर्ड
यह इस्लाम के खिलाफ : एनसी

खुलेआम दरगाह शरीफ के अंदर घुसकर राष्ट्रीय प्रतीक को तोड़कर एक बड़ा अपराध किया है। दरगाह की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई है। डॉ. अंद्राबी ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी कि जैसे ही हमलावरों की पहचान होगी, उन्हें आजीवन दरगाह में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जाएगा और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। डॉ. अंद्राबी ने स्पष्ट किया कि दरगाह के पुनर्विकास का उद्देश्य केवल इसकी पवित्रता, सुरक्षा और जनता के विश्वास को मजबूत करना है।हम इस तरह की शर्मनाक हरकतों को अपने प्रयासों को पटरी से उतारने नहीं देंगे। दरगाहें इबादत और सम्मान की जगहें हैं। यहां किसी को भी राजनीति करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तनवीर सादिक ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए अशोक चिन्ह के दरगाह में रखे जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हालांकि मैं कोई धार्मिक विद्वान नहीं हूं, लेकिन मैं जानता हूं कि इस्लाम मूर्ति पूजा की सख्त मनाही करता है। यह तौहीद (एकेश्वरवाद) के खिलाफ है, जो हमारे ईमान की बुनियाद है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर अशोक चिन्ह को एक मूर्ति के रूप में वर्णित किया जा रहा है, तो उसे दरगाह के अंदर रखना इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। हजरतबल दरगाह के आंतरिक भाग का नवीनीकरण और उद्घाटन बुधवार को किया गया था। इस दौरान आधारशिला पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह (अशोक स्तंभ के सिंह) को कुछ लोगों ने तोड़ दिया। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग आधारशिला के पास जमा होकर चिन्ह को तोड़ रहे हैं, जबकि वक्फ बोर्ड के अधिकारी उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत ने पीटर नवारो के भ्रामक बयानों को खारिज किया

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर गलत और भ्रामक आरोप लगाए थे। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नवारो के दावे तथ्यों से अनजानी पर आधारित, गलत और भ्रामक हैं, और इन्हें भारत-अमेरिका के रणनीतिक संबंधों को समझने की बजाय भ्रम फैलाने की कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक गहरी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित है। ऐसे बयान जो तथ्यों से अलग हों, उस संबंध को प्रभावित नहीं कर सकते।

पीटर नवारो ने हाल ही में कई बयान दिए, जिनमें उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। दावा किया कि भारत रूसी तेल को यूरोप, अफ्रीका और एशिया में फिर से बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। एक विवादास्पद टिप्पणी में कहा कि रूसी तेल के कारोबार में केवल ब्राह्मण मुनाफाख-ोरी कर रहे हैं। इन बयानों पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत ऊर्जा आपूर्ति के लिए अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय लेता है। हमारी तेल खरीद वैश्विक बाजार की गतिशीलता और ऊर्जा सुरक्षा की आवश्यकता पर आधारित है। यह न तो किसी देश के खिलाफ है और न ही यूक्रेन संघर्ष को प्रभावित करती है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

काशी-मथुरा मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएस-एस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान का समर्थन करते हुए कहा कि काशी और मथुरा के मुद्दों पर बातचीत और सहभागिता के माध्यम से स्थायी समाधान खोजा जाना चाहिए। मदनी ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय को आपसी मतभेदों को दूर करने और सामाजिक एकता के लिए आगे आना चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करते हैं। दोनों समुदायों के बीच मतभेद हैं, लेकिन उन्हें कम करने की जरूरत है।

कुछ दिन पहले आरएसएस की एक बैठक में मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर आंदोलन ही एकमात्र मुद्दा था जिसमें संघ ने आधिकारिक तौर पर समर्थन किया, लेकिन काशी और मथुरा के मुद्दों पर संघ के कार्यकर्ता व्यक्तिगत रूप से शामिल हो सकते हैं। उन्होंने भारत के मुस्लिम समुदाय से स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत का आह्वान किया था।

इस बयान के बाद अब मौलाना मदनी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोहन भागवत के मुस्लिम समुदाय तक पहुंचने के प्रयासों की प्रशंसा की जानी चाहिए। यह एक सकारात्मक कदम है। हम ऐसे सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं जो

मोहन भागवत के सुझाव का किया समर्थन

सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करें।

मदनी ने बताया कि जमीयत उलमा-ए-हिंद ने पहले ही एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें दोनों समुदायों के बीच बातचीत और संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। हमारा संगठन पहले से ही सहभागिता के पक्ष में है। हम चाहते हैं कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील रहें और ऐतिहासिक मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए। मौलाना मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और सार्वजनिक संवाद के स्तर में आई गिरावट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक नेता, विपक्ष सहित सभी दलों के, अक्सर अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सामाजिक एकता के लिए खतरनाक है। राजनीति में भावनाओं को भड़काना लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक है।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि वे संवाद, सम्मान और सहिष्णुता के मार्ग पर चलें।

काशी और मथुरा के मुद्दे लंबे समय से धार्मिक और ऐतिहासिक बहस का विषय रहे हैं। मथुरा में कृष्ण जन्मस्थल पर शाही ईदगाह मस्जिद स्थित है, जिसके नीचे पुरातत्विक अवशेषों के मिलने के बाद विवाद गहराया है। काशी में विश्वनाथ मंदिर के पास गौतम बुद्ध मस्जिद को लेकर भी कानूनी और ऐतिहासिक बहस चल रही है। मोहन भागवत के बयान और अब मदनी के जवाब ने इन मुद्दों पर शांतिपूर्ण संवाद की संभावना को जन्म दिया है।

मदनी का यह बयान एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह दिखाता है कि धार्मिक नेतृत्व अब विभाजन के बजाय संवाद की ओर बढ़ रहा है। अगर दोनों पक्ष वार्ता के लिए तैयार हो जाएं, तो यह भारत के सामाजिक सद्भाव के लिए एक बड़ा कदम होगा।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,380/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,26,590/- (प्रति किलोग्राम)

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी का हुआ भव्य शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री के साथ अन्य राजनेताओ ने की शिरकत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन बेंगलुरु नॉर्थ चैप्टर एवं जीतो एपेक्स के संयुक्त तत्वावधान में जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को त्रिपुरा वासिनी पैलेस ग्राउंड में हुआ। नवकार मंत्र के मंगल उच्चारण एवं जीतो अपेक्स, केकेजी जोन तथा जीतो बेंगलुरु पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से आयोजन की विधिवत्त शुरुआत हुई।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आयोजन का उद्धघाटन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से राज्य की आर्थिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को नई दिशा मिलती है। उन्होंने इस आयोजन को व्यापार और संस्कृति का अनूठा संगम बताया। उन्होंने नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जीतो की भूमिका को सराहा एवं व्यापार जगत के लिये इसे प्रेरणादायिक मंच बताया।

बेंगलुरु सेंट्रल के सांसद पी. सी. मोहन ने जीतो के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी उद्यमिता और परंपरा दोनों को एक साथ जोड़ती है साथ ही उन्होंने आयोजन को समाज हित में प्रेरणादायी बताया तथा जीतो परिवार की सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता की सराहना की।

विधायक एम. कृष्णाप्पा ने इसे कर्नाटक की व्यवसायिक गतिविधियों में नई ऊर्जा का वाहक कहा एवं इस भव्य आयोजन को जैन समाज की गौरवपूर्ण परंपरा से जोड़ा। इस आयोजन में समाज, उद्योग और राजनीति के विभिन्न क्षेत्रों की गरिमामयी उपस्थिति रही। भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से आभूषण और विवाह उद्योग की नवीनतम झलक प्रस्तुत की गई। जिसने उपस्थित जनसमूह को अभिभूत कर दिया।

प्रदर्शनी शुभारंभ में उपस्थित जीतो अपेक्स, जोन, बैंगलोर पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि इस विशाल आयोजन के पीछे जीतो सदस्यों की ऊर्जा व मार्गदर्शन की शक्ति है। उन्होंने कहा कि जीतो हमेशा ही जन-मानस की आकांक्षाओं पर खरा उतरा है और आगे भी प्रयासरत रहेगा।

जेवर एकस्पो के संयोजक सुरेश गन्ना एवं ब्राइडल स्टोरी संयोजक सुमन सिंघवी ने आयोजन का उद्धेश्य बताते हुए कहा कि आज ज्वैलरी एवं पहनावा हमारी संस्कृति का हिस्सा बनती जा रहे है और दोनों को एक ही छत के नीचे लाकर आधुनिक ज्वैलरी व परिधानों के चुनाव में आने वाली कशमकश को मिटाना है। संयोजको ने कहा कि फैशनेबल ज्वेलरी एवं कपड़ों की ज्यादा जरूरत शादी आदि आयोजनों में पड़ती है और शादी एक रस्म न होकर कहानी है प्यार की, रिश्तों की एवं नये सपनों की और इन्ही सपनों को हकीकत में बदलने के लिये यह आयोजन है। महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने जेवर एक्सपो व ब्राइडल स्टोरी की विशेषताओं को बताया।

जीतो केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने आयोजन की शुभकामनायें देते हुए कहा कि पिछले तीन महीनों से चल रही तैयारियों एवं अथक प्रयास का परिणाम आज यहा देखने को मिल रहा है। अपेक्स श्रमण आरोग्यम अध्यक्ष रमेश हरण, जीतो अपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी, अपेक्स महिला विंग अध्यक्ष शीतल दुग्गड़, डायरेक्टर इंचार्ज सोनाली दुग्गड़, अपेक्स सचिव ललित डांगी ने भी विचार व्यक्त किये।

जीतो अपेक्स चेयरमेन पृथ्वीराज कोठारी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज के लिये एक मास्टर स्ट्रोक साबित होगा। उन्होंने सोने के बारे में बोलते हुए कहा कि आज अमेरिका जैसा देश भी हजारों टन सोना इकट्ठा कर चुका है क्यूंकि यह मेटल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी है। साथ ही उन्होंने देश की महिलाओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओ ने अपनी बचत से सोना खरीदकर परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। उन्होंने आयोजन की भव्यता पर खुशी व्यक्त की। जीतो अपेक्स के पूर्व चेयरमेन तेजराज गुलेच्छा ने आयोजन की शुभकामना देते हुए साधार्मिको के लिये योजनाओं की परिपक्वता पर ज्यादा जोर देने का अनुरोध किया।

समारोह में ज़ेवर एक्सपो एवं ब्राइडल स्टोरी के सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। उद्धघाटन के पश्चात पूरा जनमानस सोने के विभिन्न प्रकार के गहनों एवं पारंपरिक तथा आधुनिक वस्त्रो से सजी स्टालों की तरफ उमड़ पड़े। पहले दिन की शुरुआत से ही बेंगलूरु की जनता का उत्साह देखने लायक था, खरीददारो की विभिन्न प्रकार की स्टाल में जानकारी प्राप्त करने से स्टाल मालिको के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने ज्वैलरी तथा शादी संबंधी तैयारियों के विकल्प तलाश रहे उत्साहों के लिये एक बार प्रदर्शनी में आने का अनुरोध किया। उद्धघाटन समारोह का संचालन जीतो बेंगलूरु नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी एवं केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन ने किया। धन्यवाद सह संयोजक प्रवीण दक ने दिया।

लोभ से हुआ लाभ, लोभ को बढ़ावा देता है : साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने बारह भावना के अंतर्गत तीसरी संसार भावना का महत्व समझाते हुए कहा कि संसार मे रह कर इस संसार भावना को भाना एक तरह से कठिन है। खास कर के उनके लिये जो पूर्वोपार्जित पुण्य कर्म से यहां सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। दुःख कम लग रहा है और सुख अधिक। अनुकूल परिस्थिति में है। परंतु एक तरह से ये अनुकूल स्थिति ही एक समस्या बन जाती है क्योंकि इससे हमें संसार अच्छा लगने लगता है। और ये ही हमारे संसार को बढ़ाने का कारण बन जाता है। प्रतिकूल स्थिति में संसार से विरक्त होना संभवित लगता है परंतु अनुकूल परिस्थिति में दुष्कर, परंतु इस संसार भावना को हम यदि ठीक से समझे और उस पर चिंतन मनन करें तो अनुकूल समय मे भी हमें ज्ञात हो जायेगा की इस अल्प समय के सुख की माया में बहना हमारे लिये कितना घातक सिद्ध हो सकता है। दरअसल संसार यानी यहां से वहां भटकना। और जिसमें कुछ समय के सुख के लिये अनंत काल के दुख को स्वीकार करना। संसार को बढ़ाने का मुख्य कारण है मिथ्यात्व। यह है तब तक संसार का अंत संभव नहीं।

इस मिथ्यात्व के सहयोगी है क्रोध, मान, माया, लोभ, पांच इन्द्रिय के विषय आदि। इस मिथ्यात्व के कारण जीव का अधिकतर समय निगोद जैसी योनि में जाता है और जहां दुःख के सिवा कुछ नहीं। और इस संसार मे कषाय अपना रोल निभाते हैं। लोभ, तृष्णा के दुःख से दुखी करता है। लोभ से हुआ लाभ फिर लोभ को बढ़ावा देते हैं।

इस लाभ से अनुकूल जीवों के प्रति राग उत्पन्न होता है और प्रतिकूल के प्रति द्वेष। फिर जीव लाभ के लोभ में माया का आचरण करता है। अधिक लाभ मान कषाय को पोषता है। और लाभ न होने पर क्रोध की संभावना हो जाती है।

साध्वी श्री ने कहा- इस संसार की एक विशिष्टता यह है कि जीव यहां इंद्रियों के सुख के पीछे पागल बनता है। संसार की असारता को समझ कर, संसार भावना को भाकर, यहां से विरक्त होकर कल्याण मार्ग पर अग्रसर होना ही हितावह है। साध्वीवृंद सोमवार को प्रातः सात बजे सकल संघ के साथ लाइफ स्टाइल एपार्टमेंट मे पगलिया करने हेतु पधारेंगे। महेंद्र जैन ने बताया कि साध्वीवृंद के दर्शनार्थ मुबंई से राजेन्द्र पोरवाल बागरा, गुलाबीदेवी पोरवाल पधारे और संघ पूजन और आरती का लाभ लिया। संघ की ओर से महावीर घेवरचंद संघवी, भंवरलाल पेराजमल, मोहनलाल रतनचंद,परिवार ने बहुमान किया गया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया

गणपति महोत्सव धूमधाम से मनाया

मैसूरु/शुभलाभ ब्यूरो।

एकदंत गेलेयरा बलगा त्यागराज मोहल्ला, बन्नूर के तत्वावधान में 5 वां गणपति महोत्सव मनाया गया।

मुख्य अतिथि समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने गणपति प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने राजपुरोहित का सम्मान किया। राजपुरोहित ने बताया कि गणपति हिन्दू धर्म के लोकप्रिय और पूजे जाने वाले देवता हैं, जो भगवान शिव और पार्वती के पुत्र हैं।

वे विघ्नों को दूर करने वाले, बुद्धि, सुख, समृद्धि और सफलता के दाता हैं ।

हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य का शुभारंभ गणपति की पूजा से होता है। महोत्सव के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रतिस्पर्धा में महिलाओं ने रंग-बिरंगी रंगोलियां उकेरकर श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष गगन पारीक, सचिव गुरू पारीक, कोषाध्यक्ष कार्तिक पारीक, सहित कृष्ण गौड़ा, पहलवान वेंकटेश, पहलवान लिंगप्पा, राजेश सिंह राजपुरोहित, दिलीप पारीक व सदस्य उपस्थित रहे।

हमारे जीवन में गुरु का अतुलनीय स्थान : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में आचार्य जयमल जयंती पर साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि आचार्य जयमलजी ने अपनी साधना से युग की धारा ही बदल दी थी। आगम के स्थान पर उस समय के यतियों ने अपनी परंपराएं और मान्यताएं आम जनता पर थोप दी थी और डर का माहौल पैदा कर दिया था। ऐसे वक्त पर जयमलजी ने अनेक परिषहों को सहते हुए आगम सिद्धांतों की पुनर्स्थापना की। लोकाशाह, लवजी ऋषि, धर्मदासजी की तरह आचार्य जयमलजी को भी जिनशासन में वो ही स्थान प्राप्त है। आचार्य जयमलजी का नाम उनकी माता महिमा देवी और पिता मोहनदासजी ने तत्कालीन घटनाओं के संदर्भ में रखा था। इस से यह संदेश मिलता है कि हम भी अपने बच्चों का नाम अर्थ पूर्ण और गुण संपन्न रखें।

साध्वी ऋद्धिप्रभाजी ने कहा कि गुरु का हमारे जीवन में अतुलनीय स्थान है। गुरु से ही हमारा जीवन शुरू होता है। गुरु हमें जीवन शैली सिखाते हैं। वे कुम्हार सम निर्माता होते हैं, जो पात्र की योग्यता को निखारने में पारंगत होते हैं। हमारी आत्मा में अनंत शक्ति और ज्ञान का बोध भी गुरु ही कराते हैं। गुरु जयमल इस युग के प्रधान आचार्य थे।

इस प्रसंग पर चेन्नई रायपुर महिला मंडल और युवा मंडल ने गुरु गुणगान किया तथा साध्वी वृंद से आगामी चातुर्मास हेतु विनती की।

सभा में उपस्थित रिद्धिप्रभाजी महाराज साहब के सांसारिक वीर माता पिता राजेंद्र कुमारजी एवं रामकलाबाई का संघ की ओर से सम्मान किया गया। जयमल जयंती प्रसंग पर जय जाप का आयोजन हुआ।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए शिक्षक दिवस पर समस्त गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ सुनाया।

मानव को भजन से ज्यादा भोजन की चिंता: सन्त ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित सन्तश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि भाग्य बड़ा तो भजन करो। भाग्य अच्छा है, शरीर स्वस्थ है और परिवार अच्छा है तो भजन करो।

भगवान का कीर्तन करो, धर्म ध्यान करो। लेकिन विडंबना यह है कि समय अच्छा होने पर मनुष्य भजन नहीं करता है। भोजन करने में मनुष्य होशियार है, लेकिन भजन करने से भागता है। मनुष्य तीन बार भोजन करता है। लेकिन भजन एक बार भी नहीं करना चाहता है। अगर कोई बोला तो वो एक बार भजन करेगा और उसमें भी झंझट करता रहेगा। मनुष्य का अगर मन भजन करने को करता भी है तो भी उसको सही से नहीं कर पाता है। तीन बार भोजन करने वाला एक बार भजन नहीं कर पा रहा है। पुराने लोगों में भोजन से पहले भजन करने की धारणा थी। पहले व्याख्यान और प्रार्थना में पांच पांच सौ लोग पहुंचते थे। लेकिन अब का समय बिल्कुल बदल चुका है। लोगों का स्थानक और मंदिर जाकर दर्शन करने का मन करता हैं। पहले लोग सामायिक करने के लिए हर काम छोड़ देते थे। लेकिन अब लोग काम के लिए धर्म ध्यान को छोड़ देते हैं। भोजन करने के लिए मनुष्य कुछ भी करता है। लेकिन भजन के लिए कोई प्रयास नहीं करता है। याद रखो जिसकी जैसी भावना होगी उसका जीवन भी वैसा ही हो जाएगा। समय रहते ही धर्म ध्यान किया जा सकता है। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य के पास किसी चीज की कमी नहीं बल्कि मन में कमी होती है। जिस प्रकार मनुष्य भोजन और संसार के काम में व्यस्त है वैसे ही भजन करो। धन की दौड़ ज्यादा है लेकिन धर्म की दौड़ कम होती जा रही है। मनुष्य का जितना चित्त धन में है अगर वही धर्म में लग जाए तो कल्याण हो जाए। धन सिर्फ मोह का जाल है। खुद की करनी खुद ही भरनी पड़ेगी। इसलिए मनुष्य को मोह माया से आश छोड़ कर धर्म भजन में लग जाना चाहिए। समय आयेगा तो जगत का कोई भी मोह काम नहीं आएगा। यहीं सब कुछ छोड़ के जाना पड़ेगा। जितना जल्दी मनुष्य मोह जाल के मायाजाल को समझेगा उसका उतना ही जल्दी कल्याण होगा। यह शरीर नश्वर है कब चला जाएगा पता नहीं। इसलिए जब तक समय है भजन ध्यान कर लेना चाहिए। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान 2 बजे से प्रवचन में युग प्रधान एका भवतारी आचार्य सम्राट श्री जयमलजी का 318वां जन्मदिवस मनाया जाएगा।

चुण्डावत मेवाड़ राजपूत संघ के अध्यक्ष बने

बेंगलूरु/शुभलाभ ब्यूरो

स्थानीय राजपूतों समाज को संगठित कर उनके हितों को बेहतर बनने के उद्देश्य से बेंगलूरु शहर के राजपूत बंधुओं ने मिलकर एक नए संगठन मेवाड़ राजपूत संघ का गठन किया। संगठन के संस्थापक सदस्यों ने सर्वसम्मति से बलवीरसिंह चुण्डावत का अध्यक्ष चुना। इस दौरान नव नियुक्त अध्यक्ष चुण्डावत ने अपने संबोधन में समाज के छोटे व मध्यम वर्ग के लोगों को समृद्ध बनाने पर जोर दिया। वहीं उक्त नए संगठन को सप्तगिरी गौडा, बीटीएस नागराज व अभिनागराज ने शुभकामनाएं दी।

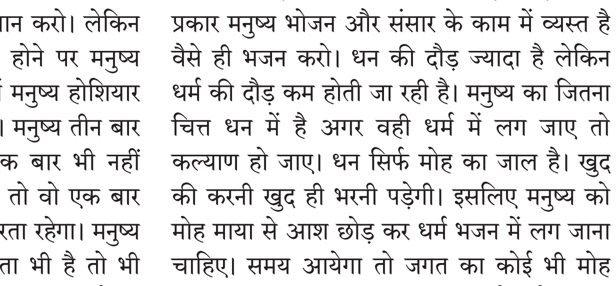

।। श्री जयमल्लाय नमः ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय गुरु पार्श्व-पदम ।।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ
हलसूरु, बेंगलूरु

श्रद्धेय आचार्य भगवंत पूज्य श्री जयमलजी म.सा.
का 318 वां जन्मोत्सव
रविवार दि. 7.9.2025

जय गच्छाधिपति, वचन सिद्ध साधक, संयम सुमेरु, आचार्य भगवंत 1008 पू. श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी पूज्य महासतीजी श्री शशिप्रभाजी, श्री इंदुप्रभाजी, श्री निपुणप्रभाजी, श्री वृद्धिप्रभाजी, श्री रिद्धिप्रभाजी म.सा. के शुभ सानिध्य एवं हलसूरु संघ के तत्वावधान में भीष्म प्रतिज्ञाधारी, चर्चा चक्रवर्ती, एकाभवावतारी, युगप्रधान आचार्य श्री जयमलजी म.सा. की 318 वीं जन्य जयंती रविवार दि. 7.9.2025 को प्रातः 9 बजे से सामायिक, तप-त्याग, गुणानुवाद के साथ मनाई जाएगी। आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

आयोजन स्थल : श्री मुदलियार संघम, Osborne Road, जैन मंदिर के पास, हलसूरु लेक के पास, शांतिसागर होटल के पीछे, बेंगलूरु

मनुहार : आपश्री के सम्मान में आयोजन स्थल पर सत्कार भोजन का आयोजन है। कृपया सेवा का लाभ प्रदान करें।

आयोजन स्थल पर पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध है।

संपर्क : 94482 64745, 93412 18945, 94480 03611, 88809 18888, 88672 00080

निवेदक : श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक संघ, हलसूरु, बेंगलूरु
अध्यक्ष : धनपतराज बोहरा मंत्री : अभयकुमार बांठिया
सकल संघ, कार्यकारिणी, महिला मंडल, श्री जैन युवक संघ, नवकार बहु मंडल

मुडा मामला : देसाई पैनल ने सिद्धारमैया के परिवार को दी क्लीन चिट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सेवानिवृत्त न्यायाधीश पी.एन. देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग ने मुडा साइट घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के परिवार को क्लीन चिट दे दी है।

परिवार पर 2020 और 2024 के बीच मैसूर में हुए अवैध वैकल्पिक साइट आवंटन घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि मुआवज़े के तौर पर ज़मीन का आवंटन अवैध नहीं कहा जा सकता।

रिपोर्ट में इस घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफ़ारिश की गई है।

सीएम सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को केसारे गाँव में सर्वेक्षण संख्या 464 में लगभग 3.16 एकड़ ज़मीन के मुआवज़े के तौर पर पॉश विजयनगर क्षेत्र में 14 जगहें मिली थीं, जिनका उपयोग मुडा ने बिना अधिग्रहण के किया था। इसने राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया था।

आयोग ने अपने निष्कर्षों में कहा, केसारे गाँव के सर्वेक्षण संख्या 464 में गैर-अधिसूचित भूमि के उपयोग के संबंध में, हालाँकि जमीन मालिक ने मुआवजे के तौर पर वैकल्पिक अविकसित जमीन पर जोर दिया था और 2017 में प्रस्ताव भी पारित किया गया था, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद, 2022 में, भुगतान के एक तरीक़े के अनुसार 50-50 के अनुपात में जगहें आवंटित की गईं, जैसा कि दूसरों को आवंटित किया गया था।

गुरुवार को कैबिनेट द्वारा इस पर गहन विचार-विमर्श के बाद रिपोर्ट को स्वीकार करने का फ़ैसला किया गया। मीडिया को जारी किए गए अंशों में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के परिवार या नौकरशाही के किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं है।

आयोग ने कब्जे की वैधता का हवाला देते हुए आगे कहा, केरगल्ली गाँव के सर्वेक्षण संख्या 115/22 और 115/42 और केसारे गाँव के सर्वेक्षण संख्या 464 की भूमि से संबंधित, मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा गैर-अधिसूचित लेकिन उपयोग की गई भूमि के मालिकों को मुआवजे के रूप में भूखंडों का आवंटन अवैध नहीं कहा जा सकता। इसलिए, गैर-अधिसूचित भूमि के उपयोग के मामले में भूखंडों के रूप में मुआवजा देने के लिए प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए तरीकों को गैरकानूनी नहीं कहा जा सकता। क्योंकि गैर-अधिसूचित भूमि पर मुडा का कोई स्वामित्व और कानूनी कब्जा नहीं है।

आयोग ने पाया कि मुआवजे के रूप में भूखंड देने के लिए सरकार द्वारा किसी नियम या कानून या दिशानिर्देशों के अभाव में, वैकल्पिक भूखंडों का आवंटन मुडा द्वारा अपनाए जाने वाले तरीकों में से एक है। ऐसा उन मामलों में भी किया गया है जहाँ भूमि अधिग्रहण के बिना उपयोग की गई थी, हालाँकि इसपर कोई नियम लागू नहीं होता और इसमें कोई दोष नहीं है।

इसमें पाया गया कि मुडा द्वारा 72 एकड़ और 34 गुंटा भूमि का उपयोग अधिग्रहण प्रक्रिया के बिना किया गया है, और मुआवज़े के भुगतान में देरी के कारण, तीन से चार दशकों तक चले मामलों में, प्राधिकरण को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

इनमें से अधिकांश मामले हिंकल और देवनूर गाँवों में हैं। आयोग ने मुडा द्वारा बिना अधिग्रहण के उपयोग की गई भूमि के संबंध में भूमि आवंटन के नियम बनाने की भी सिफारिश की है।

आयोग ने पाया कि वैकल्पिक भूमि का आवंटन ऐसी भूमि के भौतिक अस्तित्व के उचित सत्यापन के बिना किया गया है।

मुडा आयुक्तों ने कुडा अधिनियम के अनुसार लेआउट निर्माण और स्थलों के आवंटन की ज़हमत नहीं उठाई है। 2020 से 2024 के बीच कार्यरत आयुक्तों ने अपनी मनमर्जी से मनमाने और अवैध रूप से स्थलों का आवंटन किया है। वैकल्पिक स्थलों का आवंटन 1991 के नियम 16 का उल्लंघन है। ऐसा प्रतीत होता है कि बिना किसी ठोस कारण के वैकल्पिक स्थलों का आवंटन करने में घोटाला हुआ है। कुछ मामलों में, दशकों बाद, 2020 से 2024 के बीच अनुरोध किए गए हैं।

अवैध आवंटन रद्द करें

सभी अवैध स्थलों के आवंटन को रद्द करने की सिफ़ारिश करते हुए, आयोग ने कहा कि एक तकनीकी टीम द्वारा गहन जाँच की आवश्यकता है। कार्यालय ज्ञापनों (आंतरिक संचार के लिए) के आधार पर 1,095 भूखंड जारी किए गए। कुछ मामलों में, कार्यालय ज्ञापन जारी किए गए, लेकिन पंजीकृत कार्य निष्पादित नहीं किए गए। 30 से 40 भूखंड अवैध रूप से एक व्यक्ति को आवंटित किए गए, जिसे मुआवजे का कोई अधिकार नहीं है। तत्कालीन आयुक्तों ने भूखंड आवंटन में सरकारी निर्देशों की अवहेलना की, जिसे रद्द किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें।

धर्मस्थल के भक्तों के साथ है भाजपा: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के करोड़ों भक्तों के साथ है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार समीर जैसे देशद्रोही को बाहर निकालकर अंदर नहीं रख पा रही है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने समीर की जमानत रद्द करने के लिए आवेदन क्यों नहीं किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सवाल का जवाब इस तरह दिया। उन्होंने कहा कि हमने इसी सबकी पृष्ठभूमि में धर्मस्थल चलो का आयोजन किया था। जब सौजन्या का मुद्दा उठा, तो प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मुझे भी यह महसूस हुआ। मैंने सौजन्या की माँ और परिवार के सदस्यों से मिलने का फैसला किया। हालाँकि सौजन्या की नृशंस हत्या को 12 साल हो गए हैं, फिर भी देर हो चुकी है, फिर भी अध्यक्ष होने के नाते मैंने उनसे मुलाकात की और मानवता के नाते उन्हें सांत्वना दी। अगर वे सुप्रीम कोर्ट जाएँगे तो उन्होंने खर्च वहन करने का वादा किया था। उन्होंने भक्तों की ओर से सीएम से अनुरोध किया कि वे उन करोड़ों भक्तों के धैर्य और सहनशीलता की परीक्षा लेने न जाएँ। अगर आप ईमानदार हैं, तो यह कहते हुए हाथ बाँधकर क्यों बैठे हैं कि समीर को जमानत मिल गई है? अगर आप सचमुच ईमानदार हैं, तो आपने समीर की जमानत रद्द करने के लिए आवेदन क्यों नहीं किया? उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा ने केवल पारदर्शी जाँच की इच्छा रखकर कोई गलती की है? उन्होंने पूछा कि सरकार समीर की जमानत रद्द करने का शोर क्यों मचा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का धर्मस्थल चलो अभियान हमारी उम्मीदों से कहीं ज्यादा सफल रहा है। मंजूनाथ स्वामी के करोड़ों भक्त दुष्प्रचार के कारण पीड़ित हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार की एसआईटी जाँच दिन-प्रतिदिन विलंबित होती जा रही है। परिणामस्वरूप, अनगिनत भक्त पीड़ित हैं। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, हमने धर्मस्थल चलो का आह्वान किया था। राज्य के प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्र से एक लाख से अधिक कार्यकर्ता आए थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विश्वविद्यालयों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय होना चाहिए: राज्यपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को विश्वविद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने के लिए परिसर में नियमित सफाई अभियान चलाने का भी आह्वान किया। बल्लारी स्थित विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए, राज्यपाल, जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, ने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कथन को उद्धृत करते हुए कहा राष्ट्र का निर्माण शैक्षणिक संस्थानों में होता है। गहलोत ने नवाचार, अनुसंधान, विकास और अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता केंद्रों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डालते हुए, गहलोत ने डिजिटल साक्षरता, नवीन सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों से आजीवन शिक्षार्थी बनने का आग्रह किया और युवाओं से प्रतिभा, उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा हमारा देश हजारों वर्षों से ज्ञान का केंद्र रहा है, जहाँ वेदों, उपनिषदों, आयुर्वेद, योग, दर्शन और विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आधुनिक शिक्षा प्रणाली में इन धाराओं को मान्यता देती है। जैसे-जैसे भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हो रहा है, हमारे युवाओं को इस ज्ञान पर शोध करके इसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने चंद्रयान मिशन से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचारों, यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों तक भारत की हालिया उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि युवा ही देश की प्रगति की प्रेरक शक्ति हैं। स्वामी विवेकानंद के कथन का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से ''उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का आग्रह किया और उन्हें ज्ञान को कर्म में परिणत करने के लिए प्रेरित किया।

पीएमएफएमई परियोजना में कर्नाटक की अभूतपूर्व प्रगति: मंत्री चालुवरायस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (पीएमएफएमई) योजना कर्नाटक की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त उद्यम, इस योजना के अंतर्गत, राज्य सरकार अतिरिक्त 15 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान कर रही है, जबकि सूक्ष्म उद्यमियों को 50 प्रतिशत या अधिकतम 15 लाख रुपये की ऋण-आधारित सब्सिडी मिल रही है। इसमें 6 लाख रुपये की केंद्रीय सब्सिडी और 9 लाख रुपये की राज्य सब्सिडी शामिल है। कर्नाटक के कृषि मंत्री एन. चालुवरायस्वामी के नेतृत्व और कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण एवं निर्यात निगम लिमिटेड (केएसईएपीसी) के प्रबंध निदेशक सी.एन. शिवप्रकाश के अथक प्रयासों, जो इस योजना की सफलता के लिए जिम्मेदार हैं, की उद्यमियों और किसानों द्वारा व्यापक रूप से सराहना की गई है। पिछले पाँच वर्षों में पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2021-22 में कुल 259 ऋण स्वीकृत किए गए, जो 2022-23 में बढ़कर 1813, 2023-24 में 1,997, 2024-25 में 2321 और 2025-26 की पहली तिमाही में 314 हो गए। दूसरी तिमाही में अगस्त के अंत तक 390 ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसने ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, पलायन रोकने और किसानों की उपज का मूल्यवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने 2025-26 के अपने बजट भाषण में राज्य में अतिरिक्त 5000 लघु खाद्य प्रसंस्करण उद्यम स्थापित करने का लक्ष्य घोषित किया है, जिसके लिए 206 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है। राज्य इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और केपीईसी कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी के मार्गदर्शन में इस परियोजना को कुशलतापूर्वक क्रियान्वित कर रहा है। केपीईसी इस परियोजना के लिए राज्य नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है और प्रबंध निदेशक सी.एन. शिवप्रकाश के नेतृत्व में इसने कई अभिनव कदम उठाए हैं। चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) की शुरुआत से ही परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी आई है और जिला प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में जिलेवार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम 19 जिलों में पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं और प्रत्येक कार्यक्रम में 300-400 संभावित उद्यमियों और किसानों ने भाग लिया है और आवेदन जमा करने के लिए आगे आए हैं। केपीईसी ने हाल ही में उद्यमियों की मदद के लिए 89 जिला संसाधन व्यक्तियों की नियुक्ति की है और 100 और लोगों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। हेल्पलाइन केंद्र, बैंकिंग सलाहकार प्रकोष्ठ (3 कुशल विशेषज्ञों के साथ), अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए विशेष अभियान और अलग हेल्पलाइन केंद्र स्थापित किए गए हैं। सभी प्रमुख बैंकों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठकें की गई हैं और बैंक में लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के लिए कदम उठाए गए हैं। ये सभी प्रयास सी.एन. शिवप्रकाश की दूरदर्शिता और समर्पण के कारण इस योजना की प्रगति दोगुनी हो गई है। इस योजना के तहत स्थापित की जा रही इकाइयाँ मुख्य रूप से अनाज इकाइयाँ, स्वस्थ गन्ना तेल इकाइयाँ, गुड़ उत्पादन इकाइयाँ और शुद्ध मसाले हैं। ये खाद्यान्न के घटक हैं। ये रेशे, प्रोटीन, विटामिन और खनिज युक्त उत्पाद उत्पन्न करते हैं और नागरिकों के स्वास्थ्य में योगदान करते हैं। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे का निर्माण कर रही है और किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य दिला रही है।

धर्मस्थल मामला : खुफिया विभाग ने 2023 में साजिश की चेतावनी दी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के खुफिया विभाग ने कथित तौर पर 2023 में सोशल मीडिया और यूट्यूब के जरिए धर्मस्थल और उसके धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े को बदनाम करने की संभावित साजिश के बारे में चेतावनी जारी की थी। अब लीक हो चुकी और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित इस रिपोर्ट ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि पूर्व खुफिया जानकारी के बावजूद कोई निवारक कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

धर्मस्थल गाँव में एक शव दफनाए जाने का दावा करने वाले चिन्नैया के मामले में, एसआईटी ने बुधवार को उन्हें बेल्टांगडी अदालत में पेश किया। न्यायाधीश ने उनकी हिरासत अवधि 6 सितंबर तक बढ़ा दी। बुधवार को पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद, चिन्नैया को बेल्टांगडी सरकारी अस्पताल में चिकित्सा परीक्षण के लिए ले जाया गया और बाद में जेएमएफसी न्यायाधीश विजयेंद्र एचटी के समक्ष पेश किया गया। सरकारी वकील दिव्यराज हेगड़े (पुत्तूर) ने तर्क दिया कि आगे के साक्ष्य एकत्र करने के लिए तीन दिनों की और हिरासत की आवश्यकता है। चिन्नैया के वकील ने विरोध किया, लेकिन अदालत ने उन्हें 6 सितंबर तक एसआईटी की हिरासत में भेज दिया। अदालत में पेश किए जाने पर, चिन्नैया की ओर से कोई भी वकील पेश नहीं हुआ। इससे पहले, वकील ओजस्वी गौड़ा, सचिन एस. देशपांडे, अनन्या गौड़ा, दिविन और मंजूनाथ ने उनका प्रतिनिधित्व किया था। बुधवार को, उनमें से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। अंततः, विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से तीन निजी वकील नियुक्त किए गए। सौजन्या बलात्कार मामले में पूर्व में आर-ोपी रहे उदय कुमार जैन, धीरज केल्ला और मलिक जैन के साथ नोटिस मिलने के बाद बुधवार को एसआईटी के समक्ष पेश हुए। बाद में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि वह किसी भी जांच के लिए तैयार हैं, लेकिन आरोप लगाया कि ध्यान भटकाने और बुरुडे मामले को दबाने के लिए मौजूदा मामले को तूल दिया जा रहा है। एसआईटी ने चिन्नैया के मामले में महाजर के दौरान केवल सरकारी अधिकारियों को ही गवाह के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें डर है कि जनता को धमकियों या प्रलोभनों से प्रभावित किया जा सकता है। अभिनेता दर्शन मामले में भी यही तरीका अपनाया गया था। एसआईटी ने यूट्यूबर अभिषेक को सुजाता भट मामले, धर्मस्थल में हुए हमलों और चिन्नैया के साथ साक्षात्कारों से जुड़े उनके वीडियो के बारे में पूछताछ के लिए भी तलब किया है। धर्मस्थल के ग्रामीणों की ओर से राजेंद्र अजरी ने बेल्टांगडी एसआईटी कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट के वकील केवी धनंजय और उनकी टीम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चिन्नैया ने धनंजय को दस्तावेज सौंपे थे और एसआईटी को इन अभिलेखों की पुष्टि करनी चाहिए और उनसे पूछताछ करनी चाहिए। शिकायत में वकील ओजस्वी गौड़ा, सचिन देशपांडे, दिविन धीरज और मंजूनाथ के नाम भी शामिल हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, एसआईटी ने आश्वासन दिया है कि वह मामले की जांच करेगी।

कांग्रेस सरकार ने 10 साल का गतिरोध तोड़ा

मेंगलूरु हवाई अड्डे की जमीन के लिए रिकॉर्ड भुगतान हासिल किया: पद्मराज पुजारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस नेता पद्मराज आर. पुजारी ने मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से संबंधित भूमि अधिग्रहण के लिए पिछले दस वर्षों में सबसे बड़ी मुआवजा राशि जारी करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की सराहना की है। एक कड़े बयान में, पुजारी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने के लिए धन्यवाद दिया कि रनवे विस्तार परियोजना के लिए जमीन खोने वालों को अधिकतम मुआवजा दिया जाए।

प्रस्ताव के तहत अधिग्रहण के लिए कुल 32.97 एकड़ जमीन निर्धारित की गई है। पुजारी ने कहा यह एक ऐतिहासिक कदम है। कांग्रेस सरकार ने वह भुगतान किया है जो पिछले किसी भी सरकार ने एक दशक में नहीं किया। मैंने व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के ध्यान में लाया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जमीन खोने वालों के साथ उचित व्यवहार किया जाए। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विधानसभा अध्यक्ष यू. टी. खादर, जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव, विधायक अशोक राय और विधान पार्षद इवान डिसूजा और मंजुनाथ भंडारी द्वारा डाले गए सामूहिक दबाव को दिया, जिन्होंने प्रभावित परिवारों की ओर से लगातार पैरवी की। पुजारी ने बताया कि हवाई अड्डे के निजी स्वामित्व में संचालित होने के बावजूद, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने पहले मुफ्त जमीन अधिग्रहण पर जोर दिया था। हालाँकि, राज्य सरकार ने इस दृष्टिकोण को अस्वीकार कर दिया और स्थानीय भूस्वामियों के पक्ष में दृढ़ता से खड़ी रही। पुजारी ने कहा पहली बार, राज्य सरकार मुआवजा देने के लिए सहमत हुई है, जबकि हवाई अड्डा निजी स्वामित्व में है। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह और जनता को प्राथमिकता देने वाली अधिग्रहण प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बिना मुआवजे के जमीन की माँग की थी। लेकिन कांग्रेस सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि लोगों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी सरकार हमेशा जनता के साथ खड़ी है। पुजारी के अनुसार, यह घटनाक्रम कांग्रेस पार्टी के व्यापक जन-हितैषी दृष्टिकोण और नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देने के उसके संकल्प को दर्शाता है, खासकर जमीन और आजीविका के मामले में।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

शिक्षक दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ का बड़ा ऐलान

यूपी के 9 लाख शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस इलाज सुविधा

शिक्षा मित्र, अनुदेशक और रसोइया भी इस सुविधा से जुड़ेंगे

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों शिक्षकों को बड़ी सौगात दी। राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षक अब कैशलेस इलाज सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा न सिर्फ प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए होगी, बल्कि शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों तक को कवर करेगी। मुख्यमंत्री ने यह ऐतिहासिक घोषणा हुए कहा कि इस फैसले से लगभग नौ लाख शिक्षक परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। अब किसी भी बीमारी या आपातकालीन स्थिति में शिक्षकों और उनके परिजनों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। सीएम योगी ने इसे शिक्षकों के योगदान के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान, टैबलेट वितरण और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्रदेशभर के शिक्षकों से यही कहूंगा कि आप लोग अच्छा करिए हम आपके साथ में है। शिक्षक दिवस पर आप सबके मन में होगा कि और क्या हो सकता है। हम आज घोषणा करना चाहते हैं और वह यह कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को हम कैशलेस उपचार की व्यवस्था का लाभ देंगे। इसके साथ ही शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोईया को भी हम इसके साथ जोड़ेंगे। यानि इस सुविधा का लाभ उत्तर प्रदेश के लगभग 9 लाख शिक्षकों यानी 9 लाख परिवारों को मिलेगा। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग जल्द से जल्द सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करके एक समय सीमा के अंदर कैशलेस उपचार की सुविधा देने के लिए कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार जल्द ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का निर्णय इसलिए है कि कि यह लोग भी हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर इस अभियान को ताकत देते है। इसके लिए बहुत शीघ्र रिपोर्ट आने वाली है और हम उसे दिशा में कुछ बेहतर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र की नींव मजबूत करने वाले निर्माता हैं। उनके सम्मान और सुविधाओं की चिंता सरकार की प्राथमिकता है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभियान चलाए गए। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 1.36 लाख विद्यालयों को 19 बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। वहीं प्रोजेक्ट अलंकार के जरिए अब तक 2,100 विद्यालयों को नए भवन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया है।

निपुण भारत मिशन और बाल वाटिका जैसी योजनाएं बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने के साथ ही उन्हें पोषण और बुनियादी शिक्षा से जोड़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले माध्यमिक शिक्षा परिषद नकल का अड्डा बन चुकी थी। बाहर के राज्यों से भी बच्चे यहां आकर नकल के सहारे पास होते थे। आज सीसीटीवी निगरानी में पारदर्शी परीक्षाएं कराई जाती हैं। 56 लाख विद्यार्थी परीक्षा देते हैं और मात्र एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब यूपी बोर्ड का विद्यार्थी किसी भी बोर्ड से कमतर नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक जीवनभर शिक्षक ही रहते हैं। उनका महत्व नौकरशाह या राजनेता से भी ऊंचा है, क्योंकि वे राष्ट्र की नींव को गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के शिक्षक पूरे देश में समाज निर्माण की भूमिका निभाते रहे हैं, और यही परंपरा भविष्य में और मजबूत होगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। परीक्षाएं नकल और अराजकता का पर्याय बन चुकी थीं। योगी ने कहा कि आज जब यूपी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सुधार कर रहा है, तब वही लोग नकारात्मक माहौल बनाकर प्रदेश को पीछे धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब उत्तर प्रदेश नकारात्मकता में जीने वाला प्रदेश नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर स्कूल मर्जर और बाल वाटिका पर दुष्प्रचार किया जा रहा था, उसी समय कई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने मेहनत और नवाचार से मिसाल पेश की। उन्होंने स्वयं ही कहा कि आओ हमारे विद्यालयों को देखो। ये किसी कॉन्वेंट और पब्लिक स्कूल को टक्कर देने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि सुल्तानपुर, वाराणसी और प्रदेश के कई जिलों में विद्यालयों ने नवाचार कर यह दिखा दिया कि सरकारी स्कूल भी गुणवत्ता में किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब हम लिखी-पढ़ी परंपरा से हटकर काम करते हैं, तभी वह नवाचार कहलाता है और वही समाज के लिए प्रेरणा बनता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था, लेकिन अब यह बोर्ड सुधार और नवाचार के साथ देश का गर्व बन रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि एक समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। शिक्षक किसी नौकरशाह या नेता से कम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि अरुणाचल से लेकर मध्य प्रदेश तक आज भी उत्तर प्रदेश के शिक्षक अपनी उत्कृष्ट शिक्षा के लिए सम्मानित हैं। यही पहचान अब सकारात्मक माहौल और नवाचार के जरिए और सशक्त हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए बाल वाटिका की शुरुआत की गई है। इस सत्र में प्रदेश में 5000 से अधिक बाल वाटिकाएं खुल चुकी हैं, जिनमें 25,000 से अधिक बच्चों ने शिक्षा की पहली सीढ़ी चढ़नी शुरू कर दी है। इन बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों व मुख्यमंत्री पोषण मिशन से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि शिक्षा के साथ उनका स्वास्थ्य भी मजबूत हो और उत्तर प्रदेश की नींव सशक्त बन सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाल वाटिका की पुस्तिकाएं सरल और रोचक हों, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीखें और पढ़ाई को आनंददायक मानें। पोषण मिशन के अंतर्गत बच्चों को विविध और आकर्षक भोजन दिया जाए, जिससे उनमें रुचि जागृत हो। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार किए हैं, उनके उदाहरण प्रकाशित होकर सभी विद्यालयों तक पहुंचें और असेंबली में बच्चों के सामने रखे जाएं। इससे अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और भावी पीढ़ी के लिए शिक्षा जगत में नई दिशा तैयार होगी। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, प्रभारी मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक) दीपक कुमार और महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा उपस्थित रहे।

भूटान के प्रधानमंत्री ने रामलला के दर्शन किए

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)। भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे ने आज अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। पीएम तोबगे ने परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी दर्शन-पूजन किया।

भूटान के प्रधानमंत्री ने अयोध्या स्थित होटल रामायम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के भी साक्षी बने। सांस्कृतिक कार्यक्रम खास तरह से भूटान की पारंपरिक शैली में आयोजित हुए।

प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे अयोध्या एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने करीब 1 घंटे 40 मिनट तक राम जन्मभूमि परिसर में बिताया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्त सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और उत्तर प्रदेश शासन और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उनकी अयोध्या यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

पीएम तोबगे की अयोध्या यात्रा के दौरान पीएसी, सीआरपीएफ, एसएसएफ, सिविल पुलिस, एटीएस और एसटीएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर रहीं।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय भी दौरे की निगरानी कर रहे थे। अयोध्या पहुंचने पर पीएम तोबगे का रेड-कार्पेट स्वागत किया गया।

ताजमहल तक पहुंचा यमुना का पानी

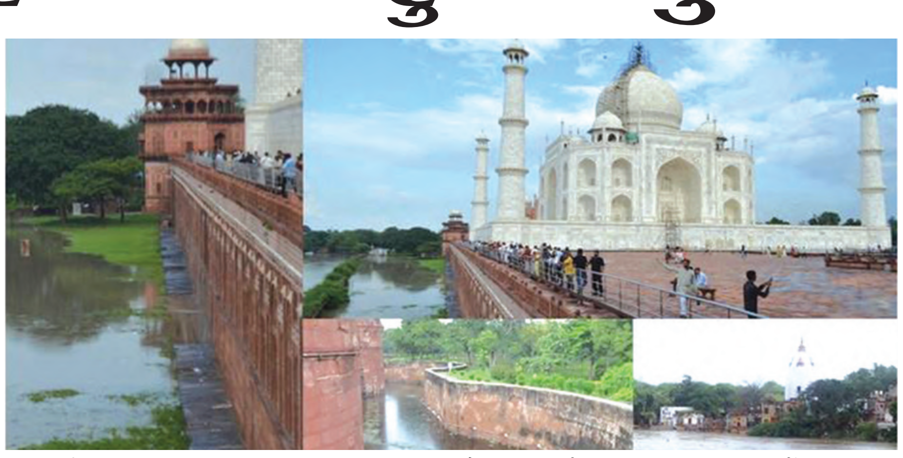

आगरा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में यमुना नदी खतरे के निशान से ढाई फीट ऊपर बह रही है। ताजमहल की दीवार तक पानी पहुंच गया है। पुरातत्व विभाग का कहना है कि ताज की नींव सुरक्षित है, लेकिन संरक्षित स्मारकों में सीलन का खतरा बढ़ गया है।

ताजमहल की यमुना से लगती दीवार पर बाढ़ का पानी छूने के साथ ही इस बात को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है कि इस पानी से नींव को लाभ होगा या नुकसान।

हालांकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का कहना है कि ताजमहल से लगकर हमेशा ही यमुना बहती थी। इसकी नींव को भी जिस लकड़ी से बनाया गया है, वह पानी से खराब नहीं होती। ऐसे में फिलहाल उसकी नींव पर इस बार के पानी का क्या असर हुआ, इसका पता निरीक्षण के बाद चलेगा। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेई ने बताया कि जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। मुख्यालय से आगे जो भी निर्देश आएंगे, उसके अनुसार कदम उठाया जाएगा।

ताजमहल की पिछली दीवार तक यमुना की धारा टकराने लगी है। मंटोला नाला बैक मारने से आगरा किला की खाई में तीन फीट पानी भर गया है। एत्माउद्दौला के पीछे बने 12 कमरे 5 फीट पानी में डूबे हैं। ताज व्यू प्वाइंट तक पानी पहुंच सकता है। यमुना के पानी से संरक्षित स्मारकों में सीलन का खतरा बढ़ गया है। बारिश के बीच बैराजों से छोड़े जा रहे पानी से यमुना का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। बृहस्पतिवार को शहर के दो मोक्षधाम डूब गए। पोइया स्थित मोक्षधाम में चिता जलाने की जगह नहीं मिली। लोगों ने पानी में खड़े होकर अपने परिजन का अंतिम संस्कार किया। वहीं ताजगंज मोक्षधाम का दूसरा प्लेटफार्म भी डूब गया। यमुना खतरे के निशान से ढाई फीट ऊपर बह रही है। अगले तीन दिन और उफान पर रहेगी। ताजमहल की दीवार तक पानी पहुंच गया है।

शहर की सीमा में दयालबाग के अमर विहार, राजश्री अपार्टमेंट से लेकर सिकंदरपुर रोड तक रास्ते में पानी भरने लगा है। कैलाश मंदिर की सीढ़ियां डूब गई हैं। मेहरा नहारगंज में 40 परिवार विस्थापित हुए हैं। मनोहरपुर, खासपुर, जगनपुर से लेकर तनौरा, नूरपुर, विसारना, मोतीमहल, महल बादशाही, कटरा वजीर खां, रामबाग बस्ती, टेढ़ी बगिया के निचले इलाकों से लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

वॉटर वर्क्स पर बृहस्पतिवार शाम पांच बजे यमुना जलस्तर 497.5 फीट था। एक दिन पहले यह 497.2 फीट था, जबकि चेतावनी स्तर 495 फीट है। रविवार तक यह 499 फीट तक पहुंच सकता है। पोइया घाट पर मोक्षधाम में दाह संस्कार के लिए लोग परेशान रहे। 1978 में यमुना में बाढ़ आने पर जलस्तर 508 फीट तक पहुंच गया था। एडीएम वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला और एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने पोइया घाट से लेकर यमुना किनारा तक बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

यमुना की बाढ़ से एत्मादपुर, सदर, फतेहाबाद और बाह तहसील क्षेत्र में 40 से अधिक गांव प्रभावित हैं। प्रशासन ने फिलहाल 18 गांव चिह्नित किए हैं जिनमें बाढ़ का खतरा अधिक है। यहां लोगों को घर छोड़ना पड़ सकता है। इनमें रहनकला, बुढ़ाना, नगला कटा, शाहिदपुर, वीरपुरा, पारौली, बिचौला, गिदरौन, भरापुरा, नगला धीमर, नगला पैमा, नगला तल्फी, नाहरगंज समेत 18 गांव शामिल हैं।

बच्चा बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया, चार बच्चे बरामद

अमरोहा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। बहराइच व लखीमपुर से बच्चों को लाकर अमरोहा में बेचने का मामला सामने आया है। इनको घरों में मजदूरी करने के लिए बेचा गया। प्रत्येक बच्चे की कीमत साढ़े सात हजार रुपए लगाई गई। जानकारी पर पहुंची बाल कल्याण समिति व अन्य विभागों की टीम ने चार बच्चों को चककालीलेट पट्टी से बरामद कर लिया। बहराइच और लखीमपुर से लाए गए चार किशोरों को मजदूरी के लिए बेच दिया गया। बाल कल्याण समिति और पुलिस टीम ने चककालीलेट पट्टी गांव से चारों बच्चों को बरामद कर लिया। आरोपी बहराइच निवासी भाग गया है। उसकी तलाश जारी है।

बरामद हुए बच्चों में दो बच्चे लखीमपुर के रहने वाले हैं जो तहेरे-चचेरे भाई है। वहीं, दो बहराइच के हैं जो ममेरे-फुफेरे भाई है। टीम को बच्चों को यहां लाकर बेचने वाले बहराइच के मुकेश की तलाश है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अतुलेश भारद्वाज ने बताया कि देहात थानाक्षेत्र के चककालीलेट पट्टी गांव में चार बच्चों

के खरीद-फरोख्त की सूचना मिली थी। जानकारी पर वह, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रभारी मुकेश, संरक्षण इकाई के कर्मचारी मुकेश व सपोर्ट पर्सन कमलेश के अलावा एएचटीयू और देहात पुलिस को लेकर गांव पहुंचे और एक घर से चार बच्चों को बरामद किया। सभी की उम्र 10 से 15 साल है।

अतुलेश भारद्वाज ने बताया कि इन बच्चों को बहराइच का रहने वाला मुकेश लेकर आया था। जानकारी मिली है कि यह सिर्फ चार ही बच्चे नहीं हैं बल्कि मुकेश बहराइच से दस बच्चे लेकर आया था। उसने बरामद हुए चार बच्चों का सौदा 30 हजार रुपये में किया था। फिलहाल आरोपी मुकेश नौगांवा सादात क्षेत्र के किसी गांव में रुका है। उधर बाल कल्याण समिति की टीम बच्चों के परिजनों से संपर्क साध रही है। शुक्रवार को बच्चों का मेडिकल कराने के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

अतुलेश ने बताया कि दो बच्चों का सौदा चककालीलेट पट्टी गांव निवासी महिला से हुआ था जबकि दो को किसी दूसरे गांव भेजने की तैयारी थी। चारों बच्चों को बेचकर मिली रकम मुकेश ने अपने पास रख ली है। फिलहाल मुकेश को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उससे पूछताछ में ही पता चलेगा वह बहराइच से बच्चों को लाकर क्यों बेचता है। क्या इसमें परिवार वालों की सहमति होती है। अभी तक मुकेश ने कितने बच्चों को बचा है इसका भी पता नहीं है। अतुलेश ने बताया कि शुक्रवार को बच्चों का मेडिकल कराया जाएगा। बच्चों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है, उनके आने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को लाकर मजदूरी के लिए बेचने का गंभीर मामला है। बच्चों ने बताया कि मुकेश उन्हें दस दिन पहले अमरोहा लेकर आया था। उसने खर्चे के लिए रुपये भी नहीं दिए। जिनको बेचा गया था उनके घर और खेतों में काम करने की बात कही गई थी।

कश्मीर डूब चुका है, पर राहत और सहायता अभी कोसों दूर

जम्मू, 05 सितंबर (ब्यूरो)। बाढ़ में कश्मीर पूरी तरह से डूब चुका है। पर राहत और सहायता अभी कोसों दूर है। जम्मू कश्मीर में बारिश और बाढ़ के चलते आम लोग परेशान हैं और सरकार से मदद की उम्मीद और गुहार लगा रहे हैं। कल पंपोर के चक-शालीना में झेलम के तटबंध के टूट जाने के बाद पुलवामा, बडगाम और श्रीनगर के कई इलाके बाढ़ के पानी में डूब गए। तटबंध के टूटने के 48 घंटे बाद भी भारी मात्रा में पानी इन इलाकों में घुस रहा है। बाढ़ के पानी में तीन जिलों के करीब 112 गांव डूब चुके हैं और यहां पर मकान, दुकान, फैक्ट्री और वेयरहाउस पानी के नीचे आ चुके हैं। अब प्रभावित लोग सिर्फ नुकसान का आकलन कर सकते हैं। क्या गरीब और क्या अमीर सब बाढ़ के विनाश का शिकार हो चुके हैं।

बाढ़ के पानी ने कटाई के लिए तैयार खेतों को बर्बाद कर दिया है। श्रीनगर के बाहरी इलाके में तटबंध टूटने के कारण 5-6 हजार एकड़ पर खड़ी फसल बर्बाद हो चुकी है। राजधानी श्रीनगर से महज 10 किमी की दूरी पर भी चक-शाली के यह इलाके विकसित नहीं हो पाए हैं। सरकारी दस्तावेजों में यह पूरा इलाका फ्लड चैनल, मतलब झेलम के फ्लड एरिया के तौर पर घोषित है, इसीलिए यहां निर्माण नहीं हो सकता। लेकिन सच यह है कि मकान, दुकान, कारोबारी अनुष्ठान और यहां तक कि सरकारी दफ्तर, हाईवे और रेलवे भी इसी जमीन के बीच से बनाए गए हैं। विडंबना यह है कि जिस समय बाढ़ आई, तब जम्मू कश्मीर सरकार का बिजली विभाग इलाके में स्मार्ट मीटर लगा रहा था। मुख्यमंत्री ने जब शुक्रवार को इलाके में आई बाढ़ के बाद दौरा किया, तो लोगों को मदद देने का आश्वासन भी दिया।

केंद्र सरकार से कश्मीर के बाढ़ प्रभावित लोगों को हुए नुकसान के लिए रिलीफ पैकेज की मांग भी उठाई। लेकिन साथ-साथ पिछले 11 सालों में झेलम फ्लड मिटिगेशन प्लान पर काम न होने का ठीकरा बिना नाम लिए पीडीपी-भाजपा सरकार और उपराज्यपाल शासन पर डाल दी। लेकिन सच यह है कि सरकार की अनदेखी के बिना इतना बड़ा इलाका बस नहीं सकता था, और न ही इतना बड़ा नुकसान भी होता।

कश्मीर के प्रमुख स्थानों पर झेलम नदी के खतरनाक स्तर से ऊपर उठने के साथ ही एक और जलप्रलय की आशंका पैदा हो गई है। साल 2014 की विनाशकारी त्रासदी के बाद से अब तक 7 बार बाढ़ की आशंकाएं सामने आई हैं। इससे स्थानीय लोग सुरक्षा के आश्वासन न मिलने से चिंतित और निराश हैं। बुधवार शाम को, अनंतनाग के संगम पर नदी का जलस्तर सुबह 11 बजे 22 फीट से बढ़कर शाम 6 बजे 27 फीट हो गया। यह 25 फीट के खतरे के निशान से काफी ऊपर था। श्रीनगर के राम मुंशी बाग में, आधी रात को पानी 22.25 फीट तक पहुंच गया, जो 21 फीट के बाढ़ के निशान को पार कर गया। ताजा बाढ़ की घटना आपदा की श्रृंखला में नवीनतम है। इसने सितंबर 2014 से घाटी में कदम रखा था, जब 300 से अधिक लोगों की जान गई थी। साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश हुआ था। तब से झेलम ने कम से कम 7 बार खतरे के स्तर को छुआ या पार किया है। इसमें मार्च 2015, जुलाई 2017, जुलाई 2018, अप्रैल 2019 और हाल ही में इस साल अगस्त के अंत में भी शामिल है।

प्रदेश के 81 गुरुजन राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी के लोकभवन सभागार में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर बेसिक और माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र के कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए शामिल किया गया।

कार्यक्रम में एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह गुल्लक, बाल वाटिका, हस्तपुस्तिका, शैक्षिक नवाचारों के संकलन की पुस्तिका उद्गम का विमोचन और उद्गम के डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। बता दें कि गुल्लक के माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान को सहज और रोचक बनाने के साथ साथ नैतिक एवं मानवीय मूल्यों को विकसित करने में सफल हो सकेंगे। पुस्तक उद्गम में शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में किये जा रहे नवाचारों के उत्कृष्ट प्रयासों को समाहित किया गया है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित समर कैम्प और वृक्षारोपण से संबंधित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ। समारोह की शुरुआत जनता गर्ल्स आलमबाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना से की। मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े 5-5 प्रधानाचार्य/शिक्षकों को सम्मान स्वरूप 25 हजार की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह के रूप में मां सरस्वती की प्रतिमा एवं शॉल भेंट किया गया।

सम्मानित शिक्षकों में बेसिक शिक्षा विभाग से भदोही के सहायक अध्यापक संतोष कुमार सिंह, मेरठ से सहायक अध्यापिका रेनू सिंह, लखीमपुर खीरी से सहायक अध्यापिका मोहिनी श्रीवास्तव, प्रयागराज से सहायक अध्यापिका डॉ. रीना मिश्रा, गोरखपुर से सहायक अध्यापक प्रमोद कुमार सिंह शामिल रहे। माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हमीरपुर के प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्त, गाजियाबाद की अध्यापिका वाणिज्य कोमल त्यागी, बरेली से प्रधानाचार्य चमन जहां, जौनपुर से प्रधानाचार्य जंगबहादुर, गोरखपुर के विज्ञान अध्यापक डॉ. वीरेन्द्र कुमार पटेल को मुख्यमंत्री ने मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के 2204 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट वितरण किया गया। इनमें महोबा से सरगम खरे और ज्ञानवंत सिंह, प्रयागराज के धर्मेन्द्र कुमार, चंदौली के राजेश यादव और गाजियाबाद की डॉ. विभा चौहान को मुख्यमंत्री द्वारा मंच से टैबलेट प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, प्रभारी मुख्य सचिव एवं माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा सहित प्रदेशभर से आए शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिजनौर में तेंदुए का आतंक जारी

12 साल की लड़की को खेत में खींच ले गया, गले पर दांत गड़ाकर मारा

बिजनौर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। नगीना देहात थाना क्षेत्र के गांव कंडरावाली में शुक्रवार देर शाम गुलदार (तेंदुए) ने 12 वर्षीय बालिका गुड़िया को मार डाला। गुलदार बालिका को डेरे से खींचकर गन्ने के खेत में ले गया और मार डाला। शोर सुनकर लोग पहुंचे तो गुलदार खेतों में गुम हो गया। ग्रामीणों ने गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। लखीमपुर खीरी निवासी प्रेम सिंह अपने परिवार के साथ कई वर्षों से गांव कंडरावाली में रहकर खेतों में मजदूरी कार्य कर रहा है। शुक्रवार देर शाम वह अपने परिवार के साथ डेरे पर था। प्रेम सिंह की पुत्री गुड़िया किसी कार्य से डेरे से बाहर निकली। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने गुड़िया पर हमला कर दिया। गुलदार गुड़िया को खींचकर गन्ने के खेत में ले गया। शोर सुनकर जब तक परिवार मौके पर पहुंचा, तब तक गुड़िया की मौत हो चुकी थी। सूचना पर सीओ अंजनी कुमार चतुर्वेदी और रेंजर सचिन शर्मा, डिप्टी रेंजर महिपाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मंडावली थाना क्षेत्र के गांव रामदासवाली में गुलदार ने सोमवार देर शाम भी आठ वर्षीय कनिष्क पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था।

भारत के सीमा विवाद पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान

चीन सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान छद्म युद्ध

गोरखपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि चीन भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, और यह स्थिति आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने यह बात उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

जनरल अनिल चौहान ने कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, और आगे भी रहेगी। यह सिर्फ एक सैन्य या सीमा मुद्दा नहीं है, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

सीडीएस ने स्पष्ट किया कि चीन के साथ लगातार तनावपूर्ण सीमा विवाद, रणनीतिक विस्तारवाद और क्षेत्रीय प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए यह देश सबसे गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती प्रस्तुत करता है।

चीन ने न केवल हमारी सीमाओं पर दावे किए हैं, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी ताकत का प्रदर्शन बढ़ाया है। यह एक लंबी अवधि की चुनौती है, जिसके लिए भारत को रणनीतिक रूप से तैयार रहना होगा।

सीडीएस ने पाकिस्तान को दूसरी बड़ी चुनौती बताया और कहा कि वह भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है। पाकिस्तान की रणनीति भारत को 'हजार घाव देकर खून बहाना' है। आतंकवाद, सीमा पार से घुसपैठ और गुप्त युद्ध के माध्यम से वह हमारी सुरक्षा और अखंडता को कमजोर करना चाहता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियां भले ही सीमित युद्ध न लगें, लेकिन लंबे समय तक राष्ट्र को कमजोर कर सकती हैं।

सीडीएस ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि हमारे सभी पड़ोसी देश - चाहे बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, अफगानिस्तान या म्यांमार - सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं। इससे भारत की सुरक्षा को अप्रत्यक्ष रूप से खतरा हो सकता है।

जनरल चौहान ने यह भी बताया कि आधुनिक युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं। अब युद्ध सिर्फ भूमि, जल और वायु तक सीमित नहीं हैं। साइबर स्पेस और अंतरिक्ष अब युद्ध के महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गए हैं। आज कोई भी देश इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत को इन डोमेन में भी अपनी क्षमताएं मजबूत करनी होंगी। एक बड़ी चुनौती के तौर पर सीडीएस ने यह भी उल्लेख किया कि भारत के दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी - चीन और पाकिस्तान - परमाणु शक्तियां हैं। इससे युद्धकालीन निर्णय लेना और भी जटिल हो जाता है। हमें हर कार्रवाई में संयम और रणनीतिक गहराई बरतनी होगी।

सीडीएस चौहान गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे, जहां महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवैद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला में उन्होंने भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां विषय पर भाषण दिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे।

जेडीयू को लगा तगड़ा झटका, दो दिग्गज नेताओं ने जन सुराज पार्टी का दामन थामा

पटना , 05 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में जनता दल यूनाइटेड को एक और झटका लगा है। पार्टी के दो वरिष्ठ नेता, दसाई चौधरी और भुवन पटेल अपने समर्थकों के साथ पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के राजनीतिक दल जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। यह घटनाक्रम बिहार विधानसभा चुनावों से पहले जेडीयू में आंतरिक असंतोष के बीच हुआ है। उदय सिंह के नेतृत्व में जन सुराज पार्टी में इन अनुभवी नेताओं का शामिल होना संगठन के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। उदय सिंह ने इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वे गलत लोगों से घिरे हुए हैं।

शुक्रवार को शेखपुरा हाउस में स्थित जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह के आवास पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दसाई चौधरी और भुवन पटेल को पार्टी का पीला स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

उदय सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार ने कभी अच्छे लोगों के साथ सही रास्ते पर चलना शुरू किया था, लेकिन अब वे भटक गए हैं। वे ऐसे लोगों से घिरे हुए हैं जो बिहार को विनाश की ओर धकेल रहे हैं। इतिहास में उनका नाम सुनहरे अक्षरों में नहीं लिखा जाएगा।' उदय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों नेता जेडीयू पद के लिए नहीं छोड़ रहे हैं, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि वे पार्टी में 'घुटन' महसूस कर रहे थे।

तीन बार के एमएलए और पूर्व सांसद व चंद्रशेखर सरकार में मंत्री रहे दसाई चौधरी ने कहा कि उन्होंने लालू यादव के खिलाफ नीतीश कुमार का समर्थन किया था। लेकिन उन्हें कभी भी संगठन या सरकार में कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई। चौधरी ने कहा, 'मैं यहां चुनाव लड़ने के लिए नहीं हूं। मैं केवल सम्मान के साथ संगठन के लिए काम करना चाहता हूं।'

समता पार्टी के संस्थापक सदस्य, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के पूर्व जिला अध्यक्ष और बिहार और उत्तर प्रदेश में जेडीयू के चुनाव पर्यवेक्षक रहे भुवन पटेल ने कहा कि नीतीश कुमार एक प्रतिभाशाली मुख्यमंत्री हैं। लेकिन उन्होंने दावा किया कि उम्र के कारण, अन्य लोग उनकी ओर से सरकार चला रहे हैं और पुराने कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर रहे हैं। पटेल ने दावा किया कि उन्होंने पहले जेडीयू में प्रशांत किशोर के साथ काम किया था और अब वे सम्मान और उत्साह के साथ जन सुराज में शामिल हो रहे हैं।

दसाई चौधरी एक अनुभवी नेता हैं। वे पहले भी कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उनका जन सुराज पार्टी में शामिल होना निश्चित रूप से पार्टी को मजबूत करेगा। इसी तरह, भुवन पटेल भी एक अनुभवी नेता हैं। उन्होंने बिहार और उत्तर प्रदेश में जेडीयू के लिए काम किया है। उनका जन सुराज पार्टी में शामिल होना भी पार्टी के लिए फायदेमंद होगा।

जन सुराज पार्टी के नेता उदय सिंह ने नीतीश कुमार पर जो आरोप लगाए हैं, वे गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार गलत लोगों से घिरे हुए हैं और वे बिहार को विनाश की ओर धकेल रहे हैं। इन आरोपों पर नीतीश कुमार को जवाब देना होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि जन सुराज पार्टी बिहार की राजनीति में क्या भूमिका निभाती है। पार्टी के नेता प्रशांत किशोर एक जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार हैं। उनकी रणनीति से पार्टी को निश्चित रूप से फायदा होगा। इस घटनाक्रम से बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। जेडीयू को अपने नेताओं को खोने से नुकसान हुआ है।

रैंकिंग में एएमयू दो पायदान नीचे

अलीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी, शोध, इंजीनियरिंग, डेंटल, मेडिकल, प्रबंधन, आर्किटेक्चर की रैंकिंग में गिरावट आई है।

यूनिवर्सिटी रैंकिंग में एएमयू को 10वीं रैंक मिली है, जबकि मैनेजमेंट और लॉ की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वर्ष 2024 में यूनिवर्सिटी आठवें स्थान पर थी। वर्ष 2025 में 10वें स्थान पर है। वर्ष 2022 में यूनिवर्सिटी की 11वीं रैंक थी। सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी, शोध, इंजीनियरिंग, डेंटल, आर्किटेक्चर की रैंकिंग में गिरावट से इंतजामिया उन कारणों की छानबीन में जुटा है जो रैंकिंग की गिरावट को जिम्मेदार हैं। कहां खामियां रह गई है, इस पर चिंतन में जुट गया है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है। आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से छुटकारा

आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

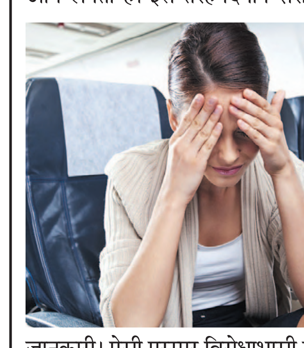

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

दोहरे तोहफों की दीपावली

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश के साथ जो वायदा किया था, वह साकार होने की प्रक्रिया में है। वाकई इस बार दीपावली और अन्य त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था भी फलेगी-फूलेगी। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर कर (जीएसटी) 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घट कर 18 फीसदी हो जाएगा, तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें, तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। वैसे जर्मनी और भारत की अर्थव्यवस्था के बीच बहुत कम फासला शेष है, लिहाजा हमारा तीसरी 'आर्थिक महाशक्ति' बनना तय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के तौर पर आठ लंबे सालों के बाद 'ऐतिहासिक बदलाव' है। उसकी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, नतीजतन करोड़ों व्यापारी और खुदरा-व्यवसायी लाभान्वित होंगे। अब कारोबारियों को टैक्स से जुड़े नियमों और कानूनों पर कम खर्च करना पड़ेगा। वे ग्राहक और नवाचार पर अधिक फोकस कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि देश में कर घटाने से 2 लाख करोड़ रुपए तक की खपत बढ़ सकती है। इसका फायदा छोटे उद्योगों को ज्यादा होगा। आम आदमी और ग्राहकों को मिलने वाले उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। हालांकि कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसी विपक्ष-शासित राज्यों की सरकारों ने करीब 48,000 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान का मुद्दा उठाया है, लिहाजा केंद्र सरकार से मांग की है कि 5 साल तक मुआवजा दिया जाए और वित्तीय सुरक्षा की गारंटी दी जाए। इसमें राजनीति भी हो सकती है। बहरहाल इस मुद्दे पर पर्याप्त विमर्श हुआ होगा! सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कैंसर समेत 33 जीवन-रक्षक दवाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। अन्य सभी दवाओं पर अब जीएसटी 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी हो जाएगा। शिक्षण सामग्रियों में नक्शे, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, पेस्टल, कॉपी, नोटबुक और इरेजर आदि 12 फीसदी और 5 फीसदी से घटा कर 'शून्य जीएसटी' वाले वर्ग में डाल दिए गए हैं। इनके अलावा, हेयर ऑयल, शैंपू, टॉयलेट सोप बार, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम, जिम, सैलून, योग केंद्र आदि पर जीएसटी 18 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया गया है। बटर, घी, चीज और डेयरी स्प्रेड्स, प्री-पैक नमकीन, भुजिया, मिक्सचर, बर्तन, बच्चों के नैपकिन, क्लिनिकल डायपर, सिलाई मशीन और उसके पुर्जे, हैंडीक्राफ्ट आदि पर जीएसटी 12 फीसदी से 5 फीसदी किया गया है। अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध, छेना, पनीर, रोटी और खाकरा, परांठा, ब्रेड समेत सभी भारतीय रोटी पर जीएसटी अब 5 फीसदी के बजाय शून्य लगेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा 18 फीसदी से घटा कर शून्य किया गया है। हालांकि उपकरणों पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। बीमा की दरें अब बहुत कम हो जाएंगी। देश में अभी 57 करोड़ से अधिक लोगों के पास स्वास्थ्य और करीब 31 करोड़ के पास जीवन बीमा है। कृषि, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी सस्ते हो जाएंगे। हालांकि 40 फीसदी का एक और स्लैब रखा गया है, जो सिगरेट, कोल्ड ड्रिंक्स, पान मसाला, तंबाकू, गुटखा आदि विलासिता की वस्तुओं के लिए होगा। इस वर्ग में 350 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइक और निजी विमान भी शामिल हैं। जीएसटी 2.0 से हाथों में सीधे पैसे आएंगे, नतीजतन भारत वैश्विक निर्यात का मजबूत केंद्र बनेगा। हालांकि यह भी सच्चाई है कि आर्थिकी के क्षेत्र में भारत को अभी अमरीका व चीन जैसे देशों की तुलना में लंबी दूरी तय करनी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था भी फलेगी-फूलेगी। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर कर (जीएसटी) 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घट कर 18 फीसदी हो जाएगा, तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें, तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

कमलेश पांडे

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है।

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है। वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की

सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है। यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा 'एक मोड़' है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फ इस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है। हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश- मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं। वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं। पीओके और अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीनी नजरिया भी भारत के लिए अस्वीकार्य है। रही बात, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने की, तो भारत इससे बहुत ख़ुश नहीं है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में चीन की गुप्त भूमिका भी इन संबंधों के लिए एक गम्भीर चुनौती है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पड़ोसी देशों के साथ भारत के उतने अच्छे संबंध नहीं रहे। जबकि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि वह 'एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' ऐसा इसलिए कि भले ही एससीओ का प्रभाव सीमित है और इसमें शामिल देशों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। फिर भी मोदी सरकार एक सार्थक पहल करने की इच्छुक है। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी के साथ मोदी की मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है। भारत तो रूस के साथ साथ चीन व अन्य एससीओ सदस्य देशों के साथ आपसी रिश्ते में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। लेकिन कैसे ये संबंध बहुत आगे तक जाएँगे, इसकी बहुत गुंजाइश बनानी पड़ेगी। वैसे तो, भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत गहरे हैं। भारत और चीन के बीच वर्तमान में 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार जारी है। भारत इसे और बढ़ाने के साथ-साथ चीन से टेक्नोलॉजी के ट्रांसफ़र की भी इच्छा रखता है। ऐसे में सीधा सवाल है कि भारत और चीन एक दूसरे से क्या चाहते हैं? तो जवाब होगा कि भले ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी पिछले कई सालों से एससीओ की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों को इस बैठक में अवश्य भेजा था। वहीं अब, जब अमेरिका के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए, तो भारत उन्हें यह दिखाना चाहता है कि उसके पास और भी अधिक विकल्प हैं। यह ठीक है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव की वजह वो अमेरिकी कंपनियाँ हैं जो भारत में काम कर रही हैं, और जिसकी वजह से नौकरियाँ अमेरिका से बाहर जा रही हैं।

देश दुनिया से

शिक्षा का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट और अल्पसंख्यक संस्थाएं

भारत का लोकतांत्रिक संविधान नागरिकों को केवल राजनीतिक अधिकार ही नहीं देता, बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने की बुनियादी गारंटी भी प्रदान करता है। शिक्षा इस गारंटी की केंद्रीय धुरी है। अनुच्छेद 21ए के तहत छह से चौदह वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान इसीलिए किया गया था ताकि कोई भी बच्चा वर्ग, धर्म या आर्थिक स्थिति के कारण ज्ञान के अवसर से वंचित न रह जाए। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा के इस सार्वभौमिक अधिकार की सबसे मजबूत दीवार को ही वर्षों पहले एक न्यायिक निर्णय ने दरका दिया। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ प्रकरण में यह कह दिया गया कि अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई अधिनियम से मुक्त रहेंगे। यानी निजी स्कूलों की तरह उन्हें 25 प्रतिशत सीटें वंचित बच्चों के लिए आरक्षित करने की बाध्यता नहीं होगी। देखा जाए तो यह फैसला अपने आप में शिक्षा के अधिकार की सार्वभौमिकता पर प्रश्नचिह्न था। अब, ग्यारह वर्ष बाद, शीर्ष अदालत ने स्वयं यह महसूस किया है कि उस निर्णय से व्यापक अन्याय हुआ है। 1 सितंबर 2025 को न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने बेहद गंभीर टिप्पणी करते हुए इस मुद्दे को संविधान पीठ के पास भेजने की सिफारिश की है। पीठ ने साफ कहा, "यह फैसला अनजाने में अनुच्छेद 21ए के मकसद को कमजोर करता है और समान स्कूल प्रणाली की अवधारणा को चोट पहुँचाता है।" आज न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आरटीई केवल सीट आरक्षण भर नहीं है, बल्कि इसके साथ कई आवश्यक प्रावधान जुड़े हैं; बच्चों को मुफ्त यूनिफॉर्म, किताबें, मिड-डे मील, प्रशिक्षित शिक्षक और बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना। इन सबसे अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट देकर अब तक न जानें कितने लाख बच्चों को इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया गया है। अभी 2025 तक का इस संबंध में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, हालांकि सरकारी आँकड़ों (यूडीआईएसई+ 2021-22) के अनुसार, देश में 51,627 अल्पसंख्यक प्रबंधित स्कूल हैं। इनमें मुस्लिम संस्थान; 27,259, ईसाई संस्थान; 15,808, जैन संस्थान; 1,140, बौद्ध संस्थान; 720, पारसी संस्थान;126 और शेष में अन्य शामिल हैं। पिछले तीन साल में इस संख्या में और अधिक इजाफा हुआ है। अनुमान है कि उक्त संख्या 55 हजार तक पहुंच गई होगी। ऐसे में यह स्वभाविक है कि यह संख्या अपने आप में बहुत बड़ी है। जब इतने बड़े हिस्से को आरटीई की बाध्यता से छूट मिल जाए, तो स्पष्ट है कि लाखों वंचित बच्चों को समान शिक्षा का अवसर नहीं मिल पाया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 23,487 अल्पसंख्यक स्कूलों का विश्लेषण किया था। यह रिपोर्ट बताती है कि इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में केवल 38% विद्यार्थी संबंधित अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, शेष 62% गैर-अल्पसंख्यक। महज 8.76% विद्यार्थी सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं। स्पष्ट है कि अधिकांश अल्पसंख्यक संस्थान अपने ही समुदाय के उत्थान के बजाय शिक्षा को व्यवसाय बना चुके हैं। यदि वे सचमुच अपने वर्ग के बच्चों को प्राथमिकता देते, तो न केवल अपने समुदाय का बड़ा भला करते, बल्कि संविधान की भावना के अनुरूप भी चलते। यहां उदाहरण स्वरूप सबसे छोटा एक आंकड़ा मान लें कि एक औसत स्कूल में 200–300 विद्यार्थी पढ़ते हैं। यदि 25 प्रतिशत सीटें वंचित वर्ग के लिए आरक्षित होतीं, तो प्रति स्कूल लगभग 50 सीटें आरटीई के अंतर्गत आतीं। 51,627 स्कूल × 50 सीटें = लगभग 25.8 लाख सीटें प्रति वर्ष। 2010 से 2025 तक यानी 15 वर्षों में यह संख्या करीब 3.8 करोड़ अवसरों के बराबर है। इस मोटे अनुमान से ही स्पष्ट है कि कितने विशाल पैमाने पर वंचित बच्चों को शिक्षा से अब तक इन स्कूलों द्वारा अल्पसंख्यक के नाम पर वंचित रखा गया! राजस्थान के जयपुर में ही इस साल 2025 में 30,000 बच्चों को आरटीई के तहत दाखिला नहीं मिला, जबकि 80,000 सीटों पर 3.8 लाख आवेदन आए। देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में 2.09 लाख परिवारों ने 35,000 सीटों के लिए आवेदन किया, लेकिन 6,500 सीटें खाली रह गईं। अहमदाबाद में तीसरे राउंड में भी 6,946 सीटें खाली रहीं, खासकर अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में। दक्षिण कर्नाटक; 2025-26 में 326 सीटों में से केवल 31 भरी गईं। यानी अल्पसंख्यक स्कूलों को यदि ये छूट नहीं दी जाती तो जो बच्चे आरटीई के तहत प्रवेश लेने से वंचित रह गए, उनमें किसी एक को भी वंचित नहीं रहना पड़ता। वस्तुतः यह तो कुछ राज्यों की स्थिति है, इस तरह से प्रत्येक राज्य के आंकड़े को जोड़ा जाएगा तो लाखों बच्चों की संख्या सामने आती है जो हर साल आरटीई के तहत स्कूल प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। यह सब दिखाता है कि समस्या केवल नाम की नहीं, बल्कि व्यावहारिक है, बच्चे अवसर से वंचित हो रहे हैं। यह दिलचस्प तथ्य यह है कि 2009 में आरटीई लागू होने के बाद अल्पसंख्यक संस्थानों की संख्या में अचानक उछाल आया। 2012 तक हर साल लगभग 2000 नए संस्थान अल्पसंख्यक दर्जा लेने लगे। यहाँ तक कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु जैसी संस्थाओं ने भी इस दर्जे का लाभ उठाने की कोशिश की। यह प्रवृत्ति बताती है कि आरटीई से बचने के लिए अल्पसंख्यक टैग को एक ढाल की तरह इस्तेमाल किया गया। सवाल उठता है, आखिर ये आरटीई से बचने की होड़ क्यों मची है? मूल प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य वंचित बच्चों को अवसर देना है या केवल मोटा पैसा कमाना? जब अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई से मुक्त होकर भारी फीस लेते हैं, तो वे न तो अपने वर्ग का उत्थान कर रहे होते हैं और न ही समाज के वंचित वर्ग का। वे केवल शिक्षा को व्यापार बना रहे होते हैं। यदि ये संस्थान केवल अपने समुदाय के गरीब बच्चों को प्रवेश देते, तो लाखों अल्पसंख्यक बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकते थे। लेकिन जब ऐसा नहीं किया गया, तो साफ है कि मकसद शिक्षा नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ है। जब वंचित वर्ग के लाखों बच्चे आरटीई सीटों से वंचित रहते हैं, तो इसका असर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। इसका असर उनके भविष्य, रोजगार, सामाजिक गतिशीलता और लोकतांत्रिक भागीदारी पर पड़ता है। एक ओर समृद्ध वर्ग के बच्चे महंगे निजी या अल्पसंख्यक स्कूलों में पढ़ते हैं, दूसरी ओर गरीब बच्चे सरकारी स्कूलों की कमजोर व्यवस्था में सिमट जाते हैं। यह विभाजन समाज में असमानता की खाई को और चौड़ा करता है। संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 30 के जरिए अल्पसंख्यकों को संस्थान चलाने की स्वतंत्रता दी थी ताकि वे अपनी संस्कृति और पहचान बचा सकें। लेकिन क्या इस स्वतंत्रता का मतलब यह है कि वे बच्चों के बुनियादी अधिकारों से मुकर जाएँ? वास्तव में अनुच्छेद 21ए की आत्मा सार्वभौमिकता है। यानी हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार देना है। स्वभाविक है ऐसी स्थिति में हमें अनुच्छेद 30 स्थान पर अनुच्छेद 21ए को ही अधिक महत्व देना होगा। क्योंकि यहां प्रश्न एवं जवाबदेही अपनी पीढ़ियों के निर्माण की है।

आप का नजरिया

भारत की चिप क्रांति : हकीकत की तरफ बढ़ते सपने

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और वैश्विक नेतृत्व की दिशा भी बन गई है। दशकों तक चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उपभोक्ता के रूप में पहचाने जाने वाला भारत अब निर्माता और आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। सेमीकंडक्टर मिशन, वैश्विक सहयोग, और शिक्षा व अनुसंधान में निवेश ने भारत की चिप क्रांति को साकार रूप दिया है। भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज़, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक-हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है।

कुछ अलग

कितने संग्रह आए हैं रे तेरे...

हर गली, मोहल्ले, शहर, प्रांत में साहित्य के मठाधीश होने जरूरी हैं, नहीं तो नए लेखकों को उनकी औकात का लेवल भला कौन बताएगा? 'अबे ओ कालिया! कितने संग्रह आए हैं तेरे?' 'जी साब दो।' 'बस दो?' 'और मेरे इक्कीस।' 'नहीं साब, मैं तो बहुत मेहनत से लिखता हूं।' 'अरे यार! तू भी बस, मुझे देख, घिसो और फेंको, घिसो और फेंको।...ओह, मेरा मतलब है, लिखो और भेजो, लिखो और भेजो। तुझे क्या लगता है, ये संपादक लोग बहुत ध्यान से पढ़ते हैं।' 'पर सर जी, आपको कैसे पता कि वो ध्यान से नहीं?' 'चल दिखाता हूं मेरे घर चल। ये देख, वो मेरी बीवी कितने बड़े लेखक की रचना भिंडी काटते-काटते एडिट कर रही है और मेरा बेटा, वो भी अपना होमवर्क करते हुए एक कविता के पेज के पीछे अपनी मोटी मां की फोटू बना रहा है।' ...'और आपकी बेटी सर जी, वो तो अच्छी लेखिका भी है?' 'चल, उसे भी दिखाता हूं?' 'हां सर, ओके सर, आ जाएगी-आ जाएगी आपकी कहानी, पर साउथ सिल्क की वो दो साड़ी, जो आपने मुझे देने को...। आपकी रचना अगले अंक में पक्की।' 'देखा, अब चल तुझे अपना कमरा दिखाता हूं।' 'पर सर जी, आपका तो सब अच्छा ही अच्छा होगा न? चूंकि सर जी, आप तो दो पत्रिकाएं भी निकालते हैं, एक महीने में तीन बड़े-बड़े साहित्यिक कार्यक्रमों और ट्रिप का आयोजन, चार-पांच जगह भाषण, वाहत्सप्प पर रोज अब तक 670 कविताएं, अब तक प्रकाशित 21 कहानी संग्रह। स्कूल में टीचरी और हफ्ते में तीन लेख, कहानियां पत्र-पत्रिकाओं में। कहानी तो, ये बड़ी-बड़ी...।' 'ओए लौंडे, अपनी औकात में रह!

दृष्टि कोण

विभाजन की सिसकियां खारिज करने का कारण

भारत विभाजन को लेकर दो प्रकार की पुस्तकें लिखी गई हैं। पहली श्रेणी में साहित्य की पुस्तकें हैं। उपन्यास, कहानियां, कविता या अन्य विधाओं में लिखी किताबें। इनमें यकीनन विभाजन के कारणों को लेकर साहित्यकार की अपनी दृष्टि ही प्रमुख रही है। इस प्रकार के साहित्यकारों में हिंदी भाषा में तीन उपन्यासकारों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यशपाल, भीष्म साहनी और वैद्य गुरुदत्त। यशपाल का झूठा सच, भीष्म साहनी का तमस और वैद्य गुरुदत्त का 'देश की हत्या' नामक उपन्यास हिंदी साहित्य की निधि हैं। पंजाबी में अमृता प्रीतम ने अपनी एक ही रचना 'अज आंखों वारिस शाह नूं' लिख कर विभाजन की टीस को रेखांकित कर दिया। विभाजन विभीषिका को लेकर दूसरी प्रकार की किताबें समाज विज्ञान की श्रेणी में रखी जा सकती हैं। उन किताबों में विभाजन के कारण की मीमांसा प्रमुख है, विभीषिका कम है। समाज विज्ञान के पंडित शायद विभीषिका को रेखांकित करने से जानबूझ कर बचते रहे हैं। उस समय की सरकार की यह नीति का हिस्सा भी हो सकता है। सरकार दरअसल विभीषिका की चर्चा करने से बचती थी। यदि विभीषिका की चर्चा होती तो यकीनन समाज विज्ञान के पंडितों को उसकी जिम्मेदारी भी तय करनी पड़ती। यह जिम्मेदारी कम से कम तीन पक्षों के खाते में तो सीधे-सीधे आती थी। मुस्लिम लीग। मुस्लिम लीग को यह जिम्मेदारी लेने में दिक्कत भी नहीं थी। पाकिस्तान में उसको इसका परोक्ष रूप से लाभ ही होता। आखिर कितनी पार्टियां हैं, जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यता के एक भौगोलिक क्षेत्र को विभाजित कर एक नया देश बना सकती हैं? मुस्लिम लीग को यदि यह श्रेय मिलता है तो यह तो उसके लिए मैडल ही माना जाएगा। दूसरे स्थान पर विभाजन विभीषिका की जिम्मेदारी ब्रिटिश सरकार के खाते में पड़ती है। लेकिन ब्रिटिश सरकार इस पर गौरव कर सकती है। दो सौ साल राज करने के बाद भी अपने साम्राज्यवादी हितों के लिए भारत को विभाजित करने में सफलता प्राप्त की। मजहब यूरोपीय देशों में राज्य या देश की नीति निर्धारण में

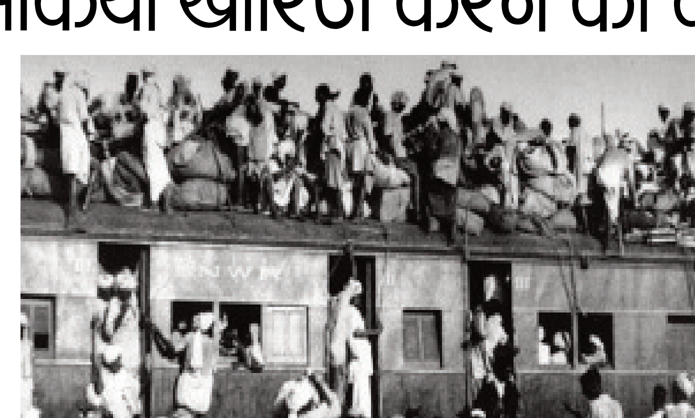

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन भारत में मजहब सदा व्यक्तिगत विषय होता था। उससे राज्य का कुछ लेना-देना नहीं था। ब्रिटिश नीतिकारों ने मजहब को पहचान का प्राथमिक आधार बना कर देश में लंबवत दरारें पैदा कर दीं और देश को ही विभाजित कर दिया। इस पर ब्रिटेन गर्व कर सकता था। विभाजन में तीसरी हिस्सेदारी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है जिसने पंद्रह अगस्त 1947 से पहले विभाजन के पक्ष में बाकायदा प्रस्ताव पारित कर मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार की नीति का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि उसमें सहायता भी की। लेकिन कांग्रेस की जिम्मेदारी केवल भारत विभाजन का प्रस्ताव पास करने से ही समाप्त हो जाती। इस प्रस्ताव के पास हो जाने से दो रास्ते खुले थे। पहला रास्ता था भारत के, खासकर बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब के विभाजित होने का और दूसरा रास्ता था बचे हुए भारत की सत्ता पर कांग्रेस के अधिकार का। विभाजन केवल दो हिस्सों का हुआ था। बंगाल का और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र का। पूरे देश का विभाजन नहीं हुआ था। विभाजन के बाद इन दो क्षेत्रों में क्या परिणाम निकलेंगे, क्या इसका अंदाजा कांग्रेस को नहीं था? क्या कांग्रेस यह मान रही थी कि नक्शे पर नई रेखा खिंच जाएगी, एक देश के दो देश बन जाएंगे, लेकिन लोग अपने-अपने स्थानों पर ही बैठे रहेंगे? यदि विभाजन के परिणाम का अंदाजा कांग्रेस को नहीं था तो जाहिर है कि कांग्रेस कम से कम राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलवाने की हकदार नहीं थी। वह केवल कुछ अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त लोगों का क्लब मात्र था, जो भारत के लोगों की जमीनी सच्चाइयों से कटा हुआ था।

अफगानिस्तान भूकंप: मौत का आंकड़ा 2200 पार, प्रभावितों को राहत सामग्री की किल्लत

काबुल/मजार दारा ,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में गुरुवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह झटका उसी इलाके में आया है, जहां रविवार को आए भीषण भूकंप में 2,200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी।

रविवार को आए 6 तीव्रता वाले भूकंप और मंगलवार के 5.5 तीव्रता के झटके ने कुनार और नंगरहार प्रांतों के गांवों को पूरी तरह तबाह कर दिया। अब तक 2,205 मौतों और 3,640 से अधिक घायल होने की पुष्टि हुई है। 6,700 से ज्यादा घर पूरी तरह ढह गए हैं। राहत एजेंसियों का कहना है कि मलबे में दबे लोगों के चलते मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि भोजन, दवाइयां और आश्रय की भारी कमी हो रही है। रेड क्रॉस ने कहा कि अब तक लगभग 84,000 लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के अनुसार कुनार प्रांत के कुछ गांवों में हर तीन में से दो लोग या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं, जबकि 98 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हैं।

प्रभावित इलाकों में लोग अब भी मलबा हटाकर अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं। शवों को स्थानीय लोग हाथ से बने स्ट्रेचर पर ले जाते दिखे। कई जगह लोग खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं क्योंकि बार-बार आने वाले ऑफ्टरशॉक्स के डर से वे घरों में लौटना नहीं चाहते।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 03 मिलियन डॉलर की फंडिंग कमी का जिक्र किया है, जिससे दवाइयों और जरूरी चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि उनके पास प्रभावित लोगों को मदद देने के लिए सिर्फ चार हफ्तों तक का स्टॉक और फंड बचा है। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल ने दाताओं से अपील की है कि वे केवल आपातकालीन राहत ही नहीं, बल्कि अफगान लोगों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए भी आगे आएं।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश में डेढ़ लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा चुनाव का प्रशिक्षण

ढाका (बांग्लादेश)। अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव के मद्देनजर डेढ़ लाख (1,50,000) से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका मकसद निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराना है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) काजी जियाउद्दीन का कहना है, हम स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी काजी ने कहा कि 1,50,000 या उससे अधिक पुलिसकर्मियों को सभी जरूरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात और मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विकास का प्रभार संभाल रहे जियाउद्दीन ने कहा कि पिछले तीन महीनों में चुनाव विशेषज्ञों और वकीलों के सुझावों को शामिल करते हुए नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के दे में 130 छोटे और चार बड़े प्रशिक्षण केंद्र हैं। चुनाव ड्यूटी में हिस्सा लेने वाले सभी पुलिसकर्मियों को इन्हीं केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31 अगस्त से तीन सितंबर तक ढाका स्थित पुलिस मुख्यालय में इन मॉड्यूल के तहत 150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले दिनों में देश भर के 19 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 1,292 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय इस सप्ताह के अंत में राजारबाग पुलिस लाइन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर एक औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित करेगा।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका के न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ

धोखाधड़ी (आपराधिक) की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच में कौन से अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय शामिल हैं। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, कुक ने पहले अपने खुलासे में बताया था कि उनके जॉर्जिया, मैसाचुसेट्स और मिशिगन में घर हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संघीय अभियोजकों ने समन जारी करना शुरू कर दिया है। इसलिए अनुमान है कि इन्हीं क्षेत्रों के कार्यालय जांच में शामिल होंगे। इससे पहले फ़ेडरल हाउसिंग फ़ाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के कार्यालय ने कुक के खिलाफ जांच कराई थी। इसमें साफ हुआ कि कुक ने एक मामले में अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए बैंक दस्तावेजों में हेराफेरी की। इसके बाद पुल्टे ने इस मामले को आपराधिक जांच के लिए न्याय विभाग को भेजा। इससे पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह लिसा कुक को फ़ेडरल रिज़र्व से बाहर कर देंगे। कुछ दिन पहले खबर आई कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया। कुक ने प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनके वकीलों ने उनकी संभावित बर्खास्तगी को फ़ेडरल रिज़र्व की पारंपरिक स्वतंत्रता को कमजोर करने की एक अवैध कोशिश बताया। गुरुवार को एक बयान में कुक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एब्बे डी. लोवेल ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अतिक्रमण के लिए नए औचित्य गढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने न्याय विभाग को अमेरिकी इतिहास में शायद सबसे अधिक राजनीतिकरण वाला विभाग बताया। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग का नाम अब युद्ध विभाग होगा

वाशिंगटन (अमेरिका)। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप शुक्रवार को रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग करने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। इस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद तक विभाग का जो नाम था, उसे बहाल करके सैन्य मिशन को पुनर्गठित करने का ट्रंप का वादा पूरा हो जाएगा। खबर के अनुसार, यह कदम, जिसकी कुछ समय से उम्मीद की जा रही थी, युद्ध-लड़ने की क्षमताओं का प्रदर्शन करके एक अधिक आक्रामक छवि पेश करने के अपने लक्ष्यों के अनुरूप सेना को नया रूप देने के ट्रंप के प्रयासों को रेखांकित करता है। ट्रंप उस जागरुकता के बजाय अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहते हैं, जिसके बारे में उन्होंने और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यकाल में सेना के मनोबल और मिशन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा था।

अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को देगी जन्म, जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेताया

ढाका,05 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रतिष्ठित जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को जन्म देगी। साथ ही मुट्ठी भर लोगों के एक समूह को अंतहीन मुनाफा कमाने का अवसर भी प्रदान करेगी। यही नहीं इस परियोजना से लोगों, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

खबर के अनुसार, परियोजना सामग्री, व्यवहार्यता अध्ययन और समाचारों को आधार बनाकर विशेषज्ञों ने इसके संभावित पहलुओं का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला है कि यह न तो तकनीकी रूप से सही है, न ही वैज्ञानिक रूप से सही और न ही पर्यावरणीय रूप से उचित। विशेषज्ञों को आशंका है कि जिन संकटों के कारण इस परियोजना को शुरू से ही लागू करना जरूरी था, जैसे कि अचानक बाढ़, नदी तट का कटाव और कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी, वे और भी बदतर हो जाएंगे।

पेंसिल्वेनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में भू-विज्ञान पढ़ाने वाले मोहम्मद खलीकुज्जमां ने कहा, यह परियोजना बांग्लादेश को तीस्ता नदी की निरंतर तलकर्षण और उसके तटों की निरंतर मरम्मत और रखरखाव जैसी जरूरतों से रूबरू कराएगी। उन्होंने कहा, इससे ठेकेदारों, प्रबंधकों, राजनेताओं और चीन की सरकार को लाभ होगा।

उल्लेखीय है कि चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना से पर्याप्त ऋण और तकनीकी सहायता आकार लेने वाली तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना का उद्देश्य 114 किलोमीटर लंबे तटबंध बनाकर और इसकी चौड़ाई को अधिकतम एक किलोमीटर तक करना है। नदी की वर्तमान औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर है। इस परियोजना का उद्देश्य 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को पुन: प्राप्त करना, बाढ़ और नदी तट के कटाव को नियंत्रित करना और नौवहन एवं सिंचाई को बढ़ाना है। साथ ही एक नहर भी बनाई जाएगी। नदी के किनारों पर 100 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक तटबंध बनाए जाएंगे।

विशेषज्ञों का तर्क है कि बांग्लादेश में चाहे जितने जतन किए जाएं तीस्ता की मुख्य समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी की समस्या खत्म नहीं होगी। पूर्वी हिमालय से सफर

शुरू करने वाली तीस्ता नदी के जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पूरे जलग्रहण क्षेत्र का 17 प्रतिशत है और यह बांग्लादेश के अधीन है। अवरोधों, बैराज और ऊपरी भारतीय राज्यों सिक्किम और पश्चिम बंगाल में पानी की निकासी के कारण पिछले दशकों में तीस्ता में प्रवाह और तलछट जमाव क्रमश: 60 बीसीएम और 49 मीट्रिक टन से घटकर 25 बीसीएम और तीन मीट्रिक टन रह गया है।

मोहम्मद खलीकुज्जमां ने नदी तल को गहरा करने के बाद उसके प्रस्तावित मुख्य चैनल में जो पानी उपलब्ध हो सकता है, वह उथला भूजल ही है। यदि नीचे की ओर कोई बांध या बैराज बनाया जाता है तो अतिरिक्त जल संग्रहण संभव होगा, लेकिन इस मेगा परियोजना में ऐसी कोई योजना नहीं है।

ब्यूएट स्थित जल एवं बाढ़ प्रबंधन संस्थान के प्रो. एकेएम सैफुल इस्लाम ने कहा, नदी के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप करने से कई पर्यावरणीय परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि नदी के किनारों को कंक्रीट से ढकने से भूजल पुनर्भरण और बाढ़ के मैदान से पानी की निकासी बाधित होगी। इससे पूरी पारिस्थितिकी प्रभावित होगी। विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि यह विशाल परियोजना, ऊपरी धारा से अधिकांश प्राकृतिक जल प्रवाह प्राप्त किए बिना, सीमा पार जल विवाद को सुलझाने का प्रयास करके, तीस्ता के जल पर भारत के एकतरफा नियंत्रण को वैधता प्रदान करेगी।

खलीकुज्जमां ने अपने विश्लेषण में लिखा, तीस्ता केवल जल परिवहन का माध्यम नहीं है। वह भू-गर्भीय रूप से सक्रिय पहाड़ों से भारी मात्रा में तलछट के साथ उच्च वर्षा और कई नदियों को जन्म देती है। तीस्ता नदी अपने आकार के हिसाब से असामान्य रूप से अधिक मात्रा में तलछट वहन करती है, इसलिए संभावना है कि संकरी जलधारा तलछट की मात्रा से भर जाएगी, जिससे अंतत: रेत के टीले बन जाएंगे।

विश्लेषण में कहा गया है, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नदी की औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर से घटाकर 700 मीटर करने से प्रवाह वेग और नदी तट पर कटाव बढ़ेगा। इसके पुलों के ऊपर की ओर जल जमाव के कारण बाढ़ की तीव्रता भी बढ़ेगी। जल विशेषज्ञ ऐनुन निशात ने कहा कि जल कानून में ऐसी किसी भी परियोजना को मंजूरी देने से पहले तीस्ता निवासियों, जल संसाधन विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और नागरिक समाज के सदस्यों से परामर्श करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, लेकिन हमें नहीं पता कि इस परियोजना के लिए सरकार के मन में क्या है।

वाटर कीपर्स बांग्लादेश के प्रमुख शरीफ जमील ने कहा कि इस परियोजना को तब तक रोक दिया जाना चाहिए जब तक कि यह लोगों के हितों और पर्यावरण की रक्षा के लिए ज़रूरी न साबित हो जाए। उन्होंने कहा, यह परियोजना भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र से संबंधित है, जिसने लंबे समय से एशिया के कट्टर प्रतिद्वंद्वियों भारत और चीन के हितों को आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, ऊपरी नदी पर स्थित देश से पानी का उचित हिस्सा लिए बिना तीस्ता को जीवित रखना असंभव है।

अमेरिका ने इक्वाडोर के दो गिरोहों को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया: रुबियो

क्विटो (इक्वाडोर) ,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इक्वाडोर के दो कुख्यात गिरोहों 'लॉस लोबोस' और 'लॉस चोनेरोस' को विदेशी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन की ओर से ड्रग कार्टेल्स और आपराधिक गिरोहों पर सख्ती की नई कड़ी मानी जा रही है।

रुबियो इक्वाडोर की राजधानी क्विटो पहुंचे, जहां उन्होंने नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका और इक्वाडोर की सरकारों को इन गिरोहों पर मिलकर कार्रवाई करने के कई विकल्प देगा, जिनमें इनके नेताओं को मार गिराना, अमेरिका में इनके संपत्तियों और बैंक खातों पर कार्रवाई करना और खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। उन्होंने इन गिरोहों को दरिंदे, आतंकवादी बताते हुए कहा, अब हम सिर्फ नावों पर ड्रग डीलरों को पकड़ने की कोशिश नहीं करेंगे, बल्कि राष्ट्रपति (ट्रंप) ने युद्ध छेड़ने की बात कही है क्योंकि ये गिरोह 30 साल से हम पर युद्ध कर रहे हैं और अब तक किसी ने जवाब नहीं दिया।

इस घोषणा से पहले अमेरिकी सेना ने हाल ही में वेनेज़ुएला के गिरोह ट्रेन डे अरागुआ के कथित ड्रग-तस्करों के जहाज पर हमला कर 11 लोगों को मार गिराया था। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों में चर्चा और चिंता का विषय बना हुआ है। कई देशों ने अमेरिका को चेताया है कि सैन्य हस्तक्षेप बढ़ाना उल्टा असर डाल सकता है।

इक्वाडोर हाल के वर्षों में नशीले पदार्थों की तस्करी का बड़ा ठिकाना बन गया है। यहां केले के निर्यात वाले कंटेनरों का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए किया जाता है। मेक्सिको, कोलंबिया और बाल्कन देशों के कार्टेल भी यहां सक्रिय हैं। लॉस लोबोस और लॉस चोनेरोस जैसे गिरोह न सिर्फ ड्रग तस्करी बल्कि सुपारी किलिंग, वसूली और जेलों के अंदर भी हिंसा के लिए कुख्यात हैं। 2021 से अब तक जेलों में सैकड़ों कैदियों की हत्या हो चुकी है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने अमेरिका का आभार जताते हुए कहा कि यह कदम उनके देश में आतंकी खतरों को खत्म करने में मदद करेगा।

एक बार फिर अपने फैसले से पलटे ट्रंप, जापान पर 25 से घटाकर 15 फीसदी किया टैरिफ

टोक्यो/वाशिंगटन,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और जापान के बीच व्यापार संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को नए अमेरिका-जापान व्यापार समझौते को लागू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। ट्रंप ने इसे अमेरिका-जापान व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत बताया।इस आदेश के तहत जापान से अमेरिका में आने वाले लगभग सभी आयातों पर 15 फीसदी का बेसलाइन टैरिफ लगाया गया है।

हालांकि, कुछ खास क्षेत्रों को इस टैरिफ से छूट दी गई है, जिनमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, एयरोस्पेस उत्पाद, जेनेरिक दवाएं और घरेलू स्तर पर उपलब्ध न होने वाले प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं।गौरतलब है कि शुरुआती दौर में ट्रंप प्रशासन ने जापान और दक्षिण कोरिया पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन व्यापारिक बातचीत में कई बार रुकावटें आने के बाद अंतत: 15 फीसदी बेसलाइन टैरिफ पर सहमति बनी। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि यह समझौता पारस्परिकता के सिद्धांतों और साझा राष्ट्रीय हितों पर आधारित है।इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता जापान द्वारा अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा है। व्हाइट हाउस के अनुसार यह निवेश अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य समझौते से कहीं बड़ा है। इस निवेश से अमेरिका में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।समझौते के तहत जापान अमेरिका से यूएस-मेड कमर्शियल एयरक्राफ्ट, डिफेंस इक्विपमेंट और कृषि उत्पाद जैसे चावल, मक्का, सोयाबीन, उर्वरक और बायोएथेनॉल की अरबों डॉलर की खरीद करेगा। टोक्यो ने न्यूनतम पहुंच योजना के तहत अपने चावल आयात में 75 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर सहमति दी है, जिससे अमेरिकी कृषि निर्यात में हर साल करीब 8 अरब डॉलर की बढ़त होने की संभावना है।आदेश में यह भी कहा गया है कि यह समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए बराबरी का अवसर देता है, राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों का ध्यान रखता है, निर्यात और निवेश-आधारित उत्पादन का विस्तार करता है, और जापान के साथ व्यापार घाटा कम करने में मदद करेगा। इस दौरान जापानी मुख्य वार्ताकार अकाज़ावा रयोसेई भी अमेरिका में मौजूद थे और उन्होंने वॉशिंगटन में बातचीत का एक और दौर जारी रखा, जबकि कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जा रहे थे।

नेपाल में सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने बंद की सोशल मीडिया साइट्स

मेटा कंपनी ने नेपाल सरकार से रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज मांगे

काठमांडु,05 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार के आदेश पर देश के सभी मोबाइल और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने सभी सोशल मीडिया साइट्स को बंद कर दिया है। देश में रजिस्टर्ड न होने वाली सोशल मीडिया साइट्स अब नेपाल में नहीं चल रही हैं।

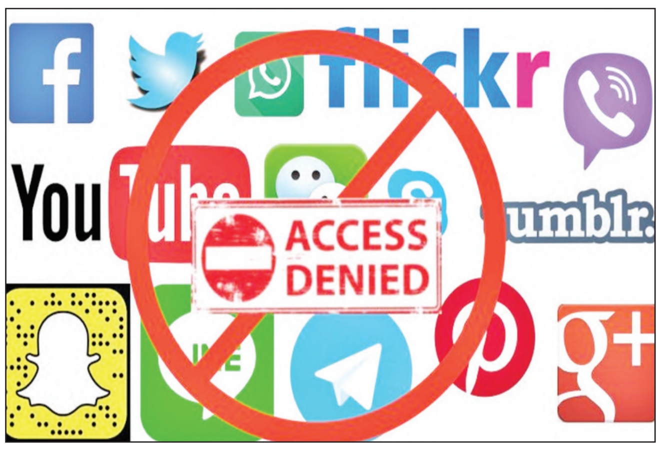

नेपाल सरकार ने गुरुवार को एक आदेश जारी करते हुए नेपाल में रजिस्टर्ड नहीं होने वाले सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। सरकार के इस निर्देश के बाद नेपाल की सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोशिएसन ने सोशल मीडिया साइट्स बंद कर दिया है। अब नेपाल में फेसबुक, मैसेंजर, वाट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित 26 सोशल मीडिया साइट्स बंद हो गई हैं। सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स कंपनियों ने अलग-अलग बयान जारी करके सरकार के निर्देश पर इन 26 सोशल मीडिया साइट्स को बंद किए जाने की जानकारी दी है।

इसी बीच सरकार के सूचना तथा संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया साइट्स की पैरेंट कंपनी मेटा ने नेपाल सरकार से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया है। ठाकुर ने बताया कि मेटा के सिंगापुर दफ्तर से मंत्रालय में फोन करके कंपनी रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज की मांग की है।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमान अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरे, पेंटागन ने भड़काऊ कदम माना

वाशिंगटन,05 सितंबर (एजेंसियां)।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमानों के गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरने की घटना को पेंटागन ने गंभीरता से लिया है। पेंटागन इसे बेहद भड़काऊ कदम माना है। गुरुवार रात एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में रक्षा विभाग ने लिखा कि यह कदम हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में बाधा डालने के लिए उठाया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने यह जानकारी देते हुए बयान में वेनेज़ुएला के कार्टेल को सख्त सलाह दी है कि वह अमेरिकी सेना के मादक पदार्थों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने का प्रयास न करे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना ने हाल ही में कैरिबियन और प्रशांत महासागर में आठ जहाज तैनात किए हैं। इस घटनाक्रम पर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में रक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि गुरुवार को वेनेज़ुएला के दो सशस्त्र एफ-16 लड़ाकू विमानों ने यूएसएस जेसन डनहम (युद्धपोत) के ऊपर से उड़ान भरी। कार्टेल ने एक तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। हाल ही में अमेरिकी नौसेना के जहाजों को वेनेज़ुएला के तटीय जलक्षेत्र में भेजा गया है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ड्रग कार्टेल पर नकेल कसने का संकल्प लिया है। इस वजह से ट्रंप और वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के बीच तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रग कार्टेल के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी ने हाल ही में मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि को दोगुना करके 5 करोड़ डॉलर कर दिया है। उधर, वेनेज़ुएला सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है।मादुरो ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी युद्धपोतों को आपराधिक और खतरनाक ख़तरा बताया था। ट्रंप और विदेशमंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी सेना ने वेनेज़ुएला से ड्रग्स ले जा रही थी एक नाव पर हमला किया था। अमेरिकी सेना ने दावा किया था कि उसने नाव पर सवार 11 लोगों को मार डाला। इन 11 लोगों के वेनेज़ुएला के गिरोह ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े होने का संदेह था।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास वापस लिया, करेंगे समोआ टीम का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का ऐलान किया है। टेलर अब समोआ टीम की ओर से आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप एशिया-ईस्ट एशिया पैसिफिक क्वालिफायर में खेलते नज़र आएंगे।

यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप के लिए समोआ की आखिरी राह है। समोआ की टीम अपना अभियान 8 अक्टूबर से ओमान में शुरू करेगी, जहां उसका सामना ओमान और पापुआ न्यू गिनी से होगा।

टेलर ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा, यह आधिकारिक है कि मैं नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह सिर्फ उस खेल में वापसी नहीं है, जिसे मैं प्यार करता हूं, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांवों और परिवार का सम्मान करने का भी बड़ा अवसर है। टेलर ने आगे कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि समोआ के लिए कोचिंग या किसी अन्य भूमिका में योगदान दूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं खेलूंगा। लेकिन जब यह मौका मिला तो मैंने इसे अपनाने का फैसला किया। अब मेरा ध्यान बस तेजी से फिट होने और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है।

दरअसल, टेलर की मां समोआ मूल की हैं, जिससे उन्हें समोआ का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता मिली। न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच अप्रैल, 2022 में खेलने के बाद टेलर ने तीन साल का स्टैंडऑफ पीरियड पूरा कर लिया है। इसके बाद अब वह दूसरी अंतरराष्ट्रीय टीम से खेलने के योग्य हो गए हैं। 41 वर्षीय टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 450 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 18,199 रन बनाए। इसमें टेस्ट में 7683, वनडे में 8607 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 1909 रन शामिल हैं। वह जून 2021 में न्यूजीलैंड को पहली बार आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जिताने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।

न्यूज ब्रीफ

एशिया कप 2025: भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 11-0 से रौंदा

हांगझोउ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 की अपनी शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की। पूल-बी मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को एकतरफा अंदाज़ में 11-0 से मात दी। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 6 सितम्बर को शाम 4:30 बजे (भारतीय समयानुसार) जापान के खिलाफ खेलेगी। भारत के लिए मुमताज खान (7′, 49′), उदिता (30′, 52′) और ब्यूटी डुंग डुंग (45′, 54′) ने दो-दो गोल दागे। इनके अलावा संगीता कुमारी (10′), नवनीत कौर (16′), लालरेमसियामी (18′), शर्मिला देवी (57′) और रुतुजा दादासो पिसल (60′) ने भी गोल करके टीम की जीत में अहम योगदान दिया। भारत ने पहले क्वार्टर में ही दबदबा बना लिया था। मुमताज खान (7′) और संगीता कुमारी (10′) के फील्ड गोल से टीम ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में नवनीत कौर (16′), लालरेमसियामी (18′) और उदिता (30′, पेनल्टी कॉर्नर) ने गोल कर स्कोर को और आगे बढ़ाया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने लगातार दबाव बनाए रखा और चार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। इसी दौरान ब्यूटी डुंग डुंग (45′) ने अपना पहला गोल किया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने एक के बाद एक पांच गोल दागकर मैच को पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इस दौरान मुमताज खान (49′), उदिता (52′), शर्मिला देवी (57′), ब्यूटी डुंग डुंग (54′) और रुतुजा दादासो पिसल (60′) ने गोल किए।

फिडे ग्रांड स्विस 2025: गुकेश ने जीता पहला मुकाबला, प्रज्ञानानंद ड्रॉ पर रुके; दिव्या हारीं

नई दिल्ली। समरकंद (उज़्बेकिस्तान) में चल रहे फिडे ग्रांड स्विस 2025 की शुरुआत भारतीय खिलाड़ियों के मिले-जुले परिणामों के साथ हुई। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी एटिएन बाक्रो को पहले ही दौर में हराकर धमाकेदार आगाज़ किया। गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस अपनाया और बीच खेल (मिडलगेम) में अद्भुत जटिलताएँ पैदा कर दीं। बाक्रो बराबरी पर टिके रहने की कोशिश करते रहे लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर ने एक शानदार एक्सचेंज बलिदान देकर निर्णायक बढ़त बनाई और जीत अपने नाम की। अगली बाज़ी में गुकेश सफेद मोहरों से उतरेंगे। दूसरी ओर, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के जेफ्री जियोंग ने ड्रॉ पर रोक दिया। फ्रेंच डिफेंस में खेले गए इस मुकाबले में जियोंग ने लगातार मोहरे बदलते हुए हल्का दबाव बनाया, लेकिन खेल अंततः दोहराव पर समाप्त हुआ। महिला विश्व कप विजेता और ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को हालांकि हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने ओपन सेक्शन में शुरुआत अभिमन्यु पुराणिक से हारकर की। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में, विजेता विदित गुजराती ने जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको को परास्त किया, जबकि पी. हरिकृष्णा को स्लोवेनिया के एंटन डेंचेनकोव ने सफेद मोहरों से खेलते हुए हराया। निहाल सरीन जर्मनी के रस्मुस स्वाने से ड्रॉ पर रुके।

भारत सीएएफए नेशंस कप के तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में पहुँचा

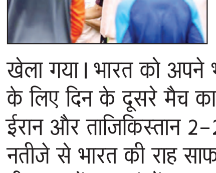

हिसोर (ताजिकिस्तान)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम ग्रुप बी मुकाबले में गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद सीएएफए नेशंस कप 2025 के तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में जगह बना ली। यह मुकाबला ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेला गया। भारत को अपने भविष्य का फैसला जानने के लिए दिन के दूसरे मैच का इंतजार करना पड़ा, जहां ईरान और ताजिकिस्तान 2-2 की बराबरी पर रहे। इस नतीजे से भारत की राह साफ हुई। खालिद जमील की टीम ग्रुप में चार अंकों (एक जीत, एक हार और एक ड्रॉ) के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। मेजबान ताजिकिस्तान भी चार अंकों पर रहा, लेकिन भारत ने उसे पहले मैच में 2-1 से हराया था, जिसके चलते हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बेहतर होने से भारत आगे निकल गया। अफगानिस्तान एक अंक के साथ बाहर हो गया। अब भारत 8 सितंबर को हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेलेगा। भारत का सामना ग्रुप ए की दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। फिलहाल ओमान और उज़्बेकिस्तान चार-चार अंकों के साथ शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं।

लियोनेल मेसी के दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 3-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स,05 सितंबर (एजेंसियां)।

लियोनेल मेसी ने दो शानदार गोल दागे, जिसकी बदौलत अर्जेंटीना ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को वेनेजुएला को 3-0 से हराकर अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले को यादगार बना दिया। 38 वर्षीय मेसी ने भले ही संन्यास की तारीख साफ नहीं की है, लेकिन उन्होंने पहले ही यह संकेत दे दिया था कि वेनेजुएला के खिलाफ यह मुकाबला उनका घरेलू जमीन पर आखिरी विश्व कप क्वालिफायर होगा।

पहले से ही अगले साल उत्तर अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही मुकाबले पर दबदबा बनाए रखा। निकोलस टैगलियाफिको और फ्रैंको मास्तांतूनो ने शुरुआती मौके बनाए लेकिन वेनेजुएला के गोलकीपर राफेल रोमो ने उन्हें रोक दिया।

39वें मिनट में मेसी ने कप्तानी अंदाज में जूलियन अल्वारेज़ के पास पर तेज़ काउंटर-अटैक से गोल करते हुए अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में भी अर्जेंटीना का दबदबा कायम रहा। 76वें मिनट में निको गोंजालेज़ के क्रॉस पर लाउटारो मार्टिनेज़ ने डाइविंग हेडर से दूसरा गोल दागा। मात्र चार मिनट बाद थियागो अल्माडा के असिस्ट पर मेसी ने एक और गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना 38 अंकों के साथ 2026 विश्व कप दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग तालिका में शीर्ष पर है। अब टीम मंगलवार को इक्वाडोर के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगी।

वहीं, वेनेजुएला अपने घरेलू मैदान पर कोलंबिया के खिलाफ मुकाबले में क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बरकरार रखने की कोशिश करेगा।

इक्वाडोर के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैच में नहीं खेलेंगे मेसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के फारवर्ड और कप्तान लियोनेल मेसी 10 सितंबर को इक्वाडोर के खिलाफ होने वाले अगले फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैच में नहीं खेल पाएंगे। वेनेजुएला के खिलाफ जीत के बाद मेसी ने कहा, मैंने लियो (स्कालोनी) से बात की और फिर फैसला लिया कि मुझे आराम करना चाहिए। मैं एक चोट से उबर रहा हूं। हालांकि अब मैं ठीक हूं, लेकिन हम यात्रा करने और कोई और मैच खेलने से बचना चाहते हैं, ताकि मैं आगे आने वाले मैचों के लिए आराम कर सकूं। मेसी ने कहा, यहां इस तरह से अंत करना मेरा हमेशा से सपना रहा है। मैंने इस मैदान पर बहुत कुछ अनुभव किया है, अच्छा भी और बुरा भी, लेकिन अर्जेंटीना में अपने प्रशंसकों के सामने खेलना हमेशा खुशी की बात होती है। मेसी ने गुरुवार को खचाखच भरे दर्शकों के सामने अर्जेंटीना की वेनेजुएला पर 3-0 की जीत में दो गोल दागे, जो उन्हें विदाई देने के लिए एस्टाडियो मोनुमेंटल में इकट्ठा हुए थे। मेसी ने अभी तक इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया है कि वह खेल के शीर्ष स्तर से कब संन्यास लेंगे, लेकिन 2030 विश्व कप के क्वालीफायर 2027 में शुरू होंगे, जब वह 40 वर्ष के होंगे। मेसी के अब दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफायर में 36 गोल हो गए हैं और वह सर्वकालिक गोल स्कोरिंग लीडर बने हुए हैं। उनके इंटर मियामी टीम के साथी लुइस सुआरेज़ ने महाद्वीपीय क्वालीफाइंग में 29 गोल किए हैं, लेकिन वह उरुग्वे की राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले चुके हैं। बोलीविया के मार्सेलो मोरेनो मार्टिंस 22 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया की महिला विश्व कप टीम में सोफी मोलिन्यूक्स की वापसी

मेलबर्न,05 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला वनडे विश्व कप 2025 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिन्यूक्स की वापसी हुई है। मोलिन्यूक्स लंबे समय से चोट के कारण बाहर थीं और इसी साल जनवरी में उनके घुटने का ऑपरेशन हुआ था। हालांकि वह भारत के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज़ से बाहर रह सकती हैं, लेकिन उम्मीद है कि विश्व कप (30 सितंबर से) तक वह पूरी तरह फिट हो जाएंगी। टीम को डार्सी ब्राउन (क्वाड इंजरी) और जॉर्जिया वेयरहम (ग्रोइन इंजरी) की भी वापसी से मजबूती मिली है। वहीं, एलिसा हीली ने भी पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के लिए वापसी कर फिटनेस हासिल कर ली है। टीम फिजियो केट बीरवर्थ ने कहा, सोफी मोलिन्यूक्स रिकवरी में अच्छा कर रही हैं और हमें उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए तैयार रहेंगी। एलिसा हीली और जॉर्जिया वेयरहम भी अब पूरी तरह से ट्रेनिंग में वापसी कर चुकी हैं। मोलिन्यूक्स के साथ ही पहली बार 50 ओवरों के विश्व कप के लिए चुनी गई खिलाड़ियों में फीबी लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम और किम गार्थ शामिल हैं। वहीं, ग्रेस हैरिस को मौका मिला तो वह भी पहली बार वनडे विश्व कप में उतरेंगी। ऑस्ट्रेलिया का स्पिन विभाग अब और भी मजबूत हो गया है, जिसमें गार्डनर, अलाना किंग, वेयरहम और मोलिन्यूक्स जैसी स्पिनर शामिल हैं। बल्लेबाज़ी में जॉर्जिया वोल को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है।

भारत के खिलाफ होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया ने ऑलराउंडर चार्ली नॉट और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ निकोल फाल्टम को भी शामिल किया है। हालांकि, ये दोनों खिलाड़ी विश्व कप से पहले टीम से लौट जाएंगे।राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, हमने हर स्थिति को ध्यान में रखते हुए टीम चुनी है। भारत और श्रीलंका की पिचों पर स्पिनर्स अहम भूमिका निभाएंगे। सोफी मोलिन्यूक्स की प्रगति उत्साहजनक है और हमें भरोसा है कि वह विश्व कप के लिए फिट रहेंगी। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2022 में न्यूजीलैंड में अपना छठा महिला वनडे विश्व कप खिताब जीता था। वह 1 अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा।ऑस्ट्रेलिया महिला विश्व कप 2025 टीम:एलिसा हीली (कप्तान), तहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, सोफी मोलिन्यूक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट, एन्नाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

ब्रीट्ज़के ने लगातार पांचवें मैच में अर्धशतक लगाकर रिकार्ड बनाया

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां हुए दूसरे एकदिवसीय मैच में 77 गेंदों में 85 रन की शानदार पारी खेलकर एक नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। ब्रीट्ज़के ने अपने करियर ने पांचवें मैच में ही शुरुआती पांच मैच में 50 से अधिक रनों का रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने 77 गेंदों में ही 85 रन की पारी के दौरान सात चौके और तीन छक्के भी लगाये। वहीं सिद्धू ने अपने करियर की शुरुआत में लगातार चार मैच में 50 से ज्यादा रन बनाए थे। पांच मैच में एक शतक और लगातार चार अर्धशतक लगाकर ब्रीट्ज़के ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लाहौर में डेब्यू करते हुए 150 रन बनाये थे। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में 84 गेंद में 83 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैच में उन्होंने 57 और 88 रन बनाये थे। इसी के साथ ही ब्रीट्ज़के उन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के विशेष क्लब में भी शामिल हो गए, जिनके नाम पांच एकदिवसीय मैचों में लगातार अर्धशतक का रिकार्ड है।

त्रिकोणीय टी 20 सीरीज: ज़मान और अबरार की चमक से पाकिस्तान की यूएई पर आसान जीत

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

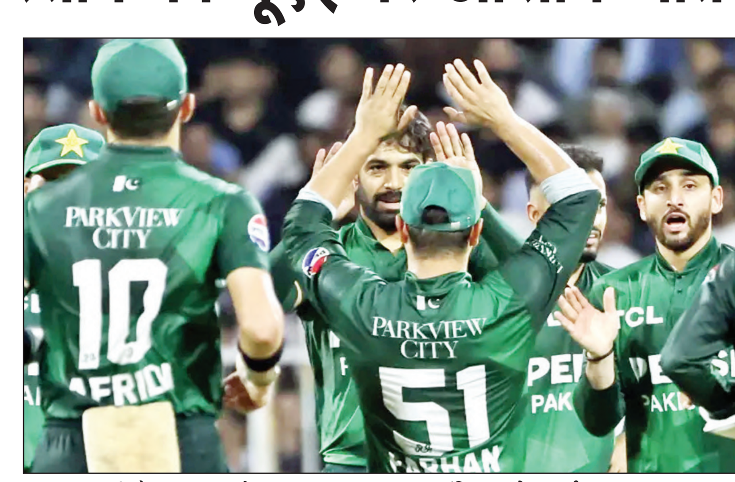

शारजाह में गुरुवार रात खेले गए त्रिकोणीय टी 20 सीरीज के मुकाबले में पाकिस्तान ने मेज़बान यूएई को 31 रन से हराते हुए फाइनल में जगह बना ली। पाकिस्तान अब रविवार (7 सितंबर) को अफगानिस्तान से खिताबी भिड़ंत करेगा। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फ़रहान ने दो चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन जल्दी ही आउट हो गए। सैम अयूब और सलमान अली आगा भी पावरप्ले में सस्ते में लौट गए। मोहम्मद हारिस और हसन नवाज़ भी टिक नहीं सके, और पाकिस्तान का स्कोर 12 ओवर में 81/5 हो गया। यहीं से फ़ख़र ज़मान (77* रन, 44 गेंद) और मोहम्मद नवाज़ (37* रन) ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर 91 रनों की नाबाद साझेदारी की। आखिरी दो ओवरों में पाकिस्तान ने 42 रन बनाए। नवाज़ ने 19वें ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा, जबकि ज़मान ने 20वें ओवर में लगातार पाँच चौके लगाकर पाकिस्तान को 171/5 तक पहुँचा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई ने अच्छी शुरुआत की और बिना विकेट खोए 41 रन बनाए। लेकिन पावरप्ले के बाद अबरार अहमद (4 विकेट, 9 रन) ने कहर बरपाया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट झटके और यूएई की पारी 72/1 से 102/5 पर पहुंच गई। अलिशान शरफ़ू ने 68 रन की दमदार पारी खेली, लेकिन उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। शाहीन अफरीदी ने भी एक अहम विकेट लिया और यूएई की टीम निर्धारित 20 ओवर में 140/7 तक ही पहुँच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

पाकिस्तान - 171/5, 20 ओवर (फ़ख़र ज़मान 77*, मोहम्मद नवाज़ 37*; हैदर अली 2-17)

यूएई - 140/7, 20 ओवर (अलिशान शरफ़ू 68, मोहम्मद वसीम 19; अबरार अहमद 4-9, शाहीन अफरीदी 1-23)

परिणाम: पाकिस्तान 31 रन से विजयी।

यूएस ओपन फाइनल में पहुंचीं अमांडा अनीसिमोवा, आर्यना सबालेंका से होगा सामना

न्यूयॉर्क,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की अमांडा अनीसिमोवा ने जबरदस्त वापसी करते हुए चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को 6-7(4), 7-6(3), 6-3 से हराकर यूएस ओपन 2025 के फाइनल में जगह बना ली। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा।

अनीसिमोवा ने कहा, ओसाका ने मुझे कड़ी चुनौती दी। कई बार लगा कि मैं आगे नहीं बढ़ पाउंगी, लेकिन मैंने गहराई तक जाकर संघर्ष किया। यह मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। 24 वर्षीय अनीसिमोवा ने अपने करियर में पहली बार फ्लशिंग मीडोज़ के फाइनल में प्रवेश किया। जीत के बाद उन्होंने कहा, ओह माय गॉड, यह मेरे लिए दुनिया के बराबर है। यह मेरे जीवन का सपना रहा है कि मैं यूएस ओपन के फाइनल में खेलूं और अब मैं खिताब जीतने की उम्मीद कर रही हूं।

दो बार की यूएस ओपन विजेता ओसाका 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफ़ाइनल में उतरी थीं। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। ओसाका ने टाईब्रेकर में सेट जीतकर बढ़त बनाई। हालांकि, दूसरे सेट में अनीसिमोवा ने शानदार वापसी की और टाईब्रेकर में जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींच लिया। तीसरे सेट में उन्होंने दमदार खेल दिखाते हुए 4-1 की बढ़त बनाई और अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखते हुए जीत दर्ज की।

यूएस ओपन 2025: युकी भांबरी का सफर थमा,पुरुष युगल सेमीफ़ाइनल में मिली हार

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी ने यूएस ओपन 2025 के पुरुष युगल वर्ग में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचकर इतिहास रच दिया। यह उनका किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। हालांकि सेमीफाइनल में उनका सफर थम गया। 33 वर्षीय दिल्ली के खिलाड़ी भांबरी और उनके न्यूज़ीलैंड के पार्टनर माइकल वीनस को ब्रिटेन की अनुभवी छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी नील स्कुप्स्की और जो सालिसबरी के हाथों 7-6(2), 6-7(5), 4-6 से हार झेलनी पड़ी। भांबरी ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम युगल के सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना को हासिल हुई थी। इस भारतीय-न्यूज़ीलैंड जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और कई बड़े उलटफेर किए। क्वार्टरफ़ाइनल में उन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी टिम पुट्ज़/केविन क्राविएट्ज़ को हराया और उससे पहले 11वीं वरीयता प्राप्त राजीव राम/निकोल मेक्टिक को भी मात दी। हार के बाद भांबरी ने कहा, यह मेरे लिए खास हफ़्ता रहा। इस स्तर पर और ग्रैंड स्लैम के सेमीफ़ाइनल तक खेलना मेरे करियर का बड़ा पल है।

जीएसटी सुधारों से सरकार को 3,700 करोड़ रुपए राजस्व का होगा नुकसान : एसबीआई

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी के जरिए जीएसटी में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। दूसरी तरफ केंद्र सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव सालाना आधार पर 48 हजार करोड़ रुपये होगा।

स्टेट बैंक ने शुक्रवार को जारी अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से लागत दक्षता में सार्थक सुधार के कारण बैंकिंग क्षेत्र पर काफी हद तक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रभावी भारित औसत दर भी इसके 2017 में लागू होने के समय 14.4 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि आवश्यक वस्तुओं (लगभग 295) की जीएसटी दर युक्तिकरण 12 फीसदी से घटकर पांच फीसदी या शून्य हो गई है। इसलिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इस श्रेणी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति भी 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति अगामी वित्त वर्ष 2026-27 तक 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी अंकों के बीच नियंत्रित रह सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में इसी हफ्ते जीएसटी के मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को बदलकर दो स्तरीय कर दिया गया है। जीएसटी के नए स्लैब में अब 18 फीसदी एवं पांच फीसदी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 फीसदी की दर शामिल है। नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

न्यूज ब्रीफ

सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली। सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने एम्मार इंडिया लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ परियोजना के क्षेत्र में प्रभुत्व के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला एक मुखबिर की शिकायत पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एम्मार ने 97 खाली भूखंडों पर बिल्डर फ्लोर और गैर-विला आवासीय इकाइयों का निर्माण कर 'सिग्नेचर विला कम्युनिटी' की पहचान को नुकसान पहुंचाया। सीसीआई ने मामले की जांच के दौरान पाया कि गुरुग्राम में विला विकास एवं बिक्री के क्षेत्र में एम्मार इंडिया की प्रभुत्वशाली स्थिति नहीं है। बाजार में कई बड़े डेवलपर्स जैसे डीएलएफ, गोदरेज, टाटा हाउसिंग, सिग्नेचर ग्लोबल और वाटिका ग्रुप सक्रिय हैं, जो उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, एम्मार द्वारा प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप प्रथम दृष्टया निराधार पाए गए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों का कोई मामला नहीं बनता है, इस आधार पर सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। नियामक ने कहा कि संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई प्रतिस्पर्धा-विरोधी कृत्य सिद्ध नहीं हुआ है। यह फैसला प्रतिस्पर्धा के संरक्षण और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छोटे चाय उत्पादकों ने हरी चाय पत्तियों के लिए एमएसपी की मांग की

कोलकाता। देश के करीब 2.5 लाख छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) ने सरकार से हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की है। छोटे उत्पादकों का कहना है कि वे देश की कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, लेकिन बाजार में कीमतों में गिरावट और अस्थिरता के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है। भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसटीजी ने 35 रुपये प्रति किलोग्राम के एमएसपी की मांग की है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को कृषि किसानों के समान दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि वे केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात में मंत्रालय ने इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर अध्ययन कराने की बात कही है। मंत्रालय एमएसपी के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण समिति भी गठित करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टेक दिग्गजों के साथ की मुलाकात

वॉशिंगटन। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, एप्पल के टिम कुक सहित प्रमुख टेक्नोलॉजी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रंप ने इस अवसर पर इन तकनीकी नेताओं को उच्च आईक्यू वाला समूह बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि ये लोग व्यवसाय और नवाचार में क्रांति ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समूह दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। ये लोग हर उस क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं, जिसकी हम कल्पना भी कर सकते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की बैठक में ट्रंप ने इन दिग्गजों से उनके विचार साझा करने को कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का युग हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा परिवर्तनकारी दौर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा। पिचाई ने ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए सहयोग की इच्छा जताई। सत्य नडेला ने कहा कि उद्योग को विशिष्ट बनाना केवल नवाचार से नहीं होता, बल्कि वैश्विक बाजार तक पहुंच से होता है। उन्होंने ट्रंप की भूमिका की सराहना की।

पूरे दिन के कारोबार से निवेशकों ने कमाए 16 हजार करोड़ रुपये

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715 अंक लुढ़का

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.009 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.027 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होने और सपाट स्तर पर बंद होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 16 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.44 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,260 शेयरों में

एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,134 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,776 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,365 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 294.41 अंक उछल कर 81,012.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 318.55 अंक की बढ़त के साथ 81,036.56 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715.37 अंक टूट कर 396.82 अंक की कमजोरी के साथ 80,321.19 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 390 अंक की रिकवरी करके 7.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 84.55 अंक की मजबूती के साथ 24,818.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 98.05 अंक की मजबूती के साथ 24,832.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण निफ्टी ने अपनी सारी बढ़त गंवा दी। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 210.75 अंक लुढ़क कर 112.70 अंक की कमजोरी के साथ 24,621.60 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।

अदाणी पावर को 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अदाणी पावर को एक अगस्त 2025 को जारी डाक मतपत्र नोटिस के जरिये 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक अगस्त की डाक मतपत्र नोटिस में उल्लिखित आवश्यक बहुमत के साथ प्रस्ताव को विधिवत पारित माना गया है। 10 रुपये मूल्य के प्रत्येक शेयर को दो रुपये अंकित मूल्य वाले पांच पूर्ण चुकता शेयर में विभाजित किया जाएगा, जो सभी दृष्टियों से समान होंगे। मतदान छह अगस्त सुबह नौ बजे से चार सितंबर को शाम पांच बजे तक चला। अदाणी पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने एक

विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी

अगस्त 2025 को अपनी बैठक में खुदरा एवं छोटे निवेशकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शेयर विभाजन को मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि शेयर के उप-विभाजन/विभाजन के कारण कंपनी की अधिकृत, जारी, अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर के उप-विभाजन की रिकॉर्ड तिथि, निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तय की जाएगी।

रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 88.11 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कमजोर अमेरिकी डॉलर और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की तेजी के साथ 88.11 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.11 पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद फिर उसी स्तर पर स्थिर हो गया। गुरुवार को रुपया 88.12 पर बंद हुआ था। गुरुवार को रुपया 88.12 पर बंद हुआ था विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी निकासी ने उसकी तेजी को सीमित कर दिया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी गिरकर 98.10 पर आ गया।

दुग्ध उत्पादों की जीएसटी दरों में कटौती से दूरगामी लाभ होंगे: मिल्की मिस्ट

चेन्नई। मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि पनीर, मक्खन, घी जैसे दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के लिए लाभकारी होगा। रत्नम ने बताया कि इस कदम से पौष्टिक और मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे उनकी मांग बढ़ेगी। इससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और संगठित डेयरी क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने इसे केवल कर सुधार नहीं बल्कि समावेशी विकास का उत्प्रेरक बताया। दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी घटाने से मिलेगा उपभोक्ता और किसान को लाभ रत्नम के अनुसार, यह निर्णय औपचारिक डेयरी कारोबार को बढ़ावा देगा और किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में नरमी नजर आ रही है। सोने की कीमत में 900 रुपये से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोने की तरह चांदी भी 1,400 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 1,05,920 रुपये से लेकर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये से लेकर 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,25,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,05,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,05,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अपमान का...

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस कभी भी बिहार का अपमान नहीं कर सकती। लगता है कि केरल कांग्रेस का अकाउंट हैक हो गया है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं लिख सकता जो राजनीति समझता हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे केरल नेतृत्व से बात करेंगे और मामले की जांच कराएंगे।

सरकारी स्कूलों...

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की योग्यता आमतौर पर निजी स्कूलों के शिक्षकों से बेहतर है, लेकिन फिर भी छात्र निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं। इसका मतलब है कि हमें बुनियादी सुविधाओं, छात्र-शिक्षक संबंध और शिक्षण गुणवत्ता में सुधार करना होगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य के लिए एक नई शिक्षा नीति तैयार करने के लिए एक समिति गठित की गई है। इसमें शामिल हैं: पूर्व राज्यसभा सदस्य के. केशव राव, विधायक कादियम श्रीहरि और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी। इस समिति का काम राज्य की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, समावेशी और छात्र-केंद्रित बनाना होगा।रेवंत रेड्डी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शिक्षा नीतियों का हवाला दिया। केजरीवाल को दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्य रूप से शिक्षा में सुधार के कारण चुना गया। उन्होंने शिक्षा को शिक्षकों के माध्यम से गरीब वर्ग तक सफलतापूर्वक पहुंचाया। अपने भाषण के अंत में, रेवंत रेड्डी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को स्पष्ट किया कि मेरा भी कुछ स्वार्थ है। अगर आप अच्छा काम करेंगे, तो मेरे लिए दूसरे और तीसरे कार्यकाल की संभावना बन सकती है। मैं कुछ भी छिपाना नहीं चाहता। मैं कड़ी मेहनत करूंगा। मैं आपके साथ मिलकर कड़ी मेहनत करूंगा। इस सीधी और भावनात्मक अपील ने समारोह में मौजूद शिक्षकों के बीच जोश भर दिया।

रेवंत रेड्डी के खिलाफ ...

उद्देश्यों से प्रेरित है। भाजपा का आरोप है कि 4 मई 2024 को रेवंत रेड्डी ने एक चुनावी रैली में भाजपा के खिलाफ भड़काऊ और मानहानिकारक बयान दिया था। उन्होंने दावा किया था कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो वह आरक्षण प्रणाली को खत्म कर देगी। भाजपा का कहना है कि यह बयान पूरी तरह झूठा और भ्रामक था और इसके जरिए रेड्डी ने सामाजिक तनाव पैदा करने और आरक्षण के मुद्दे पर भावनाओं को भड़काने की कोशिश की।यह न केवल भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश थी, बल्कि राज्य के सामाजिक सद्भाव पर भी हमला था, - भाजपा के वरिष्ठ नेता। यह मामला तेलंगाना में राजनीतिक तनाव को फिर से बढ़ा सकता है। भाजपा का मानना है कि रेवंत रेड्डी के बयानों ने न सिर्फ पार्टी को निशाना बनाया, बल्कि आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया।तेलंगाना कांग्रेस ने इस कदम को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है और कहा कि भाजपा सत्ता में नहीं होने के बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री को परेशान करने में लगी है। यह सुप्रीम कोर्ट का दुरुपयोग है। भाजपा को चुनाव हारने का गुस्सा अभी तक नहीं उतरा।

भारत ने पीटर नवारो ...

मंत्रालय ने नवारो के सामुदायिक आधार पर आर्थिक गतिविधियों को देखने के दृष्टिकोण को अस्वीकार्य और भड़काऊ बताया। भारत में कोई भी आर्थिक गतिविधि धर्म या जाति के आधार पर नहीं चलती। यह तथ्यों से अलग, रूढ़िग्रस्त और भ्रामक दृष्टिकोण है।

जायसवाल ने जोर देकर कहा कि भारत-अमेरिका संबंध कई चुनौतियों को पार करते हुए लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संबंध सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। यह रक्षा, तकनीक, जलवायु परिवर्तन, एच-1बी वीजा और गतिशीलता साझेदारी जैसे क्षेत्रों में गहरा है। एच-1बी वीजा मामले में भारत अमेरिका के साथ निरंतर वार्ता कर रहा है। उन्होंने क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) को मुक्त, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। क्वाड नेताओं का अगला शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के बीच परामर्श के बाद तय किया जाएगा। प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट, जिसमें दावा किया गया था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुप्त पत्र भेजा है, को भी पूरी तरह गलत और अफवाह बताया।ऐसी रिपोर्टें तथ्यों के बजाय कल्पना पर आधारित हैं। भारत सरकार के उच्च स्तरीय संवादों के बारे में अनुचित और गलत सूचनाएं फैलाना उचित नहीं है। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया में 31 अगस्त को हुए एंटी-इमिग्रेंट प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसके बाद भारत के हाई कमीशन और वाणिज्य दूतावास तुरंत सक्रिय हो गए।हमने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ संपर्क बनाए रखा और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दों को उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार और विपक्ष के कई नेताओं ने बहुसांस्कृतिकता का समर्थन किया और भारतीय समुदाय के योगदान को स्वीकार किया।ऑस्ट्रेलियाई नेताओं ने स्पष्ट किया है कि भारतीय समुदाय उनके देश के विकास और समृद्धि में अहम भूमिका निभा रहा है। यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए जायसवाल ने कहा कि भारत ने हाल के शांति प्रयासों का स्वागत किया है। हमारा रुख स्पष्ट है - संघर्ष का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से बातचीत के रास्ते पर आएं। भारत ने पीटर नवारो के बयानों को न सिर्फ तथ्यहीन बताया, बल्कि उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों के लिए खतरा माना। साथ ही, विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि भारत तथ्य-आधारित और सम्मानपूर्ण वार्ता के माध्यम से वैश्विक संबंध बनाए रखना चाहता है। हमारे संबंध एक व्यक्ति के विवादास्पद बयानों से नहीं डिगेंगे।

गणेश विसर्जन में रखें इन बातों का खास ध्यान

सभी देवताओं में प्रथम गणपति बप्पा इस साल 27 अगस्त 2025 को पधारे हैं। ऐसे में शनिवार 6 सितंबर 2025, अनंत चतुर्दशी के मौके पर बप्पा अपने भक्तों से विदाई लेंगे। ज्यादातर लोग गणेश विसर्जन के महत्वपूर्ण नियमों को भूल जाते हैं, आप भी उनमें से एक न बनें, इसलिए आज हम आपको गणेश विसर्जन से जुड़े कुछ खास नियमों के बारे में बताएंगे।

गणेश विसर्जन 2025 नियम

मुख दिशा

गणपति जी को विसर्जन के लिए ले जाते समय उनका मुख घर की ओर रखें, ताकि जाने से पहले बप्पा घर को आशीर्वाद दे सकें।

आरती सामग्री

बप्पा की विदाई के वक्त उनकी पूजा अर्चना और आरती की जाती है। इसलिए पूजा से जुड़ी समाग्री फल, फूल, सुपारी, चावल, हल्दी, 21 दूर्वा, कुमकुम और मिठाई से बप्पा को विदा करें।

लाल कपड़े से जुड़ा अनुष्ठान

एक नारियल या सुपारी को हल्दी, चावल के साथ लाल कपड़े में लपेटकर ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के लिए अपनी तिजोरी में एक जगह सुरक्षित रख दें।

प्रसाद

गणेश विसर्जन के दौरान बप्पा को 5 मोदक चढ़ाएं और इसे सभी भक्तों में बांटें।

विसर्जन जल

मुमकिन हो तो घर में ही साफ बर्तन या बाल्टी में पानी भरकर पर्यावरण के अनुकूल ही विसर्जन करें। बाद में इस पानी को किसी पेड़ के नीचे या पौधों में डाल दें।

मंत्र और जप

विसर्जन से पहले 3 बार घड़ी की दिशा में परिक्रमा लगाएं। इस के बाद बप्पा का विसर्जन भक्ति और आनंद के साथ गणपति बप्पा मोरया, पूधच्या वर्षी लवकर या या गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ जैसे जयकारे लगाएं।

घर के लिए आशीर्वाद

बप्पा को विदाई देने से पहले उनके चरणों में झुककर पूरे परिवार की सेहत, धन और समृद्धि का आशीर्वाद मांगे।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के पांच मुहूर्त

गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। अनंत चतुर्दशी पर बप्पा को विदाई दी जाती है और गणेश विसर्जन किया जाता है। इस साल अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर 2025 को है, इस दिन गणेश विसर्जन के लिए कौन-कौन से शुभ मुहूर्त बन रहे हैं और कैसे करें गौरी पुत्र गजानन को विदा यहां जानें।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन मुहूर्त 2025

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ - 6 सितंबर 2025, सुबह 3:12
चतुर्दशी तिथि समाप्त - 7 सितंबर 2025, सुबह 01:41
प्रातः मुहूर्त (शुभ) सुबह 07:36 - सुबह 09:10
अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) दोपहर 12:19 - शाम 05:02
सायाह्न मुहूर्त (लाभ) शाम 06:37 - रात 08:02
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) रात 09:28 - देर रात 01:45
उषाकाल मुहूर्त (लाभ) 7 सितंबर को सुबह 04:36 - सुबह 06:02

10 दिन बाद गणेश विसर्जन करना क्यों जरुरी ?

अनंत चतुर्दशी पर गणेश उत्सव के 10 दिन पूरे हो जाते हैं इसलिए इस दिन बप्पा को विदा करना जरुरी है, क्योंकि शास्त्रों के अनुसार गणेश चतुर्थी पर अगर आपने 10 दिन बप्पा की स्थापना का संकल्प लिया है तो गणेश मूर्ति उसे उचित समय और विधि से विसर्जित करना आवश्यक होता है, ऐसा नहीं करने पर दोष लगता है।

गणेश विसर्जन विधि

शुभ मुहूर्त में ही गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करना चाहिए।

विसर्जन से पहले गणपति की अंतिम पूजा करें, उन्हें दूर्वा, फूल, मोदक, और लड्डू का भोग लगाएं।

गणेश मंत्रों का जाप करें, जैसे ॐ गं गणपतये नमः और गणेश स्तोत्र का पाठ करें।

परिवार के सभी सदस्यों के साथ गणेश जी की आरती करें। फिर धूमधाम से नाचते गाते बप्पा की मूर्ति और सामग्री को जल में प्रवाहित करें।

घर पर विसर्जन कर रहे हैं तो किसी साफ बर्तन का इस्तेमाल करें।

मूर्ति को जल में विसर्जित करने से पहले गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ का जयकारा लगाएं।

घर में जब बप्पा की मूर्ति पूरी तरह पानी में गल जाए तो इस जल को पौधों में डाल दें।

अनंत चतुर्दशी तक भूलकर भी न करें ये काम

गणेश चतुर्थी पर्व की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से हो चुकी है। इस दौरान भक्त बप्पा की मूर्ति घर पर लाते हैं और श्रद्धा पूर्वक स्थापना करते हैं। इसके 10 दिनों बाद प्रेमपूर्वक बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। हालांकि कुछ लोग डेढ़, 3, 5 या 7 दिनों के बाद भी विसर्जन कर देते हैं। गणपति उत्सव में बप्पा का घर आना पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता से भर देता है। बप्पा के घर आते हैं वातावरण पवित्र और शुद्ध हो जाता है। लेकिन आपको भी ध्यान रखना होगा कि, जब तक गणपति आपके घर पर रहें, तब कुछ कामों को करने से बचें, वरना इसका असर सुख-शांति पर पड़ सकता है।

गणपति स्थापना के दिन से लेकर जब तक बप्पा आपके घर पर रहें तब तक वातावरण को शांतिपूरण और शुद्ध रखें। इस दौरान क्रोध, लड़ाई-झड़गा न करें। ऐसा कोई काम न करें, जिससे घर पर कलह-क्लेश जैसी स्थिति उत्पन्न हो। गणपति स्थापना के दिन से लेकर जब तक बप्पा आपके घर पर रहें तब तक वातावरण को शांतिपूरण और शुद्ध रखें। इस दौरान क्रोध, लड़ाई-झड़गा न करें।

ऐसा कोई काम न करें, जिससे घर पर कलह-क्लेश जैसी स्थिति उत्पन्न हो। गणपति के घर पर होने से घर को भी पूरी तरह से साफ-सुथरा रखें। खासकर पूजास्थल के पास किसी तरह की गंदगी नहीं होनी चाहिए। इस स्थान पर ताजे फूल-माला रखें और वातावरण को सुगंधित रखें। ऐसी भी मान्यता है कि, गणपति उत्सव के समय बाल-दाढ़ी या नाखून भी नहीं काटने चाहिए। साथ ही घर पर जूते-चप्पल पहनकर भी नहीं आना चाहिए। इससे बप्पा का अपमान होता है।

गणेश विसर्जन के बाद क्यों खास मानी गई है विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी?

गणेश विसर्जन 6 सितंबर को है, गणेश जी को विदा देने के बाद बप्पा के भक्तों को उनके अगले बरस आने का इंतजार रहता है। गणेश विसर्जन के बाद बप्पा की पूजा के लिए सबसे खास दिन होता है अश्विन माह की संकष्टी चतुर्थी जो इस साल 10 सितंबर 2025 को है।

इसे विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। गणेश उत्सव के बाद विघ्नराज संकष्टी क्यों खास मानी गई है आइए जानते हैं।

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 2025 मुहूर्त

अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 10 सितंबर को दोपहर 3।37 से शुरू होकर 11 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर होगा।

गणेश जी पूजा का समय - सुबह 6।04 - सुबह 7।37
सुबह 7.37 - सुबह 9.11
शाम 4.58 - शाम 6.32
चंद्रोदय समय - रात 08.06

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी महत्व

गणेश उत्सव के दौरान 10 दिन तक बप्पा भक्त के भक्त धूमधाम से ये पर्व मनाते हैं। ऐसे में गणेश विसर्जन के बाद ये पहला व्रत होता है जो गणपति जी को समर्पित है, इसलिए इसकी विशेष मान्यता है। विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी व्रत संतान प्राप्ति, स्वास्थ्य लाभ और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए भी बहुत फलदायी माना जाता है। संकष्टी चतुर्थी का अर्थ ही संकटों को हरने वाली चतुर्थी है, इसलिए यह व्रत जीवन की सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक होता है।

सुख-समृद्धि में वृद्धि - संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखने से घर परिवार में सुख-शांति और आर्थिक समृद्धि बनी रहती है।

नकारात्मकता का नाश - सच्चे मन से गणपति बप्पा की आराधना करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

घर में सुख-समृद्धि बढ़ाने के लिए वास्तु चिन्ह

घर में सुख, समृद्धि और धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए वास्तु शास्त्र में कई सरल उपाय बताए गए हैं। ये उपाय ना केवल आर्थिक स्थिरता लाते हैं, बल्कि परिवार में शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। सही दिशा और सही तरीके से इन उपायों को अपनाने से धन चुंबक की तरह खिंचा चला आता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा। अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु के अनुसार यदि घर में कुछ प्रभावशाली चिन्ह को रखा जाए, तो घर में सुख-समृद्धि वास करती हैं। साथ ही बरकत और खुशहाली पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ मंगलकारी चित्र, छाप या मांडना से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। यह मंगल प्रतीक सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाते हैं। इन्हें घर के द्वार, मंदिर या दीवारों पर उचित दिशा में लगाना चाहिए। हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। वास्तु उपायों का पूरा लाभ पाने के लिए कुछ नियमों का पालन करें। स्वास्तिक, गुल्लक, और गंगाजल को साफ और पवित्र स्थान पर रखें। इन चीजों को सकारात्मक मन और श्रद्धा के साथ स्थापित करें। नियमित रूप से पूजा स्थल और लॉकर की साफ-सफाई करें। मंत्र जाप, जैसे 'ॐ श्री लक्ष्मी नारायणाय नमः' के साथ इन उपायों को करें। यह प्रभाव को कई गुना बढ़ाता है।

वास्तु विशेषज्ञ डा। अनीष व्यास ने बताया कि घर में प्रवेश हेतु एक द्वार ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर 3 दरवाजे शुभ नहीं होते हैं। घर में प्रवेश हेतु उत्तर और पूर्व की दिशा बेहतर होती है। दक्षिण की दिशा में भूलकर भी द्वार न दें। इससे घर में नकारात्मक शक्ति का आगमन होता है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा में बृहस्पति देव का वास होता है। इसके लिए इस दिशा में पूजा घर रखें। मंदिर में देवी-देवताओं का मुख पूर्व की दिशा में रखें। कहते हैं कि मां लक्ष्मी को साफ-सफाई पसंद होती है इसलिए उनकी कृपा पाने के लिए घर के मुख्य दरवाजे को साफ रखें। घर के बाहर गंदगी फैली होने पर नकारात्मकता बढ़ती है। घर की उत्तर दिशा में मनी प्लांट लगाना लाभदायक होता है। इसके लिए हरे रंग के गमले का प्रयोग करें। अगर आप घर को हरा-भरा बनाना चाहते हैं तो इसी दिशा में कई और पौधे तथा लताएं लगा सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि इसका रंग हरा ही हो। वास्तु के अनुसार घर का रसोईघर दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। किचन की दीवारों पर लाल, नारंगी और गुलाबी रंग करें जबकि ड्राइंग रूम और काम करने का स्थान उत्तर दिशा में होना चाहिए। उत्तर दिशा में डस्टबिन, वॉशिंग मशीन, झाड़ू और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भूलकर भी इस दिशा में न रखें। ऐसा करने से धन की हानि होती है। घर के बाहर उत्तर दिशा में गूलर, पाकड़ आदि वृक्ष न लगाएं। इससे नेत्र संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती हैं। साथ ही घर में बेर, केला, पीपल और अनार के पेड़ भी न लगाएं। इससे घर की बरकत चली जाती है।

वास्तु से लाएं सुख-समृद्धि

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में धन की कमी न हो और खुशहाली बनी रहे। वास्तु शास्त्र के सरल उपाय मेहनत के साथ-साथ धन और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। मुख्य द्वार, लॉकर, और पूजा स्थल से जुड़े ये उपाय आसान हैं, लेकिन इनका प्रभाव गहरा है।

ओम:

ॐ अनहद नाद का प्रतीक है। ब्रह्मांड में इसी तरह का नाद लगातार गूंज रहा है। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भू: लोक, भुव: लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। यह धर्म में हमारी आस्था को बढ़ाता है।

पंचसूलक

हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी पंचसूलक की छाप सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाती है।

मुख्य द्वार पर सही रंग का स्वास्तिक

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को सकारात्मक ऊर्जा और धन का प्रवेश द्वार माना जाता है। स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है। द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इससे दरिद्रता का नाश होता है। मुख्य द्वार की दिशा के अनुसार सही रंग का स्वास्तिक बनाएं। पूर्व दिशा में हरा, उत्तर में नीला, दक्षिण में लाल और पश्चिम में पीला स्वास्तिक शुभ है। यह ऊर्जा को संतुलित करता है और धन-समृद्धि को आकर्षित करता है।

कमल

हिन्दू पुराणों के अनुसार कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु जी की नाभि से हुई है और कमल के फूल से ब्रह्माजी की उत्पत्ति मानी जाती है। कमल के पुष्प को ब्रह्मा, लक्ष्मी तथा सरस्वती जी ने अपना आसन बनाया है। कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह दोनों से निर्लिप्त रहकर पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कहते हैं कि कमल के फूल की ही तरह सृष्टि और इस ब्रह्मांड की रचना हुई है और यह ब्रह्मांड इसी फूल की तरह है। मंदिरों के गुंबद और स्तंभों पर कमल की आकृति बनाई जाती है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

त्रिशूल

त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। यह बुरी शक्तियों को रोकता है।

कलश

समुद्र मंथन के दौरान अंत में भगवान धन्वंतरि देव अमृत से भरा कलश लेकर निकले थे। यह कलश उसी का प्रतीक है। कलश को सुख- समृद्धि, ऐश्वर्य देने वाला तथा मंगलकारी माना जाता है। कलश के मुख में भगवान विष्णु, गले में रुद्र, मूल में ब्रह्मा तथा मध्य में देवी शक्ति का निवास माना जाता है। कलश में जल होता है। उसके मुख पर श्रीफल रखते हैं। जल विष्णु और वरुण देव का प्रतीक है और श्रीफल माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है।

नमस्ते

यह स्वागत का चिन्ह है जो द्वार के दोनों ओर लगाया जाता है। यह अतिथियों के मन में सकारात्मक भाव को लाता है और सौहार्द और विनम्रता का संचार करता है।

शंख

शंख को नादब्रह्म और दिव्य मंत्र की संज्ञा दी गई है। शंख समुद्र मंथन के समय प्राप्त चौदह अनमोल रत्नों में से एक है। लक्ष्मी के साथ उत्पन्न होने के कारण इसे लक्ष्मी भ्राता भी कहा जाता है। शंख सूर्य व चंद्र के समान देवस्वरूप है जिसके मध्य में वरुण, पृष्ठ में ब्रह्मा तथा अग्र में गंगा और सरस्वती नदियों का वास है।

दीपक

सुन्दर और कल्याणकारी, आरोग्य और संपदा को देने वाले दीपक समृद्धि के साथ ही अग्नि और ज्योति का प्रतीक भी है।

मछली

वास्तु के अनुसार यह मछली का चित्र या छाप घर में खुशहाली और शांति को कायम करके उन्नति के रास्ते खोलती है। मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। इस छाप को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगा सकते हैं।

लॉकर में रखें पीली सरसों

घर का लॉकर धन की स्थिरता का प्रतीक है। वास्तु के अनुसार, लॉकर को पश्चिम दिशा में रखें और उसमें थोड़ी सी पीली सरसों डालें। पीली सरसों बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा को रोकती है, जिससे धन सुरक्षित रहता है। इसे छोटे लाल कपड़े में बांधकर लॉकर में रखें। यह उपाय आर्थिक स्थिरता और बरकत को बढ़ाता है।

दक्षिण-पश्चिम में मिट्टी का गुल्लक

दक्षिण-पश्चिम दिशा स्थिरता और धन संग्रह के लिए शुभ मानी जाती है। इस दिशा में मिट्टी की गुल्लक रखें और उसमें समय-समय पर सिक्के या नोट डालें। बच्चों के हाथ से गुल्लक में पैसा डलवाना विशेष रूप से शुभ है। यह उपाय धीरे-धीरे धन संचय को बढ़ाता है और आर्थिक मजबूती देता है।

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो लगाना धन और स्थिरता के लिए शुभ है। देवी लक्ष्मी धन की प्रतीक हैं और भगवान नारायण संरक्षण देते हैं। इस फोटो को पूजा स्थल या लिविंग रूम में लगाएं और रोज प्रणाम करें।

ईशान कोण में गंगाजल

उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) को वास्तु में सबसे पवित्र माना जाता है। पूजा स्थल में इस दिशा में गंगाजल की छोटी शीशी रखें। गंगाजल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मानसिक शांति व आत्मिक संतुलन लाता है। समय-समय पर गंगाजल को ताजा करें और पूजा स्थल को साफ रखें। यह धन और सुख को आकर्षित करता है।

डॉ। अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो।9460872809

नेहा कक्कड़ के नए गाने तू प्यासा है, मैं पानी सनम ने मचाई सोशल मीडिया पर धूम

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ एक बार फिर अपने नए गाने की वजह से चर्चा में हैं। शुक्रवार को उनका लेटेस्ट गाना 'तू प्यासा है मैं पानी सनम' रिलीज हो गया। यूट्यूब पर अब तक इस गाने को 4.5 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। नेहा कक्कड़ का यह गाना उनके फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। इसमें उनके बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज ने सबका ध्यान खींचा है। इस गाने में नेहा का जलवा और उनकी आवाज का जादू एक बार फिर देखने को मिका है।

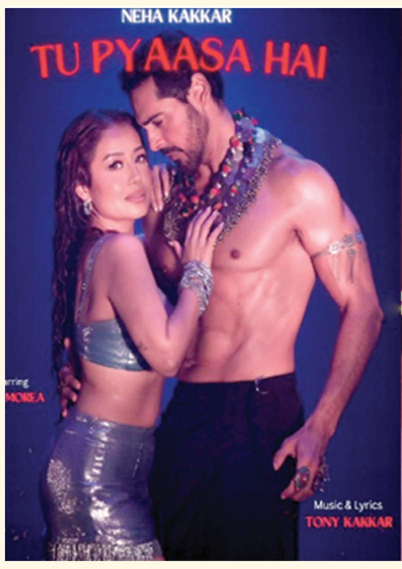

गाने में नेहा कक्कड़ अभिनेता डिनो मोरिया के साथ रोमांस करती नजर आ रही हैं। ऑनस्क्रीन दोनों में कमाल की केमिस्ट्री दिख रही है। गाने की शुरुआत में नेहा की आवाज में एक रोमांटिक अंदाज देखने को मिलता है, जहां वह कहती हैं, भिगा दे हमको तू जालिम, ये बारिश कुछ खास नहीं लगती, ऐसी आदत लगी है, तेरे साथ पीने की, बिन तेरे अब प्यास नहीं लगती। इन लाइंस को आसान और आकर्षक शब्दों में पेश किया गया है, जो सीधे दिल को छू जाते हैं।'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' एक रोमांटिक और एनर्जेटिक गाना है, जिसमें नेहा का सिजलिंग अवतार देखने लायक है। गाने का म्यूजिक और बीट्स युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। डिनो मोरिया की मौजूदगी ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। इस गाने को यूट्यूब और अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया है और कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

टोनी कक्कड़ ने गाने को लिखने के साथ-साथ संगीतबद्ध भी किया है और इसकी कोरियोग्राफी मोहित और सेरेन ने की है।नेहा कक्कड़ के फैंस इस गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनकी आवाज, स्टाइल और डिनो के साथ उनकी जोड़ी को खूब सराह रहे हैं।

निया शर्मा का पारंपरिक अवतार, पूजा-पाठ में लीन नजर आईं टीवी की बोल्ड अभिनेत्री

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा अपनी बिंदास और बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार वह पारंपरिक लुक में नजर आई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह सफेद सूट में नजर आ रही हैं, जो उनकी सुंदरता को और निखार रहा है। लुक को आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बड़े-बड़े झुमके पहने हुए हैं।

वीडियो में अभिनेत्री पूजा करती नजर आ रही हैं। वहीं, बाकी तस्वीरों में वह दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। उनके इस आध्यात्मिक अंदाज ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वह आमतौर पर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अवतार के लिए जानी जाती हैं।निया ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, पिछले हफ्ते मैं पूरी तरह पूजा-पाठ में डूबी रही! 'गणपति बाप्पा मोरया' जपते हुए और ढेर सारी आरतियां करते हुए मेरा समय बीता।फैंस उनके इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं और कमेंट्स में उनके लिए प्यार भरे मैसेज लिख रहे हैं।इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि वह त्वचा और छोटी-मोटी समस्याओं के लिए केमिकल युक्त उत्पादों की बजाय घरेलू नुस्खों को आजमाने में रुचि रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें डार्क सर्कल्स को खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खा बताया था।

वीडियो में अभिनेत्री बेसन समेत कॉफी, चावल का पानी, हल्दी और थोड़ा शहद को सही अनुपात में लेकर एक पेस्ट बनाकर अप्लाई करती हैं। निया ने इस पैक को सिर्फ डार्क सर्कल्स पर ही नहीं बल्कि अपने पूरे चेहरे पर लगाया। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, हर सुबह जब मैं रातभर 5,000 स्किनकेयर और डिटॉक्स ड्रिंक की रील्स देखकर उठती हूं (इतना सब करने के लिए जिंदगी में वाकई बहुत फुर्सत चाहिए), फिलहाल तो कॉफी, बेसन, शहद और हल्दी वाला फेस मास्क ही लगा रही हूं।

द केरला स्टोरी फेम एक्ट्रेस अदा शर्मा ने केरल में धूमधाम से मनाया ओणम

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरला स्टोरी' एक ब्लॉकबस्टर मूवी थी। इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। वह इन दिनों केरल में हैं। यह उनका गृहराज्य है, वहां अदा शर्मा ओणम के त्योहार को मनाने के लिए गई थीं। यहां पर अभिनेत्री ने अपने रिश्तेदारों के साथ ओणम के उत्सव का लुत्फ उठाया। अदा ने बताया कि इस बार का ओणम उनके लिए बहुत ही खास रहा। उन्होंने यहां रंगोली बनाना सीखा और घर के बने लजीज पकवान का भी लुत्फ उठाया।

अदा शर्मा ने कहा, मेरे रिश्तेदार पूरे केरल में हैं। इसलिए अपनी चार दिन की यात्रा में मैं हर एक मौसी के घर एक दिन रुकी। मैंने उनके घर पर ओलान, अवियल और सांभर का भरपूर आनंद लिया। तिरुवनंतपुरम में मेरी दो मौसी हैं, एक मुवत्तुपुझा में और दूसरी त्रिशूर में। जब मैं उनसे मिलने जाती हूं तो वे मुझे बहुत लाड़-प्यार करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, जब भी मैं ओणम के लिए केरल जाती हूं तो मैं घर से बाहर भी बहुत कम निकलती हूं, हमारे पास घर पर बातें करने के लिए बहुत कुछ होता है। इस बार मैं उनको एआई से तस्वीरों का रंग बदलना सिखा रही हूं। मैंने कोलम (रंगोली) बनाने की भी कोशिश की, लेकिन अभी इसमें मेरा हाथ थोड़ा तंग है, लेकिन फिर वो मेरी तारीफ करते हैं और इसे कला बताते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और इतने प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। 'द केरला स्टोरी' जैसी कहानियां हों या रीता सान्याल जैसी काल्पनिक कहानियां, मैं उन्हें जितना हो सके, उन्हें उतना असल दिखाने की पूरी कोशिश करती हूं। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि रचनात्मक फिल्म निर्माता मुझे इतने अलग-अलग प्रकार के किरदार दे रहे हैं।

ब्लू ड्रेस में हिना खान का ग्लैमरस लुक, शेयर की तस्वीर

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री हिना खान इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपने शानदार अभिनय और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हिना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं। हिना ने इन तस्वीरों में डार्क ब्लू कलर की खूबसूरत ड्रेस पहनी है, जो उनकी पर्सनैलिटी को और निखार रही है। इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ ब्लू शेड का आईलाइनर लगाया हुआ है और बालों को हल्के रोल के साथ स्टाइल किया गया है, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। हिना ने इन तस्वीरों को कैप्शन दिया, विंग इट आउट, ब्लू ग्लैम।उनकी तस्वीर को लाखों लोगों ने लाइक किया और कमेंट बॉक्स में फैंस 'ब्यूटीफुल,' 'गॉर्जियस,' और 'देसी क्वीन' जैसे शब्दों से सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री इन दिनों अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। वहीं, दर्शक भी उन्हें खूब पसंद कर रहे हैं। उनके स्क्रीन प्रेजेंस ने शो को और भी मजेदार बना दिया है। हिना ने अपने करियर में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' जैसे धारावाहिकों से लेकर 'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शो तक में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब इस नए शो में उनका अलग अंदाज दर्शकों को बांधे रख रहा है। रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' की बात करें तो इसमें कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और सोनाली बेंद्रे मिलकर होस्ट कर रहे हैं, जिसमें हिना खान और रॉकी जायसवाल के अलावा, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, गीता फोगाट और पवन कुमार, साथ ही स्वरा भास्कर और फहाद अहमद नजर आ रहे हैं। शो 2 अगस्त से कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

51 की उम्र में भी कहर ढा रहीं उर्मिला मातोंडकर

मिनी स्कर्ट में एक्ट्रेस ने दिखाया अपना बोल्ड अवतार

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में उर्मिला का स्टाइलिश और आकर्षक अंदाज देखने को मिल रहा है। उर्मिला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्टाइलिश पोज देती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की शर्ट के साथ नीले रंग की स्कर्ट को पेयर किया है, जिसके ऊपर नीले और सफेद रंग की चेक पैटर्न वाली शर्ट पहनी है। अपने लुक को और निखारने के लिए उन्होंने सफेद रंग के सॉक्स के साथ ट्रेंडी सैंडल कैरी किए। यह लुक उनकी पर्सनैलिटी को भी बखूबी उजागर कर रहा है।

पहली तस्वीर में उर्मिला कैमरे की ओर देखते हुए आत्मविश्वास भरा पोज देती नजर आ रही है। उनकी मुस्कान और आंखों की चमक प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए काफी थी। दूसरी तस्वीर में उन्होंने कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दिया, जो उनकी बॉस लेडी वाली छवि को और मजबूत करता है। इन तस्वीरों में उर्मिला का कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है। उर्मिला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया, सितंबर के पहले हफ्ते की ओर बॉस लेडी की तरह बढ़ते हुए।उनकी इस पोस्ट को देखकर प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। एक यूजर ने लिखा, आपका स्टाइल हमेशा लाजवाब रहता है, तो दूसरे ने कहा, उर्मिला जी, आप आज भी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं।उर्मिला मातोंडकर ने 90 के दशक में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से बॉलीवुड में एक खास मुकाम हासिल किया। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। वह बड़े पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में 'ब्लैकमेल' में नजर आई थीं।

अनन्या पांडे ने पूछा सवाल तो पिता चंकी पांडे ने जवाब दिया कॉमेडी शो

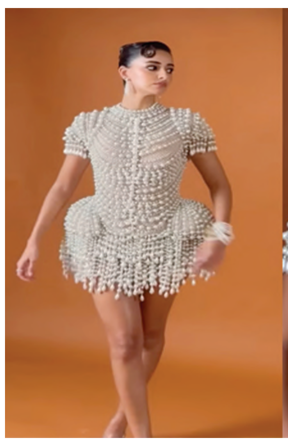

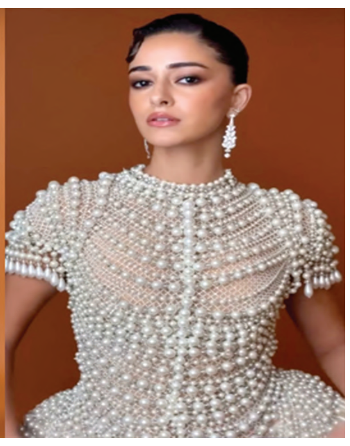

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने ग्लैमरस लुक से रूबरू कराया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फोटोशूट के लिए तैयार हो रही हैं। वीडियो में अनन्या पिता से हेयर स्टाइल के बारे में पूछती हैं, तो चंकी मजाक में कहते हैं, ये तो कॉमेडी शो जैसा लग रहा है।लुक की बात करें तो अनन्या ने व्हाइट मोतियों से बनी एक ड्रेस पहनी है। उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ कानों में मैचिंग ईयरिंग पहने हैं, जिसमें वह फोटोशूट के लिए पोज देती दिख रही हैं।

इस खास लुक ने उनके प्रशंसकों का ध्यान खींचा। अनन्या ने इसके कैप्शन में लिखा, मेरे पापा कह रहे हैं कि मेरा लुक ग्लैम कॉमेडी शो जैसा है... क्या किसी को मोतियों की आवाज पसंद है? ये वीडियो आपके लिए है। मुझे इस ड्रेस से बहुत प्यार है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इसमें नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में होंगे।फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह कार्तिक और अनन्या की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 2019 में 'पति पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। इसी के साथ ही अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 सितंबर 2025, शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 01:43 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 10:56 तक
योग : अतिगंड प्रात: 11:12 तक
करण : गर दोपहर 02:33 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रात: 11:22 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 ,सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक प्रात: 11:22 से चालू , अनंत चतुर्दशी व्रत , भद्रा रात्रि 01:42 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें। हरियाणा सरकार अंत्योदय उत्थान के ध्येय के साथ धरातल पर कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक में कुल 18 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 14 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें।

बैठक के दौरान देवत कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार का मामला भी सामने आया। उन्होंने जुलाई माह में हुई पिछली बैठक में शिकायत रखी थी कि उनकी कॉलोनी की 24 फुट चौड़ी गली में पड़ोसी ने पिछले 16 वर्षों से 12 फुट रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है, जिसके कारण उनके घर की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। मुख्यमंत्री ने उस समय शिकायत पर नगर निगम आयुक्त गुरुग्राम तथा सदस्य, जिला शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति प्रियव्रत कटारिया को मौके पर जाकर स्थिति की जांच करने और अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने शुक्रवार की बैठक में जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई के उपरांत संबंधित पड़ोसी ने अवैध कब्जा हटा लिया है। उन्होंने 16 साल पुरानी समस्या का समाधान करवाने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। बैठक में सूर्य विहार रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आई शिकायत में बताया गया कि कॉलोनी में नए 11 खंभे लगाए गए हैं, जिन पर नई तारें डलवाना आवश्यक है। ब्लॉक–1 में लगी पुरानी तारें 30 साल से भी अधिक पुरानी हो चुकी थीं और काफी नीचे लटक रही थीं, जिससे बरसात के समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसके अलावा कई जर्जर खंभे यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। यह शिकायत पिछली बैठक में रखी गई थी, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री ने आवश्यक दिशा–निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए बताया कि उनकी शिकायत का समाधान हो गया है। डीएचबीवीएन ने कॉलोनी में सभी पुराने कंडक्टर बदल दिए हैं तथा सभी जर्जर खंभों को भी हटाकर नए खंभे लगाए गए हैं। बैठक में सेक्टर–85 ओरिस सोसायटी के निवासियों ने अवगत कराया कि उनकी सोसायटी के मुख्य मार्ग को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क कुछ भू–मालिकों द्वारा अवरुद्ध कर दी गई है। इसके कारण निवासियों और स्कूल जाने वाले छात्रों को संकीर्ण और असुरक्षित मार्ग का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों, डीटीपी व एसटीपी, को त्वरित कार्रवाई कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मानेसर की मेयर डॉ इंद्रजीत यादव, जीएमडीए के प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी, जीएमडीए के सीईओ श्यामल मिश्रा, मंडलायुक्त आर.सी बिढान, उपायुक्त अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो सेवा की उपलब्धता में नम्बर वन बनने की ओर अग्रसर भारत : मनोहर लाल

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेट्रो सेवा का तेजी से विस्तार हो रहा है। जहां 2014 तक केवल 5 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो सेवा थी उसे अब बढ़ाकर 24 शहरों में 1066 किलोमीटर की मेट्रो सेवा उपलब्ध है और 970 किलोमीटर मेट्रो सेवा का कार्य पाइपलाइन में है जिसके पूरा होने के बाद भारत दुनिया का नम्बर वन देश मेट्रो सेवा प्रदान करने में बन जाएगा।

मनोहर लाल शुक्रवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर सभागार में गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित गुरुग्राम मेट्रो भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की जबकि हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक गुरुग्राम मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर व पटौदी विधायक बिमला चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। केंद्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को शिक्षक दिवस, ओणम और ईद के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इससे पूर्व सेक्टर 44 में मेट्रो सेवा का भूमि पूजन करते हुए निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि केंद्रीय आवास मंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ करीब 5500 करोड़ रुपए की लागत से मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक, द्वारका एक्सप्रेस वे तक जाने वाले 28.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का भूमि पूजन किया, इस प्रोजेक्ट पर 27 स्टेशन बनेंगे। यह मेट्रो सेवा नए और पुराने गुरुग्राम को जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी की दरें घटाकर देश के विकास को लगा दिए पहिए : अनिल विज

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी की दरें घटाकर हिन्दुस्तान के विकास को पहिए लगा दिए हैं।विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव/कमी करने से चीजें सस्ती होंगी तो ज्यादा खरीददारी होगी, ज्यादा खरीददारी होगी तो ज्यादा मांग बढेगी। ज्यादा मांग होगी तो ज्यादा कारखाने स्थापित होंगे। ज्यादा कारखाने लगेंगे तो ज्यादा रोजगार मिलेंगे। ज्यादा रोजगार मिलेंगे तो फिर और अधिक खरीददारी होगी। इस प्रकार से और कारखाने स्थापित होंगे तो और अधिक रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से ये चक्र चलता है।विज ने कहा कि आम आदमी की जरूरत की चीजें हैं, जैसे आटा, दूध, दही, मक्खन, दवाइयां, इश्योरेंस इत्यादि सस्ती की गई हैं, जबकि बीड़ी, तम्बाकू, शराब इत्यादि पर 40 प्रतिशत जीएसटी कर लगाया गया है। इस प्रकार से सरकार ने बुरी आदतों से दूर रहने का एक संदेश भी दिया है।उन्होंने कहा कि कुछ भी करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना अति आवश्यक है।

जीएसटी स्लैब में बदलाव से खुश हरियाणा के मंत्री

आम आदमी को मिलेगी राहत : कृष्णलाल पवार

रोहतक, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने रोहतक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों और कुछ वस्तुओं पर टैक्स माफ करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण होगा और आम जनता को राहत मिलेगी।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर टैक्स स्लैब में कमी या छूट दी गई है, जबकि लग्जरी सामान और तंबाकू जैसे उत्पादों पर ही टैक्स बढ़ाया गया है। उन्होंने इसे आम आदमी के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताया और कहा कि यह कदम भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम है। कैबिनेट मंत्री ने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के एक साल पूरे होने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जनहित में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है।इस बीच, रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने भी जीएसटी में किए गए बदलावों को लेकर खुशी जताई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़को को तत्काल दुरुस्त करवाने के निर्देश दिये है ।उन्होंने अधिकारियों को मौसम को देखते हुए फ़िल्ड में ऐक्टिव रहने और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए है ।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा कर रही थी ।

उन्होंने अधिकारियों फ़िल्ड विजिट करने और विकली रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा की डीएलपी अवधि की सड़को की मरम्मत शीघ्र करवाये, यदि कोई संवेदक धीमी गति से काम कर रहा है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए ।

उन्होंने बजट 2024–25 की घो–षणाओं के कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करवाने व बजट 2025–26 की घोषणाओं की तत्काल निविदा प्रक्रिया पूरी करवाकर काम चालू करवाने के निर्देश दिये है।उन्होंने उदयपुर जोन के अन्तर्गत शामिल उदयपुर, चित्तौड़,राजसमंद और सलूंबर जिलों की सड़कों व भवनों की प्रगति की समीक्षा की। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यो की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने उदयपुर जोन में चल रही एनएचएआई, एनएच, आरएसआरडीसी, राजस्थान स्टेट हाईवे आथोरिटी, पेचेबल व नॉन पेचेबल तथा मिसिंगलिंक सहित विभिन्न श्रेणी की सड़कों एवं भवनों की समीक्षा की। इस दौरान एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, पीडब्ल्यूडी शासन सचिव डी आर मेघवाल,मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित मुख्यालय एवं संबंधित जिलों के अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि प्रभावित फसलों का जल्द करें आंकलन : जोराराम कुमावत

सुमेरपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोर–राम कुमावत ने शुक्रवार को अपने सुमेरपुर विधानसभा में बारिश से हुए व्यापक नुकसान का आकलन करने के लिए दौरा किया। उन्होंने इलाके में वर्षा प्रभावित ग्राम पंचायत बिरामी में बिरामी की ढाणी, बड़ली, नौखरा बेरा इत्यादि गांवों का जायजा लिया और लोगों से मुलाकात की। मंत्री ने ग्रामीणों से राशन वितरण और मेडिकल सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

दौरे के बाद मंत्री कुमावत ने बताया कि अतिवृष्टि से जलभराव के कारण स्कूलों व अनेक सरकारी भवन, चारदिवारी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसके अलावा सड़कों पर पानी भरने से उनमें गढढे बन चुके हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कच्ची बस्तियों में जलभराव के कारण वहां वर्षा जनित बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ गई है। वहीं, बांधों में जलस्तर लगातार बढ रहा है, ऐसे में सिंचाई विभाग के अधिकारियों को उनकी निगरानी के निर्देश दिए हैं। फसलों में पानी की निकासी नहीं होने से उनमें पीलापन दिखाई देने लगा है, जिससे उत्पादन प्रभावित होगा। ऐसे में फसल खराबे का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करने के लिए तहसीदार व पटवारियों को आदेश दिए गए हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों का आंकलन कर उनके पेचवर्क करने के आदेश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए है। वहीं, गांवों में ओवरफ्लो हो चुके तालाबों की निगरानी के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को हिदायत दी गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इस दौरान मंत्री कुमावत ने पाली जिला कलेक्टर से दूरभाष पर वार्ता कर तहसीलदार को स्पेशल गिरदावरी करवाकर आंकलन रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने नगरपालिका सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। इसमें उन्होंने वर्षा से हुए नुकसान की स्थिति को लेकर चर्चा की। मंत्री ने क्षतिग्रस्त भवनों, सड़कों इत्यादि की मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जलभराव वाले स्थानों से पानी की निकासी के उचित प्रबंध करने के आदेश दिए।

अश्व अनुसंधान केंद्र में हिंदी कार्यशाला व अभिनंदन समारोह

बीकानेर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र में शुक्रवार को हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा: एक स्वप्न या सच्चाई विषय पर हिंदी कार्यशाला एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस.सी. मेहता ने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश कठिन निर्णय ले रहा है और ऐसे में यह संभव है कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनने का सफर शीघ्र पूरा हो।इस अवसर पर केंद्र की पहली राजभाषा पत्रिका अश्वराज का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाजसेवी लूणकरण छाजेड़ ने किया।

शिक्षक दिवस पर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की ऑन डिमांड परीक्षा के नवाचार का शुभारंभ

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों के लिए प्रखर राजस्थान 2.0 अभियान का एवं राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की ऑन डिमांड परीक्षा के नवाचार का शुभारंभ किया। उन्होंने शिक्षक दिवस विशेषांक शिविरा पत्रिका तथा शिक्षक सम्मान पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं।

बिहार में अब ऋषिकेश के लक्ष्मण झूले जैसा नज़ारा

पुनपुन में सीएम नीतीश ने केबल ब्रिज का किया शुभारंभ

पटना (एजेंसियां)।
पटना से सटे पुनपुन में 320 मीटर लंबा आधुनिक केबल सस्पेंशन ब्रिज बनकर तैयार हो गया है।

शुक्रवार दोपहर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अनोखे पुल का उद्घाटन किया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया। पुल के शुभारंभ के बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की विकास यात्रा में यह पुल एक नया मील का पत्थर है। यह केवल इंजीनियरिंग का कमाल नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा और विकास का प्रतीक भी है।

बता दें कि इस पुल के शुरू हो जाने से पुनपुन पिंडदान स्थल आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही बेहद आसान हो जाएगी। साथ ही पुनपुन शहर के लोगों को व्यापार और रोज़मर्रा की गतिविधियों में भी बड़ा लाभ मिलेगा। यह बिहार का पहला केबल सस्पेंशन ब्रिज है, जिसे हल्के वाहनों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।

इस पुल का निर्माण कार्य 31 अगस्त 2019 को शुरू हुआ था। इसकी प्रारंभिक लागत 46 करोड़ 77 लाख रुपये निर्धारित की गई थी, जो समय के साथ बढ़कर लगभग 83 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

अब तक पुल का लगभग 99 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और उद्घाटन के साथ ही इसे जनता के लिए खोल दिया गया है। इस पुल के निर्माण से पुनपुन स्थित पिंडदान स्थल तक पहुँचना पहले की तुलना में कहीं अधिक सुगम हो गया है।

श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। वहीं, व्यापारिक गतिविधियों को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा।

सीवान में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ज्वेलर्स पर फायरिंग और रंगदारी कांड के 5 अपराधी गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान के महाराजगंज पुलिस ने ज्वेलर्स और बर्तन भंडार पर फायरिंग एवं 20 लाख की रंगदारी मांग मामले में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

महाराजगंज पुलिस ने ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार पर फायरिंग और रंगदारी मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पांच अपराधियों को हथियार और मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो देसी कट्टा, छह जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, अपराधी महुआरी रेलवे ओवरब्रिज पुल के पास इकट्ठा होकर बड़ी लूट की योजना बना रहे थे। इसी बीच पुलिस और ऊखण टीम ने संयुक्त छापेमारी कर इन्हें दबोच लिया। पुलिस बल को देखकर कुछ अपराधी भागने लगे, लेकिन पांच अपराधियों को पकड़ लिया गया। एक अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

एसडीपीओ अमन ने प्रेसवार्ता में बताया कि 28 अगस्त को रिसौरा बाजार स्थित नेहा ज्वेलर्स और बर्तन भंडार में अपराधियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद 31 अगस्त को 20 लाख रुपये रंगदारी की मांग भी की गई थी। इसी मामले में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में इस घटना को अंजाम देने की बात कबूल की है।

बिहार में पर्व-त्योहारों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था, डीजे पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

पटना (एजेंसियां)।
बिहार पुलिस मुख्यालय ने आगामी पर्व-त्योहारों को लेकर कड़े सुरक्षा इंतज़ाम किए हैं। एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि गणेश चतुर्थी, ईदे मिलाद-उन-नबी, अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा पर विशेष चौकसी बरती जाएगी। किसी भी धार्मिक जुलूस को निकालने से पहले स्थानीय प्रशासन से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

एडीजी ने जिलों को निर्देश दिया कि जुलूस या विसर्जन से पहले शांति समिति की बैठक आयोजित करें। जुलूस का निर्धारित रूट तय कर उसका भौतिक सत्यापन भी करें। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और नदी घाटों पर गोताखोर तैनात रहेंगे।

त्योहारों के दौरान जिला से लेकर पुलिस मुख्यालय तक कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगे। हर चार घंटे पर मुख्यालय सभी जिलों से स्थिति रिपोर्ट लेगा। सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोकने के लिए विशेष मॉनीटरिंग की जाएगी। संदिग्ध लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है।

गया में 6 से 21 सितंबर तक पितृपक्ष मेले का आयोजन होगा। इस मौके पर 395 पुलिस पदाधिकारी, 1600 सिपाही और 800 गृहरक्षक तैनात किए गए हैं। साथ ही 5 कंपनी सशस्त्र बल, 2 ट्रूप अश्वारोही बल, 2 अश्रुगैस दस्ता, 1 दंगा निरोधक कंपनी और 2 बम निरोधक दस्ते की भी तैनाती की गई है। गया बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर पुलिस हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं और बाहर से आए लोगों को मदद मिल सके।

चिराग पासवान ने दिया बड़ा बयान

बिहार में मुख्यमंत्री की वैकेंसी नहीं, नीतीश कुमार ही रहेंगे सीएम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
वैशाली जिले के राजापाकर में पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाता है और जब उसमें सुधार किया जाता है, तब भी सवाल उठाता है। चिराग ने तंज कसते हुए कहा -'चीत भी मेरी और पट भी मेरी, यह तरीका नहीं चल सकता।'

चिराग पासवान ने कहा कि विपक्षी नेता प्रधानमंत्री और उनके परिवार पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए कहा, ङ्गआप असहमत हो सकते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री आपसे उम्र में बड़े हैं। भारतीय संस्कार यही कहते हैं कि हम बच्चों से भी आप कहकर बात करते हैं। नेताओं की भाषा मर्यादित होनी चाहिए ताकि कार्यकर्ताओं में गलत संदेश न जाए।

सभा में भीड़ को लेकर विपक्ष के आरोपों पर चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए की सभाओं में लोगों को बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। बिहार की जनता ने मन बना लिया है। यह उपचुनाव के नतीजों और आज की सभा की भीड़ देखकर साफ है,उन्होंने दावा किया।

चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए का पांच दलों का गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि बिहार बंद के बाद भी जिस तरह लोग मुजफ्फरपुर की सभा में पहुंचे, वह बताता है कि महागठबंधन के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा। मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही चर्चाओं पर चिराग ने साफ कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री की वैकेंसी खाली नहीं है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

बिहार एनडीए के नेताओं ने बीड़ी विवाद पर जताई नाराजगी, कहा-

पूरा देश अपमान का जवाब देगा

पटना (एजेंसियां)।
केरल कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में बिहार की तुलना बीड़ी से करने पर प्रदेश की सियासत तेज हो गई है। इस मामले पर एनडीए में शामिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

बिहारियों के ऐसे अपमान का जवाब पूरा देश देगा। बिहार मां भारती की संतानों के गौरव का प्रतीक रहा है। लोगों को यह ज्ञान ही नहीं है कि बिहार अखंड भारत का निर्माता रहा है, यह ज्ञान-विज्ञान की भूमि रही है और यह कई धर्मों की उत्पत्ति की भूमि है। बिहार पर सवाल उठाकर वे पूरे देश पर सवाल उठा रहे हैं। देश पर सवाल उठाने वाले देशद्रोही हैं। किसी भी राज्य पर सवाल उठाने वाले और उसका अपमान करने वाले मां भारती की संतान नहीं हो सकते। ऐसे लोग सजा के हकदार हैं, कार्रवाई होनी चाहिए।'

लोजपा (रामविलास) सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि केरल कांग्रेस ने बिहारियों की तुलना बीड़ी से की और बाद में उस सोशल मीडिया पोस्ट को हटा दिया, लेकिन इससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी बिहारियों और बिहार को कितनी गंभीरता से और किस मानसिकता से देखती है। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस ने बिहारियों का अपमान किया है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान, हमने देखा कि कांग्रेस ने देश भर से कई नेताओं को आमंत्रित किया, जिन्होंने बिहारियों का अपमान किया था, यहां तक कि डीएनए पर भी सवाल उठाया था।'

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि कांग्रेस को बिहार के लोगों से घृणा है। बिहार को बीड़ी कहा, है ना? बीड़ी भी जलती है और जब जलती है तो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा बिहार का अपमान महागठबंधन के लिए राजनीतिक स्वाभिमान बन गया है। कभी बीड़ी, कभी बिहारियों पर तंज।

उन्होंने कहा कि बिहार बुद्धिमान है, बुद्ध का है, सीता का है, सूफी संतों का है। तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जवाब तो देना पड़ेगा। क्या बिहार बीड़ी का पर्याय है? जनता ईवीएम से बताएगी कि बिहार आत्मसम्मान से जीता है।

भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार के फैसले पर उठाए सवाल

बिहार विधानसभा चुनाव के कारण जीएसटी में बदलाव

पटना (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार के फैसलों को अब बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने गुड्स एंड सर्विस टैक्स (ऋडढ) में हुए बदलावों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सरकार ने यह फैसला बिहार में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर लिया है। वहीं छत्तीसगढ़ के वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जीएसटी की दरों को कम करने के फैसले का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे आम आदमी और कारोबारियों दोनों को फायदा होगा। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में जीएसटी की दरों को बदलकर 5% और 18% करने का फैसला लिया गया। पहले जीएसटी की दरें कई तरह की थीं, लेकिन अब उन्हें कम कर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इस फैसले की घोषणा की थी।

भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी के 'गब्बर सिंह टैक्स' (जीएसटी) वाले बयान को दोहराया। उन्होंने एक समाचार एजेंसी से कहा, 'राहुल गांधी ने इसे गब्बर सिंह टैक्स कहा था। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे 'वन नेशन वन टैक्स' कहकर देश को धोखा दिया और यह टैक्स पांच अलग-अलग दरों पर वसूला गया। छोटे व्यापारी इस टैक्स से सबसे ज्यादा परेशान थे।' उनका कहना है कि विपक्ष हमेशा से जीएसटी का विरोध करता रहा है। सरकार अब जागी है, लेकिन इसकी वजह बिहार में होने वाले चुनाव हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जीएसटी दरों को 5% और 18% करने के फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इससे आम आदमी और कारोबार जगत दोनों को फायदा होगा। उनके अनुसार, जीएसटी की दरें कम होने से व्यापार करना आसान हो जाएगा।

बिहार में 225 से अधिक सीटें जीतेगा एनडीए : संतोष सुमन

पटना/दिल्ली (एजेंसियां)।
बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बिहार में सड़क, बिजली, आवास और पेंशन जैसी योजनाओं के माध्यम से व्यापक विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से प्रगति कर रहा है और जनता का एनडीए पर भरोसा कायम है। एनडीए चुनाव में 243 में से 225 से अधिक सीटें जीतेगी और पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएगी। बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि जो लोग पिकनिक मनाने के लिए अभी कुछ दिनों तक बिहार की सड़कों पर घूम रहे थे, उन्हें भगाने का काम बिहार की जनता करेगी।

संतोष सुमन ने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक कमेंट पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के कार्यकर्ताओं ने गलती की है। इसके लिए वरिष्ठ नेताओं को भी माफी मांगनी चाहिए। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) के अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने पीएम पर किए कमेंट को नेताओं के घमंड से जोड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये नेता चुनाव के समय टूरिज्म के लिए बिहार आते हैं, न कि जनता की वास्तविक चिंताओं को समझने के लिए। जनता समझदार है, जवाब तो चुनाव में मिलेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उन्होंने अपनी रणनीति और नजरिया स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि एनडीए पिछले पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहा है। जिला सम्मेलनों के बाद अब उनकी पार्टी विधानसभा स्तर पर सम्मेलन करेगी, जिससे कार्यकर्ताओं को संगठित और उत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य सीटों की संख्या से ज्यादा विचारधारा और विकास पर केंद्रित है। हमारी पार्टी बिहार के विकास, विशेषकर गरीबों और दलितों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने गठबंधन धर्म का सम्मान करने की बात कही और विश्वास जताया कि एनडीए के सभी सहयोगी दल-जदयू, भाजपा, हम और अन्य मिलकर काम कर रहे हैं और सीट बंटवारे में सभी को सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलेगी। सीट शेयरिंग पर उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हम ज्यादा से ज्यादा सीटों की मांग करेंगे। जैसा कि उनके कार्यकर्ता चाहते हैं। सीट बंटवारे पर होने वाली बैठकों में अपनी बात मजबूती से रखेंगे, लेकिन अंतिम फैसला गठबंधन के सामूहिक हित में होगा। सुमन ने भरोसा जताया कि सीट बंटवारा समय पर और सभी दलों के लिए संतोषजनक तरीके से होगा।

केरल कांग्रेस की ओर से बिहार की तुलना 'बीड़ी' से किए जाने पर उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिहार की गौरवशाली विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार वह धरती है, जिसने नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों के माध्यम से दुनिया को ज्ञान दिया। यह प्रथम गणतंत्र वैशाली, बुद्ध और महावीर जैसे महापुरुषों की भूमि और मोक्ष की धरती है। उन्होंने केरल कांग्रेस की टिप्पणी को बिहार और यहां के लोगों का अपमान बताया और चेतावनी दी कि लोग चुप नहीं रहेंगे और ऐसी टिप्पणियों का जवाब देने में सक्षम हैं, चाहे वो केरल में जाकर ही क्यों न हो। उन्होंने कहा कि ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां ऐसी ही मानसिकता वाली पार्टी से ही अपेक्षित हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com